ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-238

॥ श्री हरिः ॥

भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे समधी जी

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

मीठी मधुर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएगी ...
आपका व्यवहार आपकी बातें, हमें सदैव याद आएगी ...

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

हरिप्रसाद सुरेश कुमार गुप्ता

फर्म : ज्योति विष्णु फार्मा प्रा. लि.

भगवानदास सत्यनारायण चनानिया

फर्म : श्री श्याम प्लाईवुड इंडस्ट्री

चतुरभुज सुरेंद्र गुप्ता

फर्म : जगदम्बा पर्ल्स

क्रोध, मान, माया जैसी कषायों से मुक्ति ही उत्कृष्ट साधना का राजमार्ग: प्राचार्य प्रकाशचंद जैन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु, के जैन स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में संघ सदस्यों के अलावा शहर भर से पधारे धर्मावलंबियों की सादर उपस्थिति में पर्युषण पर्व आराधना और सांवत्सरिक क्षमापना का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु, श्री जैन रत्न श्राविका मंडल, श्री जैन रत्न युवक परिषद के सानिध्य में प्राकृत संस्कृत के विद्वान, जैन आगम ज्ञाता, राष्ट्र पंडित, संत सतियों को पढ़ाने वाले वरिष्ठतम स्वाध्यायी प्राचार्य प्रकाशचंद जैन (जलगांव-जयपुर) ने क्रोध, मान,

माया और लोभ रूपी कषायों से मुक्ति को ही उत्कृष्ट साधना का राजमार्ग बताते हुए प्रेरणादायक उद्बोधन में मार्मिक अपील की कि क्रोध के परिणामों पर क्षणिक चिंतन मात्र से ही क्रोध को शिथिल या कम किया जा सकता हैं। आत्मा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कषायों की तुच्छता से वाकिफ होकर अकषायी बनने का सार्थक प्रयास ही श्रावक के लिए श्रेयस्कर हैं। प्राकृत संस्कृत के विद्वान, जैन आगम ज्ञाता, राष्ट्र पंडित, प्राचार्य प्रकाश जैन, स्वाध्यायी कांता जैन और ज्योति जैन के पुरुषार्थ और कुशल सानिध्य में श्राविका मंडल की संरक्षक मंजू भंडारी, प्रमिला भंडारी, सुशीला भंडारी, गुणवंती सांखला, युवक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनीष सांखला के सहकार से अंतगढ़ दशासूत्र का रोचक व्याख्यान एवं शिविर सफल रहा। दिन भर धर्म आराधना, तपस्या एवं सामायिक श्रवण करने वालों के लिए संघ की तरफ से पारणे और भोजन की शानदार व्यवस्था रही। मुमुक्षु प्रतीक्षा ने 4 वर्ष पूर्व संवत्सरी दिवस को भावी आचार्य महेंद्र मुनि के आचार्य पद की घोषणा पर उनके गुणों की स्तुति और आज भी गोचरी और आचार्य भगवन्त हीराचंद्र के समुचित देखरेख का पूर्ण जिम्मेदारी से प्रेरणा लेते हुए प्रवचन की शुरुआत की। उन्होंने अतिक्रमण हुई आत्मा के प्रतिक्रमण पर दृष्टान्तों के साथ सामायिक व्याख्यान में 5 प्रकार के प्रतिक्रमण से अवगत कराया। संचालन उपाध्यक्ष गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने स्वागत उदबोधन में संघ और संगठन की महिमा पर प्रकाश डाला तथा आगामी माह में संघ की सूचना साझा की। संरक्षक हुकमीचंद डोसी, महा-वीरचंद मरलेचा, पदमराज मेहता, पूर्व अध्यक्ष भोपालचंद पगारिया, उपाध्यक्ष मनमोहनराज सुराणा, नंदकिशोर दुधेडिया, कोषाध्यक्ष प्रमोद सिंघवी, सहमंत्री सुनील लोढा, श्राविका मंडल अध्यक्षा प्रभा गुलेच्छा, विहार समिति के संतोष डोसी, करण बम्ब, श्रावक रत्न सुशील डूंगरवाल, जसवन्त राज छाजेड़, किशन नाहटा, विशाल लुणावत और पदाधिकारी गण ने भावात्मक रूप से सभी स्वाध्यायी गणमान्यों का स्वागत अभिनंदन किया।

1 हजार से अधिक जरूरतमंदों को परोसी गई खुशियों की थाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायूम बेंगलूरु शाखा द्वारा राष्ट्रीय सेवा प्रकल्प आनंद सबके लिए के अंतर्गत मासिक सेवा कार्यक्रम खुशियों की थाली का आयोजन मैसूरु बैंक सर्कल, अंजनेया मंदिर के पास संपन्न हुआ। इस आयोजन में 1000 से अधिक जरूरतमंदों को गरम, पौष्टिक और प्रेमपूर्वक भोजन परोसा गया, जो मंच की सेवा भावना का प्रतीक बना। शाखा अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सेवा और सद्भाव का संदेश देते हैं। इस सेवा कार्यक्रम का संयोजन रूपेश केडिया ने कुशलता और समर्पण के साथ किया। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक निखिल अग्रवाल एवं नितिन महेश्वरी रहे, जिनके सहयोग से यह सेवा संभव हो सकी। सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने वालों में उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, सचिव सन्नी जैन तथा सदस्य तनुज टेकरीवाल, मनीष अग्रवाल, कुश अग्रवाल, प्रियंशु जैन एवं अन्य शामिल थे। इस आयोजन के साथ ही इस वित्तीय वर्ष में अब तक 5000 से अधिक खुशियों की थाली जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा चुकी है।

संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से निसर्गा ग्राम में सजी सांस्कृतिक छटा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन यूथ विंग कर्नाटक, हैंड्स फॉर सोसायटी और मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल के संयुक्त तत्व-ावधान में निसर्गा ग्राम (स्पर्श ट्रस्ट), हेसरघट्टा में गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में एक प्रेरणादायक और आनंददायक गणेश निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विशेष रूप से आश्रम में निवासरत बच्चों के लिए समर्पित था, जिसमें सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक समृद्धि और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक गणेश पूजन से

हुई, जिसमें बच्चों और स्वयंसेवकों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ भाग लिया। इसके पश्चात बच्चों के लिए एक अभिनव पहल के रूप में 'चिल्ड्रन बैंक' का उद्घाटन किया गया, जिसमें बच्चों ने वित्तीय समझ, बचत और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। इसके बाद अंताक्षरी, गायन और नृत्य जैसी मनोरंजन गतिविधियों ने पूरे वातावरण को उमंग और ऊर्जा से भर दिया। स्वादिष्ट सामूहिक भोजन ने सभी को एक साथ बैठकर संवाद और स्नेह साझा करने का अवसर दिया, जिसकी व्यवस्था तीनों संस्थाओं के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई थी। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और भावनात्मक हिस्सा रहा मिट्टी से गणेश जी की मूर्ति बनाना, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस रचनात्मक गतिविधि ने बच्चों और स्वयंसेवकों के बीच एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया। बच्चों की प्रतिभा को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उनकी रचनात्मकता, उत्साह और सहभागिता की सराहना की गई। इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में संस्था के कोषाध्यक्ष आयुष भीमसरिया की प्रमुख भूमिका रही, जिनके नेतृत्व और समन्वय में पूरा कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर महिला विंग की अध्यक्षा ऋतु अग्रवाल, अनिता जिंदल, मीरा अग्रवाल, यूथ विंग के आयोजन सचिव पुनीत गोयल, सह सचिव गौरव अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्या हृषिता जिंदल, खुशी अग्रवाल एवं बेंगलूरु सेंट्रल के पवन केके सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। हैंड्स फॉर सोसायटी ने मिट्टी, चॉकलेट्स और अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर बच्चों की खुशियों में चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम के समापन पर अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन यूथ विंग कर्नाटक के अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल ने संयोजक आयुष भीमसरिया तथा तीनों संस्थाओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

सभी पुण्यशालियों ने तप धर्म को स्वीकार कर जीवन को धन्य बनाया

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने तपस्वियों के पारना के अवसर पर कहा कि सभी पुण्यशालियों ने तप धर्म को स्वीकार कर अपने जीवन को मानव भव को धन्य बनाया है। तप ही आत्मा का वास्तविक आभूषण है।

जिसने तपस्या को अपनाया, उसने अपने भीतर की शक्ति को जागृत किया है। तप तो मन और इन्द्रियों पर विजय पाने का नाम है। मन संयमित है, तो वही सच्चा तप है। तप बाहरी स्थान का मो-हताज नहीं है, यह तो आंतरिक साधना है। जीवन में प्रयोग करें। भोजन में तप थोड़ी-थोड़ी देर उपवास या एकासना करके आत्मबल बढ़ा सकते हैं। वाणी में तप अनावश्यक बातें न बोलकर मौन का पालन करें। विचारों में तप नकारात्मक सोच को त्यागकर आत्मा को निर्मल बनाएं। तप का अर्थ शरीर को दुख देना नहीं है, बल्कि आत्मा को बलवान बनाना है। राजु भंडारी ने बताया कि श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर में सामुहिक क्षमापना का लाभ भंवरलाल पेराजमल परिवार ने लिया।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर द्वार उद्घाटन का लाभ कांतिलाल कालुराम परिवार ने लिया। सभी तपस्वियों के सामूहिक पारना का लाभ राजेंद्र कुमार वरदीचंद मांगीलाल पोरवाल परिवार ने लिया।

सामूहिक क्षमापना का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान एवं साध्वी श्री शशिप्रभा जी के सान्निध्य में महावीर भवन में संघ का सामूहिक क्षमापना आयोजित किया गया। महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। श्रीपाल बांठिया, सुरेन्द्र बेताला, हिताशा मुथा ने अपने विचार व्यक्त किए।

अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने पर्युषण पर्व आराधना की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष पर्युषण में 60 से ज्यादा जनो ने अट्ठाइ तप किया। इस से पूर्व संवत्सरी पर्व पर अपने प्रवचन में साध्वी शशिप्रभा जी ने कहा कि समय मूल्यवान है। समय का सदुपयोग करने वाला बुद्धिमान होता है। अवसर मिलता है तो तुरंत लाभ उठा लेना चाहिए। साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने अंतगड सूत्र का विवेचन करते हुए कहा कि क्षमा सबसे श्रेष्ठ आराधना है और मानसिक शक्ति का राज है। क्षमा का दिखावा अनुचित है। साधना के क्षेत्र में शेरनी जैसे कूद पड़ना चाहिए। वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रतिक्रमण करने के पहले प्रतिक्रमण को समझना जरूरी है। मात्र उच्चारण से आत्मा पर लगे पाप हल्के नही होते हैं। प्रतिक्रमण करके आनंद और शांति की अनुभति होनी चाहिए। साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने आगम वाचन किया और साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने संवत्सरी पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। सभी तपस्वियों का संघ की ओर से अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सम्मान किया। अभय कुमार बांठिया ने देवसीय प्रतिक्रमण कराया। प्रतिक्रमण कराने का लाभ गौतमचंद दर्डा एवं लोगस्स का लाभ किशनलाल सुराणा ने लिया। सामूहिक क्षमापना आयोजन में संघ की ओर से वर्षीतप आराधकों का, शिक्षा क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जीवदया के लिए सहयोग राशि भी एकत्रित की गई। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

संवत्सरी का दिन शुद्धिकरण का दिन होता है: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जिस पर्व की प्रतिक्षा रहती है वह पर्व आज है। जैन दर्शन से और जैन तत्व से इससे बड़ा कोई पर्व नहीं होता है। यह पर्व त्याग, भक्ति, तपस्या और आत्म शुद्धि की प्रेरणा देता है। जहां शुद्धता होती है वहां मेहमान आते है। लेकिन जहां मन शुद्ध होता है वहां भगवान आते हैं। यह पर्व मनुष्य को शुद्ध करने के लिए आया है। जो सरल होते है सहज होते हैं वहां धर्म टिकता है और वहीं भगवान आते हैं। इस दिन मनुष्य को अपने मन में प्रभु को बुलाना चाहिए और मन को शुद्ध कर लेना चाहिए। अज्ञानता को दूर कर ज्ञान का दीप जला लेना चाहिए। जिसके मन मंदिर में प्रभु बस जाते हैं, उनका जीवन सफल हो जाता है। भव भव से भ्रम चल रहा है। अब नैया पार लगाने का समय आ गया है। जिसके मन मंदिर में प्रभु का वाश होता है उसको किसी की चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ती है। भगवान से प्रार्थना करना बहुत अच्छी बात

है। लेकिन उसके लिए कुछ करना पड़ेगा। इस भव से पार करने के लिए तप करना होगा। हमारे महापुरुषों ने क्या क्या किया है, उसको श्रवण करने से नहीं बल्कि जीवन में उतारने से जीवन बदलेगा। मनुष्य बीमार पड़ता है तब वैद के पास जाता है। लेकिन वैद के कहने का 10 दिन भी पालन नहीं कर पाता है। लेकिन हमारे महापुरुषों ने तप तपस्या के मार्ग पर चल कर जीवन को ही बदल दिया। ऐसे महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलने का प्रयास ही मानव जीवन को बदल सकता है। गुरुदेव ने फरमाया को तप त्याग करना आसान नहीं होता हैं, लेकिन एक बार इस मार्ग पर चल देने से कई भव सुधर जाते हैं। सूरवीर ही तप तपस्या कर सकते है। महापुरुषों को किसी चीज की कमी नहीं थी। उसके बावजूद उन्होंने तप का मार्ग अपनाया। आज के समय में लोग अपने खाने पीने पर नियंत्रण ही नहीं कर पाते है। लेकिन महान लोगों ने हर चीज पर नियंत्रण किया और जीवन को सुधार लिया। स्वाद छोड़ों और तपस्या करो। स्वाद के चक्कर में रहोगे तो तपस्या नहीं कर पाओगे। आज का युग स्वाद का है खूब खाता है और कष्ट झेलता है। संवत्सरी का यह पर्व मनुष्य को कषाय से दूर करने के लिए आता है। कषाय की वजह से अगर किसी का दिल दुखाया है तो उससे माफी मांग लेनी चाहिए। संवत्सरी का दिन शुद्धिकरण का दिन होता है। आत्मा मन अगर शुद्ध हो गया तो कषाय अपने आप ही दूर हो जाएगा। दो मिनट का क्रोध सब कुछ तहस नहस कर देता हैं। क्रोध महा चंडाल होता है। इसलिए क्रोध कषाय से जितना जल्दी हो सके दूर हो जाओ। क्रोध मनुष्य को नर्क में ले जाता है। इसी बीच पंडित रत्न पूज्य गुरुदेव चौथमल जी की जन्म जयंती मनाई गई। चौथमल जी ने कषाय पर विजय प्राप्त की थी। उनकी बुद्धि तीव्र नहीं थी लेकिन धीरे धीरे सब कुछ सिखा। बाद में ऐसी बुद्धि खुली कि घोर विद्वान बन गए। वह बहुत ही सरल, शांत और गंभीर थे। ऐसे महान संत के जीवन से सिख कर मानव जीवन से पार कर लेना चाहिए। 6 उपवास का पच्चखान पिंकी तलेसरा, 8 उपवास का पच्चखान विभा विनायकिया, संगीता तलेसरा, सविता पालरेचा, विजय खीवेंसरा, संतोषबाई खीवेंसरा, सपनाबाई भूरट, अरिहंत सुराणा, चैतन गांधी, प्रणव सुराणा, पंकज तातेड़ ने किया। 9 उपवास का पच्चखान तेजल श्रीश्रीमाल एवं काफी लोगों ने छठ्ठ अट्ठम के पच्चखान ग्रहण किए। बड़ी संख्या में लोगों ने अन्य पच्चखान ग्रहण किए। सभी लोगों से सांवत्सरिक खमत कामणा एवं तपस्या की मंगल कामना की। श्री सुमति नाथ सकल जैन संघ के सभी पदाधिकारियों ने सकल संघ एवं पूज्य गुरुदेव से अब तक के चार्तुमासिक काल में किसी तरह की आसातना के लिए क्षमा याचना की। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

संवत्सरी पर्व आत्मा की गहराई से जुड़ा हुआ पर्व: सुमेर कोचर

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन तेरापंथ जैन समाज द्वारा पर्युषण महापर्व का समापन पावन संवत्सरी पर्व के साथ भव्यता और श्रद्धा से किया गया। आठ दिनों तक चले इस महापर्व में जहां स्वाध्याय, ध्यान, संयम और तपस्या की साधना की गई, वहीं संवत्सरी के दिन पूरे समाज ने कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर आयोजित विशेष सभा में उपासक सुमेर कोचर और उपासक अशोक बुरड़ ने अपना प्रेरणादायी प्रवचन दिया। सभा को संबोधित करते हुए उपासक सुमेर कोचर ने कहा कि संवत्सरी पर्व केवल एक धार्मिक परंपरा भर नहीं, बल्कि यह आत्मा की गहराई से जुड़ा हुआ पर्व है। उन्होंने कहा मनुष्य के जीवन में जाने-अनजाने में अनेक भूलें होती रहती हैं। जब तक हम उन भूलों को स्वीकार नहीं करते और क्षमा नहीं माँगते, तब तक मन पर एक बोझ बना रहता है। संवत्सरी पर्व हमें अवसर देता है कि हम अपने अहंकार को त्यागें और क्षमा माँगकर मन को हल्का करें। क्षमा ही जीवन का सबसे बड़ा आभूषण है। उन्होंने समझाया कि जैन धर्म का मूल सार अहिंसा है और अहिंसा का

वास्तविक पालन तभी संभव है, जब हम क्षमा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ। अशोक बुरड़ ने अपने विचार रखते हुए कहा कि संवत्सरी पर्व जैन धर्म की आत्मा है। उन्होंने कहा खमतखामना केवल बोलने की औपचारिकता नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है। यदि मुझसे मन, वचन या कर्म द्वारा किसी को कष्ट पहुँचा हो, तो मैं हृदय से क्षमा चाहता हूँ। साथ ही मुझे भी दूसरों को क्षमा करना है। जब यह भावना व्यवहार में उतरती है, तभी संवत्सरी पर्व सफल होता है। तेरापंथ युवक परिषद ने भी एक गीतिका प्रस्तुत की। भूमिका सुराणा ने अट्ठाई का प्रत्यखान किया, उनके परिवार वालों ने तप की अनुमोदन करते हुए गीतका प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में तेरापंथ अध्यक्ष सोहनलाल तातेड, मंत्री विमल कोठारी एवं सभी पदाधिकारियों ने उपासक सुमेर कोचर और उपासक अशोक बुरड़ का आभार व्यक्त किया।

ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आलोचनाओं से घिरे शिवकुमार ने कहा कि वह अब कई मुद्दों पर रहेंगे चुप @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-238

पूर्व जज को आईना दिखाया तो कुछ पूर्व जजों को गुस्सा आया

खुद को भगवान समझते हैं जज, आलोचना बर्दाश्त नहीं

इंडी गठबंधन की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए मैदान में उतारे गए पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को नक्सलवादी विचारधारा का समर्थक बताए जाने से कुछ पूर्व जजों की चौकड़ी बौखलाई हुई है। पूर्व जजों ने सुदर्शन रेड्डी का सत्य उजागर किए जाने के खिलाफ पत्र-लेखन का कार्यक्रम शुरू कर दिया। जज खुद को ब्रह्म समझते हैं और लोकतंत्र में आलोचना से खुद को परे मानते हैं। उनके बारे में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सच कैसे कह दिया, इससे तमाम पूर्व जजों को मिर्ची लग गई। गृहमंत्री अमित

शुभ-लाभ विमर्श

शाह ने सुदर्शन रेड्डी को लेकर टिप्पणी क्या की, इसके बाद कई पूर्व जजों और कार्यकर्ताओं का पूरा दस्ता ही रेड्डी के बचाव में उतर पड़ा। कुछ तटस्थ और ईमानदारी पूर्व जजों ने अमित शाह के खिलाफ पत्र-लेखन को गलत बताया है और कहा है कि अमित शाह के बयान से न्यायपालिका खतरे में पड़ने नहीं जा रही। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 22 अगस्त को कोच्चि में एक कार्यक्रम में कहा था कि कांग्रेस ने वामपंथी दबाव के आगे घुटने टेक कर रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया। शाह ने रेड्डी को नक्सलवाद का समर्थक बताया

और कहा कि छत्तीसगढ़ में माओवादियों के खिलाफ तैनात सलवा जुड़ूम को भंग करने का फैसला देकर उन्होंने नक्सलवाद विरोधी अभियान को छिन्न भिन्न कर दिया। अन्यथा उसी समय नक्सलवाद की समस्या समाप्त हो गई होती। अमित शाह ने कहा, विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी वही

अमित शाह के बयान पर हेट-लेटर लिखने लगी चौकड़ी

शख्स हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद और नक्सलवाद के समर्थन में सलवा जुड़ूम का फैसला दिया। अगर ऐसा नहीं हुआ होता, तो 2020 तक वामपंथी उग्रवाद खत्म हो गया होता। उन्होंने केरल के लोगों को याद दिलाया कि उनका राज्य भी नक्सलवाद और उग्रवाद का दंश झेल चुका है। शाह ने तर्क दिया कि कांग्रेस ने अपने वामपंथी सहयोगियों के दबाव में ऐसे व्यक्ति को ऊंचा पद दिया, जिससे उसका असली वैचारिक झुकाव जाहिर होता है।

तटस्थ राजनीतिक समीक्षक भी यह मानते हैं कि अमित शाह का बयान न्यायपालिका के खिलाफ नहीं था, बल्कि यह एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार की पृष्ठभूमि को लेकर सटीक राजनीतिक आलोचना थी, जो लोकतांत्रिक चुनावों में बिल्कुल सामान्य है। आलोचना से जजों और कार्यकर्ताओं के समूह को इतनी मर्मांतक चोट क्यों लगी, इसे समझने के लिए 2011 के सलवा जुड़ूम वाले फैसले को देखना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जस्टिस रेड्डी और निज्जर की ▶10 पर

भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ को बताया

राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल नहीं कर सकते राज्य

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ-साफ कहा कि राज्य सरकारें राष्ट्रपति या राज्यपाल के विधेयकों पर लिए गए फैसलों के खिलाफ याचिका नहीं दाखिल कर सकतीं। सरकार ने कहा कि राज्य के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के सिर पर चढ़ने का संवैधानिक अधिकार नहीं होता। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए विवादास्पद फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ मामले की सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ इस बात पर विचार कर रही है कि क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति और राज्यपाल को तय समय में विधेयकों पर फैसला लेने का निर्देश दे सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कहा कि राज्य सरकारें किसी अध्यादेश पर राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसले के खिलाफ याचिका

अनुच्छेद 32 के तहत लिए गए फैसलों को नहीं दी जा सकती चुनौती

दाखिल नहीं कर सकतीं। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दाखिल कर सकती हैं? उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति यह भी जानना चाहती हैं कि संविधान के अनुच्छेद 361 का दायरा क्या है? यह अनुच्छेद कहता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। मेहता ने संविधान पीठ को बताया कि इन सवालों पर पहले भी चर्चा हुई है। लेकिन राष्ट्रपति का मत है कि अदालत की स्पष्ट राय जरूरी है, क्योंकि भविष्य में ऐसा मामला फिर उठ सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। न तो कोर्ट ऐसे मामलों में कोई निर्देश दे सकता है और न ही इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। ▶10 पर

असम सरकार ने लागू की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)

बाहरी हो या भीतरी, अब असम में आसानी से नहीं खरीद पाएंगे जमीन

गुवाहाटी, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

असम में जनसांख्यिकीय बदलाव और संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए असम सरकार ने एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीड्योर) को मंजूरी दी है। यह प्रक्रिया अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच भूमि हस्तांतरण की जांच के लिए लागू की गई है। इसके अलावा असम के बाहर से आने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) द्वारा जमीन खरीदने की प्रक्रिया को भी इस प्रक्रिया के तहत जांचा जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम जैसे संवेदनशील राज्य में जमीन के लेन-देन को बहुत सावधानी से संभालना जरूरी है, ताकि कोई धोखाधड़ी न हो और समाज में शांति बनी रहे। अगर जमीन का ट्रांसफर (खरीद-बिक्री या दान) एक ही धर्म के लोगों के बीच हो रहा है, तो इस प्रक्रिया का कोई असर नहीं होगा और ऐसे सौदे बिना किसी अतिरिक्त रुकावट के हो सकेंगे। लेकिन अगर यह ट्रांसफर अलग-

समान धर्म में ही हो सकेगा जमीन ट्रांसफर

अलग धर्मों के बीच हो, जैसे हिंदू और मुस्लिम या इसके उलट, तो इसके लिए कई स्तरों पर जांच होगी।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जब कोई प्रस्ताव सब-डिविजनल अफसर के पास आएगा, तो अगर यह एक ही धर्म के लोगों के बीच का सौदा है, तो कोई दिक्कत नहीं। लेकिन अगर यह इंटर-रिलीजन सौदा है, जैसे हिंदू और मुस्लिम के बीच तो पहले यह जांचा जाएगा कि जमीन का मालिक असली है या नहीं, जमीन असली है या नहीं। इसके बाद प्रस्ताव डिप्टी कमिश्नर के पास जाएगा। डिप्टी कमिश्नर इस प्रस्ताव को राजस्व विभाग को भेजेगा। वहां से यह असम पुलिस की स्पेशल ब्रांच को जाएगा। स्पेशल ब्रांच यह देखेगी कि कहीं यह सौदा जबरदस्ती, धोखाधड़ी या गैरकानूनी तो नहीं है। साथ ही खरीदार के पैसे का स्रोत भी जांचा जाएगा कि वह काला धन तो नहीं है। इसके अलावा स्थानीय लोगों की राय भी ली जाएगी कि वे इस सौदे से सहमत हैं या नहीं, खासकर जब जमीन किसी अलग धर्म के व्यक्ति को बेची जा रही हो। मुख्यमंत्री ने कहा, स्पेशल ब्रांच यह भी देखेगी कि इस सौदे से स्थानीय सामाजिक ढांचे पर कोई ▶10 पर

खुफिया एजेंसियों ने बिहार और यूपी पुलिस को किया अलर्ट

नेपाल के रास्ते बिहार-यूपी में घुसे जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी

पटना/लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान से ऑपरेट करने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेपाल के रास्ते बिहार और यूपी में प्रवेश कर रहे हैं। इनका इरादा बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी फैलाना और बिहार से जुड़े यूपी के पूर्वांचल राज्यों में धार्मिक उपद्रव कराना है। खुफिया एजेंसियों ने बिहार और उत्तर प्रदेश पुलिस को इस बारे में सतर्क किया है। कुछ ही महीनों के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। खुफिया एजेंसियों ने जानकारी दी है कि जैश के आतंकी बिहार और यूपी में बैठे स्लीपर-सेल को जाग्रत कर अराजकता पैदा करने के इरादे से घुस रहे हैं। जैश के तीन आतंकियों का पता चला है जो नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे हैं। जैश के अन्य तीन आतंकी नेपाल से यूपी में घुसे हैं। ▶10 पर

ढाका में हुई बीएसएफ और बीजीबी के डीजी स्तर की बैठक

अवैध घुसपैठ और अपराध रोकने पर दोनों देश सहमत

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसियां)।

भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की महानिदेशक स्तर की चार दिवसीय बैठक में सीमा सुरक्षा मजबूत करने और अवैध घुसपैठ रोकने पर सहमति बनी है। बीएसएफ के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी ने बांग्लादेशी पक्ष को भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने की बात बता दी है। दोनों देशों के सुरक्षाबलों के बीच एक संयुक्त चर्चा रिकॉर्ड पर हस्ताक्षर किया गया है। इस बातचीत में दोनों देश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने और अवैध घुसपैठ पूरी तरह से रोकने पर सहमत हुए हैं। यह चर्चा 25 अगस्त को ढाका में शुरू हुई थी, जिसमें भारत और बांग्लादेश की

चार दिवसीय बैठक में कई जरूरी मसलों पर हुई चर्चा

ओर से बड़े अधिकारी शामिल हुए। भारत की ओर से प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई खुद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डीजी दलजीत सिंह चौधरी ने की। उन्होंने 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की, जिसमें बीएसएफ के बड़े अधिकारी समेत गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग के अफसर शामिल हुए। वहीं बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई बीजीबी के डीजी मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज्जमान सिद्दीकी ने की, जिसमें 21 सदस्य शामिल थे। चार दिनों की इस चर्चा में बीएसएफ और बीजीबी ने विस्तृत मुद्दों पर बात की, जिसमें सीमा पर मुस्तैदी बढ़ाने की बात भी शामिल है। दोनों देशों की ओर से साझा बयान भी जारी किया गया। ▶10 पर

अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव के वीरों को पहनाया मेडल

पहलगाम के आतंकियों को निपटाने वाले जवान सम्मानित

नई दिल्ली/जम्मू, 28 अगस्त (ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन जवानों को सम्मानित किया जिन्होंने पहलगाम हमले के आरोपियों को ढेर किया। अमित शाह ने भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के वीर जवानों से मिलकर उन्हें सम्मानित किया। ऑपरेशन महादेव 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 निर्दोष हिंदुओं की हत्या कर दी थी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरे देश की ओर से इन जवानों को बधाई दी जाती है। ऑपरेशन में तीन आतंकी सुलेमान शाह उर्फ हाशिम मूसा (लश्करे तैयबा का ए-कैटेगरी कमांडर), ▶10 पर

कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सेना ने दो घुसपैठियों को किया ढेर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,04,840/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,20,375/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 24^0

न्यूनतम : 22^0

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी के लिए अहमदाबाद तैयार

2030 राष्ट्रमंडल खेल की दावेदारी को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों (कॉमनवेल्थ गेम्स) की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी को मंजूरी दे दी। विश्वस्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाओं और खेल संस्कृति के कारण अहमदाबाद को आदर्श मेजबान बताया जा रहा है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सहमति जताने के कुछ दिन बाद ही केंद्र सरकार का फैसला आया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र जमा कर दिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी के युवा कार्य और खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर

करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी है। दावेदारी के लिए बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त 2025 है। आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है। भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबानी को लेकर फैसला लेगी।

कनाडा के वित्तीय कारणों से पीछे हटने के बाद भारत की मेजबानी की संभावना प्रबल हो गई है। कैबिनेट बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया कि अहमदाबाद खेलों की मेजबानी के लिए आदर्श शहर होगा। अहमदाबाद में विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाएं और खेल संस्कृति है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी 2023 क्रिकेट विश्व कप फाइनल का सफल आयोजन हो चुका है।

भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की भी इच्छा जता चुका है। उसके लिए भी अहमदाबाद रेस में सबसे आगे है। इसके लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल खेल एन्क्लेव प्रमुख वेन्यू में से एक है, जिसमें निर्माण कार्य जारी है। राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा और राजस्व पैदा होगा। इसके अलावा खेल विज्ञान, इवेंट प्रबंधन, लॉजिस्टिक और परिवहन समन्वयक, प्रसारण और मीडिया, आईटी, संचार और जनसंपर्क जैसे कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को मौका मिलेगा। सरकार का मानना है कि इतने बड़े आयोजन की मेजबानी से ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

आलोचनाओं से घिरे शिवकुमार ने कहा कि वह अब कई मुद्दों पर रहेंगे चुप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरएसएस का राष्ट्रगान गाने सहित कई मुद्दों पर आलोचनाओं का सामना कर रहे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि वह चुप रहेंगे और पार्टी प्रवक्ताओं से किसी भी विषय पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया जाएगा। शिवकुमार की भाजपा द्वारा यह कहने के लिए भी आलोचना की गई है कि चामुंडेश्वरी पर्वत केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। मैसूरु के सांसद और मैसूरु राजघराने के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार ने शिवकुमार के अपने कुलदेवता पर दिए गए बयान को आहत करने वाला बताया था। भाजपा सांसद वाडियार ने कहा यह बहुत ही दर्दनाक और हास्यास्पद बयान है।

ऐसे समय में जब लोग देवी गौरी और गणेश की पूजा कर रहे हैं, ऐसा बयान दिया गया है जिससे हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं, जो निंदनीय है।

गुरुवार को शिवकुमार ने वाडियार पर निशाना साधते हुए कहा देखिए, जब मैं कुछ तथ्य बोलता हूँ, चाहे वह प्रमोदा देवी (मैसूरु राजघराने की सदस्य), यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार या विधानसभा के अंदर की बात हो, तो लोग बर्दाश्त नहीं करते। उन्होंने कहा लोगों का काम बस यही है कि मैं जो कुछ भी बोलूँ, उसमें खामियाँ ढूँढ़ें – चाहे वह राजनेता हों, पत्रकार हों या कोई और। यही चल रहा है। बेहतर है कि मैं कुछ न बोलूँ। दूसरे नेता और पार्टी प्रवक्ता भी हैं। आप (पत्रकार) उनसे बात करें। 21 अगस्त को कर्नाटक विधानसभा के अंदर आरएसएस का गान गाने के लिए शिवकुमार से माफी मांगने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए, बीएल संतोष ने पोस्ट किया था।

जिसमें उन्होंने कहा था इसे समझ लीजिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस राष्ट्रवाद से जुड़ी किसी भी चीज को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। वे इससे सख्त नफरत करते हैं और चाहते हैं कि उनके साथ मौजूद हर कोई राष्ट्रवादी किसी भी चीज का विरोध करे। भाजपा ने इस साल दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए मुस्लिम समुदाय से आने वाली कन्नड़ साहित्यकार बानू मुश्ताक को चुनने पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

बानू मुश्ताक को अपनी पुस्तक 'हार्ट लैंप' के लिए बुकर पुरस्कार मिला है। भाजपा नेताओं ने आर-ोप लगाया कि मुश्ताक देवी चामुंडेश्वरी के दूसरे रूप, देवी भुवनेश्वरी के प्रति कोई सम्मान नहीं रखतीं। उन्होंने चेतावनी दी कि वे राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे। इससे पहले शिवकुमार, जिन्होंने पिछले हफ्ते राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का गान 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि' गाकर विवाद खड़ा कर दिया था, ने मंगलवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन में किसी भी व्यक्ति से जिसे ठेस पहुँची हो से माफी मांगी। 1980 से कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति अपनी वफादारी दोहराते हुए शिवकुमार ने कहा मेरे आलाकमान में किसी ने भी उनसे माफी मांगने के लिए नहीं कहा। 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के जश्न के दौरान हुई भगदड़ पर विपक्षी भाजपा द्वारा उठाए गए सवाल के दौरान, उन्होंने उनकी (आरएसएस) प्रार्थना का एक अंश गाया था ताकि 'उनकी (भाजपा) टांग खींची जा सके। मेरे कुछ दोस्त इसका राजनीतिक फायदा उठाते हैं, इसका दुरुपयोग करने की कोशिश करते हैं और जनता को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं।

मेरा इरादा आरएसएस की तारीफ करना नहीं

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के संकटमोचक ने कहा मेरा इरादा आरएसएस की तारीफ करना नहीं है। कांग्रेस और गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। मैं एक कांग्रेसी के रूप में पैदा हुआ हूँ और एक कांग्रेसी के रूप में ही मरूँगा। राजनीति में आने और एनएसयूआई में शामिल होने से पहले उन्होंने कहा मैंने एनएसयूआई, कांग्रेस, गांधी परिवार, गांधी परिवार के योगदान, कांग्रेस के इतिहास, आरएसएस, भाजपा, जद (एस), कम्युनिस्ट पार्टी और देश के विभिन्न राजनीतिक दलों के इतिहास का अध्ययन किया। ईडी द्वारा दर्ज कथित धन शोधन मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में अपनी कैद को याद करते हुए, उन्होंने कहा अगर कोई मेरा इतिहास, मेरी प्रतिबद्धता, मेरी विचारधारा जानना चाहता है और वे इसके साथ राजनीति करना चाहते हैं, तो यह उन पर छोड़ दिया गया है। मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन अगर किसी को ठेस पहुँची है, तो मेरे कुछ पार्टी सहयोगी इस पर टिप्पणी कर रहे थे, मेरे बहुत सारे फॉलोअर्स हैं, अगर किसी ने किसी को ठेस पहुँचाई है, तो मैं उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता, मुझे उनके लिए दुख है। मैं उनसे माफी माँगना चाहूँगा।

चामुंडी मंदिर को राज्य दशहरा की राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए: वाडियार

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु के पूर्व राजपरिवार की सदस्य प्रमोदा देवी वाडियार ने चामुंडी पहाड़ी पर स्थित श्री चामुंडेश्वरी मंदिर को राज्य सरकार के दशहरा समारोह से जुड़ी राजनीतिक बहस में घसीटने की कोशिशों पर नाराजगी जताई है। परिवार की सबसे वरिष्ठ सदस्य और महल की परंपराओं की संरक्षक वाडियार ने एक प्रेस बयान में कहा कि इस साल के नाडा हब्बा (जनता दशहरा) के उद्घाटन के लिए गणमान्य व्यक्ति के चयन ने एक अनावश्यक विवाद को जन्म दिया है। उन्होंने कहा इस फैसले का बचाव करते हुए चामुंडेश्वरी मंदिर हिंदुओं का नहीं है' जैसी असंवेदनशील टिप्पणियां अनावश्यक और अनुचित दोनों थीं। अगर यह हिंदू मंदिर नहीं होता, तो इसे मुजराई (हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ निधि) विभाग के अंतर्गत कभी नहीं लाया जाता। अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए, वाडियार ने कहा हमारा यह सुविचारित मत है कि सरकार का दशहरा एक सांस्कृतिक उत्सव है। अपनी प्रकृति के अनुसार, राज्य ऐसे उत्सव के आयोजन में धार्मिक पवित्रता, संप्रदाय या परम्परा का

दावा नहीं कर सकता।

सरकार द्वारा आयोजित उत्सव धार्मिक प्रकृति के नहीं हैं, बल्कि नवरात्रि और विजयादशमी के अनुष्ठानों के साथ मेल खाते हैं। हम सदियों पुरानी परंपराओं के अनुसार, निजी तौर पर धार्मिक अनुष्ठान करते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चूँकि सरकारी उत्सव महल के सामने आयोजित किए जाते हैं, इसलिए उद्घाटन और विजयादशमी पर श्री चामुंडेश्वरी की भव्य शोभायात्रा, दोनों के लिए एक शुभ समय निर्धारित किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राजपरिवार के पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ कोई ओवरलैप न हो। वाडियार ने कहा मुझे उम्मीद है कि सभी बाधाएँ, गलतफहमियाँ और मतभेद जल्द से जल्द दूर हो जाएँगे और जल्द ही एक आम सहमति बन जाएगी।

शिवकुमार चामुंडी हिल्स केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है वाला बयान तुरंत वापस लें: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जिन्होंने कहा था कि चामुंडी हिल्स केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है, से अपना बयान तुरंत वापस लेने की मांग की। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि किसी और गांधी परिवार को खुश करने के लिए शिवकुमार द्वारा इस तरह हिंदुओं का अपमान करना हिंदू समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम यह भी जानते हैं कि दशहरा उत्सव के दौरान सभी धर्मों के लोग चामुंडी हिल्स आते हैं।

हालाँकि, उन्होंने विश्लेषण किया कि यह कहना कि इसका हिंदुओं से कोई संबंध नहीं है, हिंदुओं का अपमान है। यह एक अक्षम्य अपराध है। शिवकुमार ने सदन में नमस्ते सदा वत्सले गीता का गायन किया। तुरंत ही दिल्ली हाईकमान से दबाव आया और उन्होंने माफी मांग ली। कांग्रेस हाईकमान की संस्कृति विभाजनकारी नीतियों की रही है। इसलिए, जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है, तो वह बार-बार हिंदुओं का अपमान करती है, हिंदू कार्यकर्ताओं का अपमान करती है और हमारी विरासत को नुकसान पहुँचाने वाले तरीके से काम करती है। उन्होंने आपत्ति जताई कि श्री क्षेत्र धर्मस्थल के बारे में तमाम गलत जानकारियाँ फैलाए जाने के बावजूद, कांग्रेस सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं और उस सपने को साकार करने के लिए गांधी परिवार को खुश करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। विजयेंद्र ने आलोचना की कि इन्हीं डी.के. शिवकुमार ने गांधी परिवार को खुश करने के लिए रामनगर में ईसा मसीह की 115 फुट ऊँची मूर्ति स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। हिंदुओं की दृढ़ आस्था है कि राम अपने वनवास के दौरान रामनगर में आकर रुके थे। लेकिन वे राजनीतिक खिचड़ी पकाने के लिए कुछ भी कहेंगे। कुछ भी कहने का रवैया ठीक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईश्वर आपको बिल्कुल माफ नहीं करेगा। भाजपा डी.के. शिवकुमार सहित कांग्रेस पार्टी के नेताओं के हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाले व्यवहार और हिंदू धर्म पर उनके बयानों की कड़ी निंदा करती है।

उन्होंने मांग की कि डी.के. शिवकुमार चामुंडी हिल पर अपना बयान वापस लें। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बानू मुश्ताक ने अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता है। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री का मानना है कि बानू मुश्ताक को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। बानू मुश्ताक के साथ दीपा भस्ती ने भी पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें आमंत्रित करने का मन क्यों नहीं किया। उन्होंने पूछा, कांग्रेस सरकार का एजेंडा क्या है? निसार अहमद ने भी दशहरा का उद्घाटन किया था। यह एक अलग सवाल है। बानू मुश्ताक अगर हमारी संस्कृति, विरासत और सभी रीति-रिवाजों को स्वीकार करती हैं, तो हम इसे स्वीकार करेंगे। दशहरा केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है। यह हमारी हिंदू संस्कृति और विरासत की परंपरा है। उन्होंने बताया कि यह परंपरा राजा महाराजाओं के समय से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि हमारा इरादा हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाना नहीं है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसा कोई फैसला न ले जिससे हिंदू संस्कृति और विरासत को ठेस पहुंचे। गृह मंत्री सुहास शेट्टी हत्याकांड मामले में मेंगलूरु गए थे। जब वह सुहास शेट्टी के घर जा रहे थे, तो किसी समुदाय के नेताओं ने उन्हें बाँधकर जाने से रोक दिया था। गृह मंत्री उसी हालत में वापस लौट आए। दूसरे शब्दों में, अगर हम हर स्थिति में राज्य सरकार के व्यवहार पर गौर करें, तो उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार हर बार हिंदुओं का अपमान करने वाला फैसला ले रही है। सोशल मीडिया पर

पोस्ट करने वाले हिंदुओं के खिलाफ मामला दर्ज करके उन्हें 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाता है। हालाँकि, उन्होंने सवाल किया कि धर्मस्थल के बारे में हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाए जाने के बावजूद, कांग्रेस सरकार ने उनके खिलाफ मामला दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने का मन क्यों नहीं किया। भक्त भी एनआईए और सीबीआई जाँच की माँग कर रहे हैं ताकि इन बुरी ताकतों के पीछे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दुष्ट ताकतों का पता लगाया जा सके और उन्हें सामने लाया जा सके। अगर कांग्रेस सरकार को थोड़ी भी चिंता और ईमानदारी है, और हिंदुओं की धार्मिक भक्ति में थोड़ा भी विश्वास है, तो एसआईटी जाँच होनी चाहिए। लेकिन, क्या इसके लिए कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि श्रीक्षेत्र धर्मस्थल को लेकर यह पागलपन कब तक चलेगा। हमें कांग्रेस सरकार पर कोई भरोसा नहीं है जिसने गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ एक भी एफआईआर दर्ज नहीं की है।

शिवकुमार का यह बयान कि चामुंडी हिल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है, वाकई हास्यास्पद: सांसद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु-कोडागु के सांसद यदुवीर ने कहा कि डीसीएम डीके शिवकुमार का यह बयान कि चामुंडी हिल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है, वाकई हास्यास्पद है। गौरी उत्सव के दौरान यह मुद्दा हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह वह स्थान है जहाँ हजारों साल पहले मार्कंडेय ने तपस्या की थी। चामुंडी के हजारों सालों से वहाँ होने का भी उल्लेख है। चामुंडी हिल तक सभी की पहुँच है। चूँकि यह एक धार्मिक स्थल है, इसलिए हर कोई जा सकता है। आधुनिक युग में इसे धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। लाखों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँची है। हम धर्म की रक्षा के लिए लड़ेंगे। हम कानूनी दायरे में भी लड़ेंगे। हम सभी धर्मों को स्वीकार करते हैं। हमें किसी एक धर्म को इस तरह खुश करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। राज्य में कई समस्याएँ हैं। हमें उन्हें छिपाने के लिए ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। क्या चामुंडी हिल को निशाना बनाया जा रहा है, इस सवाल पर, उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ही चामुंडी हिल विकास प्राधिकरण का गठन करने वाली है। उनकी महत्वाकांक्षा पहाड़ी पर कब्जा करने की है। वे सिर्फ हिंदू मंदिरों पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने बेंगलूरु के अंजनेय मंदिर के साथ भी यही किया। वे हमेशा हिंदुओं के खिलाफ बयानबाजी करते रहते हैं। वे करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँचा रहे हैं। कांग्रेस हिंदू स्थलों को निशाना बना रही है। उन्होंने दुख जताया कि कांग्रेस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाई है। वे मंदिरों को अपने कब्जे में ले रहे हैं। सबसे पहले, यह एक धार्मिक स्थल है। पहाड़ी हिंदुओं की संपत्ति है। यह हमेशा हिंदुओं की संपत्ति रहेगी। उपमुख्यमंत्री के बयान से कुछ नहीं होगा। मैसूरु-कोडागु के सांसद यदुवीर द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद मीडिया से बात करते हुए, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने कहा हमें डीके शिवकुमार से धार्मिक शिक्षा नहीं चाहिए, जो शिव की कपाली पहाड़ी को जीसस पहाड़ी में बदलने जा रहे हैं।

बस पलटने से दो लोगों की मौत, कई घायल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली से पुणे जा रही एक निजी बस बेलगावी में बड़ेकोलमठ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग घाट के पास पलट गई, जिससे दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और कई अन्य मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह दुर्घटना बुधवार देर रात चालक की लापरवाही के कारण हुई।

बस में 12 यात्री सवार थे। मृतकों में एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। स्थानीय निवासियों ने पुलिस के साथ मिलकर घायल यात्रियों को बचाया और उन्हें बेलगावी के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। हिरेबागेवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

बेंगलूरु हवाई अड्डे को सुगम्यता के लिए लेवल 2 मान्यता प्रदान की गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा परिषद (एसीआई) के सुगम्यता संवर्धन मान्यता कार्यक्रम के तहत स्तर 2 मान्यता प्रदान की गई है। बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) ने गुरुवार को कहा कि स्तर 2 मान्यता के साथ केआईए भारत का पहला और दुनिया भर के चुनिंदा हवाई अड्डों में से एक बन गया है जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। बीआईएएल ने कहा यह मान्यता एक सच्चे समावेशी यात्रा वातावरण के निर्माण के लिए हवाई अड्डे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है – जहाँ बुनियादी ढाँचा, तकनीक और मानवीय स्पर्श मिलकर प्रत्येक यात्री को सशक्त बनाते हैं। एक्सेसिबिलिटी एन्हांसमेंट एक्रेडिटेशन (एईए) कार्यक्रम के तहत प्रदान किया गया, जो

विमानन में सुगम्यता के मानकीकरण और उसे आगे बढ़ाने के लिए समर्पित दुनिया की एकमात्र पहल है। एसीआई द्वारा संचालित यह कार्यक्रम सुविधाओं, सेवाओं और प्रशासन के आधार पर हवाई अड्डों का मूल्यांकन करता है और रणनीतियों, नीतियों और यात्री अनुभवों में सुगम्यता को शामिल करने वाले निरंतर सुधारों को मान्यता देता है। बीआईएएल ने कहा कि हवाई अड्डे पर, सुगम्यता संचालन के मूल में अंतर्निहित है, जो हवाई अड्डे की योजना, डिजाइन और उसकी सेवाओं के वितरण को आकार देती है। एक समर्पित सुगम्यता समिति (हवाई अड्डे के हितधारकों सहित) कम गतिशीलता वाले व्यक्तियों (पीआरएम) और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए सुविधाओं, सेवाओं और गतिशी-लता समाधानों को बेहतर बनाने वाली पहलों का संचालन करती है। बीआईएएल ने कहा इन प्रयासों को निरंतर कर्मचारियों के प्रशिक्षण के माध्यम से सुदृढ़ किया जाता है ताकि सहानुभूतिपूर्ण और व्यक्तिगत सहायता प्रदान की जा सके, साथ ही निरंतर बुनियादी ढाँचे के उन्नयन से यह सुनिश्चित होता है कि हवाई अड्डे से यात्रा प्रत्येक यात्री के लिए अधिक सुगम, सुरक्षित और अधिक सम्मानजनक हो। अनुपालन के अलावा, यह दृष्टिकोण एक सार्वभौमिक रूप से समावेशी वातावरण बनाने में केआईए के विश्वास को दर्शाता है जहाँ यात्रा सभी के लिए एक सहज अनुभव हो। बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी, सत्यकी रघुनाथ ने कहा एसीआई के एयरपोर्ट सुगम्यता संवर्धन कार्यक्रम के तहत लेवल 2 मान्यता प्राप्त करना हमारे लिए सम्मान की बात है। केआईए में, सुगम्यता केवल बुनियादी ढाँचे का मापदंड नहीं है, बल्कि यह हमारे इस विश्वास का प्रतिबिंब है कि यात्रा प्रत्येक यात्री के लिए समावेशी, निर्बाध और अनुभवात्मक होनी चाहिए। यह उपलब्धि हमारी पूरी टीम के अथक समर्पण और एसीआई के अमूल्य मार्गदर्शन का परिणाम है, जो एक ऐसे हवाई अड्डे के निर्माण के हमारे दृष्टिकोण को पुष्ट करता है जो वास्तव में सभी की सेवा करे। बीआईएएल ने आगे कहा कि अपने सुगम्यता ढाँचे के आधार पर, केआईए ने 2022 में सनफ्लावर लैनयार्ड योजना जैसी पहल शुरू की है, जो छिपी हुई विकलांगता वाले यात्रियों का समर्थन करती है, और न्यूरोडायवर्जेंट यात्रियों के लिए एक समर्पित संवेदी कक्ष शुरू किया है, जो किसी भारतीय हवाई अड्डे पर अपनी तरह का पहला है, ताकि उनकी यात्रा को आसान बनाने वाला एक शांत स्थान बनाया जा सके।

सुजाता भट ने एसआईटी के सामने रोते हुए छोड़ने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अरे, मैंने क्या झूठ कहा, मुझे तो चोरों के उस गिरोह ने गुमराह किया था। मुझे छोड़ दो, अगर मान जाओ, तो मैं अपना केस वापस ले लूँगी। अनन्या भट के लापता होने के मामले की मास्टरमाइंड 85 वर्षीय सुजाता भट, एसआईटी अधिकारियों के सामने कुछ इस तरह बड़बड़ा रही थी। हालांकि, एसआईटी अधिकारियों ने उसकी एक न सुनी और गुरुवार को तीसरे दिन भी सुजाता भट से कड़ी पूछताछ की, और उन्हें गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। पहले उन्होंने कहा था मेरी बेटी अनन्या भट की धर्मस्थल में हत्या कर दी गई थी। सुजाता भट, जिसने यह बयान देकर हंगामा मचा दिया था कि अगर मेरी बेटी का कंकाल मिला, तो वह हिंदू रीति-रिवाजों से उसका अंतिम संस्कार करेगी, ने एक दिन बाद दूसरा बयान देकर पुलिस को गुमराह किया था। इसलिए, एसआईटी पुलिस ने भट को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। उन्होंने कहा था कि वह बूढ़ी हैं और अपनी जान को खतरे के कारण सुनवाई में शामिल नहीं हो सकती। वह मंगलवार सुबह 5 बजे अचानक अपने वकील के साथ बेल्टांगडी स्थित एसआईटी कार्यालय पहुँची और दलील दी कि अनन्या भट उनकी बेटी हैं। फिर पुलिस ने उन्हें उचित दस्तावजों के साथ आने को कहा। इस प्रकार, सुजाता भट, जो लगातार 11 घंटे एसआईटी की सुनवाई में शामिल रहीं, ने रोते हुए कहा कि अनन्या भट मेरी बेटी नहीं थीं। मैंने गिरोह की बात सुनकर झूठ बोला, जिसने मुझे गुमराह किया। मुझे अकेला छोड़ दो। अगर आप मुझे अनुमति दें, तो मैं अपनी शिकायत वापस ले लूँगी। हालांकि, एसआईटी पुलिस, जो उनकी मूर्खतापूर्ण बातों से प्रभावित नहीं हुई, ने अनुमति नहीं दी और उन्हें यह संकेत देते हुए वापस भेज दिया कि वे फिर पूछताछ के लिए आएँ। इस प्रकार, संभावना है कि बेल्टांगडी पहुँची सुजाता भट से एसआईटी पुलिस पूछताछ करेगी और उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। दूसरी ओर, सुजाता भट का सच एसआईटी जाँचकर्ता के सामने टुकड़ों-टुकड़ों में सामने आया है। पता चला है कि धर्मस्थल मामले को रचने वाले मास्टरमाइंड छिप गए हैं और दोनों से दूरी बनाए हुए हैं। कुल मिलाकर, कर्नाटक के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल, धर्मस्थल, का नाम बदनाम करने वाले मास्टरमाइंड, गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और खुद ही खोदे गए गड्ढे में गिर रहे हैं।

शिवकुमार को माफी मांगने के बजाय कांग्रेस छोड़ देनी चाहिए थी: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में आरएसएस के राष्ट्रगान की एक पंक्ति गाने पर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा माफी मांगने पर विपक्षी दल भाजपा ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा है कि अगर उनमें जरा भी आत्मसम्मान और साहस होता, तो उन्हें या तो माफी मांगने से बचना चाहिए था या फिर कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए था। माफी मांगने के इस प्रकरण पर शिवकुमार और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सोशल मीडिया पर कहा कि उपमुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में गाए गए आरएसएस के राष्ट्रगान की पहली पंक्ति का अर्थ था, सभी का स्नेह से पालन-पोषण करने वाली भारत माता को प्रणाम। उन्होंने सवाल किया क्या भारत माता को आश्रय और स्नेह देने के लिए उन्हें नमन और सम्मान देना गलत है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधानसभा के गलियारों में पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने की घटना का बचाव करती है, लेकिन भारत माता को प्रणाम करने वालों को अपराधी मानती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसा व्यवहार राष्ट्र-विरोधी मानसिकता को नहीं दर्शाता। अशोक ने शिवकुमार से यह खुलासा करने का आग्रह किया कि उन्हें माफी मांगने का निर्देश किसने दिया था। उन्होंने कहा उप-मुख्यमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि माफी सोनिया गांधी, राहुल गांधी, के.सी. वेणुगोपाल, सुरजेवाला या हरिप्रसाद के कहने पर मांगी गई थी। शिवकुमार पर सत्ता के लालच में देशभक्ति को ताक पर रखने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य के लिए दुर्भाग्य की बात है कि ऐसा व्यक्ति मुख्यमंत्री बनने की कोशिश कर रहा है। भाजपा नेता वी. सुनील कुमार ने भी शिवकुमार पर निशाना साधते हुए उन्हें गांधी परिवार के प्रति नहीं, बल्कि देश के प्रति वफादार रहने को कहा। सुनील कुमार ने कहा आरएसएस की प्रार्थना पूरी तरह देशभक्ति पर आधारित है। गांधी परिवार के प्रति अपनी वफादारी साबित करने के लिए आप देशभक्ति भूल रहे हैं, यह एक त्रासदी है।

सरकारी आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 की छात्रा ने बच्चे को जन्म दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, यादगीर जिले के एक सरकारी आवासीय विद्यालय में कक्षा 9 में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की ने गुरुवार तड़के एक लड़के को जन्म दिया। कर्नाटक राज्य बाल अधिकार आयोग के सदस्य शशिधर कोसुम्बे के अनुसार, लड़की ने आवासीय विद्यालय के शौचालय में तड़के 2.30 बजे बच्चे को जन्म दिया। उन्होंने आगे बताया कि आयोग में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है और जिला बाल अधिकार संरक्षण अधिकारी को संबंधित पुलिस थाने में कानूनी कार्रवाई के लिए शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त हर्षल भोयर उस अस्पताल पहुँचे जहाँ नाबालिग माँ और बच्चे का इलाज चल रहा था। भोयर ने बताया मैंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से इस मुद्दे पर चर्चा की है और उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज कराने और तुरंत एक विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि वार्डन सहित आवासीय विद्यालय के कर्मचारियों की ओर से प्रथम दृष्टया लापरवाही पाई गई है। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी (केआरईआईएस) को अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की सिफारिश करेंगे। पुलिस अधीक्षक पृथ्वी शंकर ने बताया कि प्रिंसिपल, वार्डन, स्टाफ नर्स और पीड़िता के भाई के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराएँ भी जोड़ी जाएँगी। उन्होंने आगे बताया कि नाबालिग लड़की की उम्र उसके शैक्षिक दस्तावेजों के अनुसार 17 वर्ष है। नाबालिग माँ और शिशु का वर्तमान में इलाज चल रहा है और वे खतरे से बाहर हैं। बाद में उन्हें प्रक्रिया के अनुसार बाला मंदिर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी लविश ओर्डिया, डीसी और एसपी के अस्पताल दौरे के दौरान उनके साथ थे।

बसवनगुडी दादावाड़ी में संवत्सरी पर्व त्याग और तपस्या से मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में, मलयप्रभ सागर जी और साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में संवत्सरी महापर्व त्याग और तपस्या से मनाया गया। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी एवं उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली एवं तनसुखराज गुलेच्छा ने प्रवचन के दौरान गुरु भगवन्तों और सकल संघ से मिच्छामि दुक्कडम किया। सभी तपस्वियों की सुख साता पूछते हुए उन्हें तपस्या की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की। गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि जब पुण्योदय होता है तभी पर्व दिनों में तपस्या की जा सकती है। गुरुदेव ने परमात्मा महावीर की मूलवाणी के साढ़े बारह सौ सूत्रों का धाराप्रवाह वांचन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जो भी श्रावक-श्राविकाएं बारसा सूत्र का श्रद्धा से श्रवण करता है वह आगामी भवों में मोक्ष मार्ग को पा जाता है। इस सूत्र में कल्पसूत्र का सार छिपा है। बारसा सूत्र में तीर्थंकरों के संपूर्ण चौबीस तीर्थंकरों के आचार विचार, वीर प्रभु की पट्टावली, साधु साध्वियों के आचार विचार आदि का वर्णन प्रकृत भाषा में आता है। यूं मानों की इस सूत्र में कल्पसूत्र का सार छिपा हुआ है।

महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि दो सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने अष्ट प्रहरी और चार प्रहरी पौषध भी ग्रहण किया, जिसमें एक दिवस के लिए साधु जीवन की क्रिया की जाती है। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि तपस्या का पारना गुरुवार को प्रातः गुरुदेव के द्वारा प्रत्याख्यान करवा कर हर्षोल्लास से हुआ। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि सूत्र वांचन से पूर्व जिनवाणी की पांच ज्ञान की पूजा की गई। संघ के अनेक सदस्यों ने अनेक प्रकार की तपस्याएं की। सांवत्सरिक प्रतिक्रमण हेतु पूरे शहर और बाहर से भी अनेक श्रद्धालु पधारे और पूरे वर्ष का बड़ा प्रतिक्रमण करके एक दूसरे को मिच्छामी दुक्कडम यानी अपनी गलतियां की क्षमा मांगी। प्रतिक्रमण के पश्चात सामूहिक प्रभावना का वितरण किया गया। महापर्व के पश्चात उद्घाटन का लाभ प्रदीप कुमार, वरुण कुमार खींवेसरा परिवार ने लिया और प्रातः भोर की बेला में जिनालय और दादावाड़ी का द्वार उद्घाटन चतुर्विध संघ की उपस्थिति में किया गया। संवत्सरी पर्व सकल संघ, ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारी और सदस्यों के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्यों के साथ धूमधाम से मनाया गया।

धर्मस्थल मामले को एनआईए को सौंपने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व हिंदू परिषद कर्नाटक दक्षिण प्रांत एवं बेंगलूरु महानगर ने राज्य की राजधानी बेंगलूरु जिला आयुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री को एक अनुरोध प्रस्तुत किया है कि वे धर्मस्थल मामले को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए एवं ईडी) को जांच के लिए सौंप दें, ताकि धर्मस्थल के विरुद्ध किए जा रहे षड्यंत्रों को उचित रूप से न्याय के कटघरे में लाया जा सके।

धार्मिक आयोजनों से समाज में सद्भाव बढ़ता है: पूर्व मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री एवं महादेवपुरा विधानसभा से पूर्व विधायक अरविंद लिम्बावली के गुरुवार को बेलन्दूर स्थित विनायक मित्र मंडल के 27वें गणेश महोत्सव कार्यक्रम में उप-स्थित होकर भगवान गणेश की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ द्वारा अरविंद लिम्बावली का शॉल, माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लिम्बावली ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी सद्भाव बढ़ता है। साथ ही पूजा-अर्चना से आध्यात्मिक शक्ति पुष्ट होती है। बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ द्वारा करीब एक हजार लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता श्रीधर रेड्डी, मिथुन रेड्डी, राजेश मुदाली, भूपेश कश्यप, प्रकाशसिंह, बाबूलाल राठौड़, अरुण शर्मा, चेनाराम गुर्जर, बुधाराम, रमेश चौधरी, कालूराम सीरवी, जितेंद्र प्रजापत, हरीश देवासी, कल्याणराम, थानाराम, सोहनलाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पर्युषण महापर्व के अंतिम दिन भगवती संवत्सरी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में साध्वी श्री संयम लता जी के पावन सान्निध्य में दिनांक पर्युषण महापर्व के अंतिम दिन भगवती संवत्सरी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वी श्री संयम लता जी ने कहा यह आत्मावलोकन का दिन है। यह दिन है स्वयं से स्वयं की साधना का। यह पर्व साल भर के कर्मों पर विचार करने और आत्मा को शुद्ध करने का एक अवसर है। यह पर्व हमारे भीतर मानसिक पारदर्शिता का निर्माण करता है तथा अपने भावों को देखने का चिंतन देता है। साधना की सिद्धि तक तभी पहुंचा जा सकता है जब व्यक्ति स्वयं को जान लेता है। यह आत्मा को शुद्ध करने का अवसर देता है, जिससे कर्म बंधनों से मुक्ति मिलती है और आंतरिक शांति की प्राप्ति होती है। साध्वी श्री मार्दव श्री जी ने कहा आज हम सुविधावाद और यंत्र युग में जी रहे हैं, जो हमें मूर्छा की ओर धकेल रहा है और हमारी चेतना को सुला दिया है। हमें हमारे भीतर समता और सहिष्णुता के गुणों का विकास करना है। पदार्थ केवल क्षणिक सुख देते हैं किंतु भीतरी सुख स्वयं को जानने से प्राप्त होता है। यही संदेश लेकर यह संवत्सरी पर्व आया है। सभा के मंत्री दिनेश हिंगड़ ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर सभी संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी एवं विशाल जन समूह की उपस्थिति रही। मंगल पाठ एवं संध गान के साथ लगभग सायं 5 बजे कार्यक्रम का समापन हुआ।

चारमुडी घाट पर चलने वाले वाहनों के लिए नए नियम लागू

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तट को जोड़ने वाले चारमुडी घाट पर अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए जिला पुलिस ने एक नया नियम लागू किया है। अब से, रात में चलने वाले वाहनों को चारमुडी घाट में तभी प्रवेश दिया जाएगा जब कम से कम पाँच वाहन जमा हो जाएँ। जिला पुलिस अधीक्षक विक्रम अमाटे ने बताया कि चारमुडी घाट पर एक या दो वाहन नहीं चल सकते। रात में चेकपोस्ट पार करने वाले सभी वाहनों की जाँच की व्यवस्था की गई है और पाँच वाहनों को एक साथ निकलना होगा।

उन्होंने बताया कि घने जंगलों से घिरे चारमुडी घाट पर रात में गाय चोरी और आपराधिक गतिविधियों की शिकायतें बढ़ रही हैं और इस पर लगाम लगाने के लिए यह व्यवस्था की गई है। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक गेट बंद रहेगा, कोट्टिगरा चेकपोस्ट से गुजरने वाले सभी वाहनों की सीसीटीवी में रिकॉर्डिंग की जाएगी और एक नया लैंड बैरियर बनाया गया है। विक्रम अमाटे ने बताया कि एक पुलिस उपनिरीक्षक के नेतृत्व में दो पुलिसकर्मी रात में पहरा देंगे।

आने वाले दिनों में मंजूनाथस्वामी खुद सरकार को सजा देंगे: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि मैं धर्मस्थल मामले में राजनीति का घालमेल नहीं करने वाला। हालाँकि आने वाले दिनों में मंजूनाथस्वामी खुद सरकार को सजा देंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप सरकार के काम करने के तरीके को देखें, तो उसने एसआईटी के नाम पर जाँच का नाटक किया है। उन्होंने सरकार पर श्रीक्षेत्र को शर्मसार करने वाला काम करने का आरोप लगाया। मैं इसमें धर्म का घालमेल नहीं करने वाला। द्वारकानाथ द्वारा सरकार के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत के मामले में मुख्यमंत्री ने तुरंत कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि वामपंथी ताकतें हैं। जो भी हो, बाद में पता चल जाएगा। लेखक भानु मस्तक को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने में कोई आपत्ति नहीं है। हालाँकि, अहंकार करने की कोई जरूरत नहीं है। हिंदू मंदिर और धार्मिक केंद्र हिंदुओं की संपत्ति नहीं हैं। भानु मस्तक द्वारा पूजा जाना एक अलग बात है। उन्होंने कहा कि धार्मिक क्षेत्रों में इस तरह की समस्याएँ पैदा करना सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। एक निष्ठावान कांग्रेस कार्यकर्ता ने सदन में आरएसएस का गीत गाया। कांग्रेस इस तरह की बात से सहमत नहीं है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अब ऐसी स्थिति आ गई है कि माफी माँगी जा रही है। मैं यह बहुत दुख के साथ कह रहा हूँ। सरकार राज्य की समस्याओं को नहीं सुन रही है।

बारिश के कारण दक्षिण कन्नड़ के कुछ हिस्सों में स्कूलों, कॉलेजों और उडुपी में आईटीआई में रही छुट्टी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण, दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले के मेंगलूरु, पुत्तूर, मुल्की, मुदबिद्री, उल्लाल, बंटवाल और बेल्टांगडी तालुकों के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी शिक्षण संस्थानों और पीयू कॉलेजों में गुरुवार को अवकाश घोषित किया गया। अभिभावकों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि बच्चे निचले इलाकों, झीलों, समुद्र तट और नदी के किनारों पर न जाएँ। मछुआरों को भी पानी में न जाने की चेतावनी दी गई है। तालुक स्तर के अधिकारियों को मुख्यालय में अनिवार्य रूप से रहने के लिए कहा गया है। जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्त नोडल अधिकारियों को सतर्क रहने और जनता की शिकायतों का जवाब देने के लिए कहा गया है।

तहसीलदार को लगातार संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह, उडुपी जिला प्रशासन ने जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों, पीयू कॉलेजों और आईटीआई संस्थानों में गुरुवार को अवकाश की घोषणा की है।

वेश्यावृत्ति का धंधा चलाने के आरोप में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मूडबिद्री कस्बे की एक इमारत में कथित तौर पर वेश्यावृत्ति का धंधा चलाने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मूडबिद्री के स्वराज्य मैदान के पास रहने वाले राजेश बोवी और बेल्टांगडी तालुका के नारवी निवासी भरत जैन के रूप में हुई है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, पुलिस ने मारपडी गाँव में एक निजी अस्पताल की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित एक इमारत की ऊपरी मंजिल पर स्थित एक कमरे पर छापा मारा। पुलिस निरीक्षक संदेश पीजी के नेतृत्व में छापेमारी की गई, जिसके दौरान दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। मूडबिद्री पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

भूस्खलन में मरने वाले 34 लोगों में यूपी के 11 लोग

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की मदद देंगे योगी

जम्मू/लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

वैष्णो देवी मार्ग में हुए भूस्खलन में अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें यूपी के 11 लोग शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में दो दिन में रिकॉर्ड बारिश के चलते बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। श्रीमाता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर बुधवार को 34 हो गई। इनमें यूपी के 11 लोग शामिल हैं। यह लोग प्रदेश के अलग-अलग जिलों के हैं। नदियों में उफान के कारण कई प्रमुख पुलों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है।

सेना समेत सभी एजेंसियां बचाव में जुटी हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों से अब तक 10,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। पंजाब में भी रावी नदी उफान पर है और पठानकोट समेत कई जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मंगलवार सुबह 8:30 बजे से 24 घंटे में अभूतपूर्व 629.4 मिमी और जम्मू में 296 मिमी बारिश हुई। यह 1910 में राज्य में मौसम वेधशाला स्थापित होने के बाद से अब तक का एक दिन में बारिश का नया रिकॉर्ड है। तवी, चिनाब, उझ, रावी और बसंतर सहित सभी नदियां खतरे के निशान से कई फीट ऊपर बह रही हैं। अनंतनाग और श्रीनगर में झेलम नदी भी चेतावनी के निशान से ऊपर बह रही है। किश्तवाड़ में बाढ़ में एक पुल और 10 घर बह गए। कई रिहायशी इलाकों में पानी घुस गया। चक्की नदी भी उफान पर है। हालांकि कई नदियों का जलस्तर कम होना शुरू हुआ है। भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग समेत एक दर्जन से अधिक सड़कें और सभी स्कूल-कॉलेज बंद हैं।

जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया, जबकि 64 ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में हालात का जायजा लेने के बाद कहा, बारिश में कमी के बाद राहत व बचाव कार्यों में तेजी आई है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को ऑप्टिकल फाइबर के क्षतिग्रस्त होने के 24 घंटे बाद, बुधवार को सभी नेटवर्क पर फोन और नेटवर्क सेवाएं बहाल कर दी गईं।

खराब मौसम के कारण दिल्ली से लेह की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वैष्णो देवी मार्ग पर बचावकर्मियों ने बुधवार को मलबे से और शव निकाले। हादसे में घायल 20 लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन के बाद मलबे से 34 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि दो घायलों की अस्पताल में मौत हुई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैष्णो देवी मंदिर यात्रा मार्ग पर प्राकृतिक आपदा की चपेट में आए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने प्रदेश निवासी सभी मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने और मृतकों के शव उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी वैष्णो देवी मार्ग पर हादसे में मौतों पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से स्थिति की जानकारी ली और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा, प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। जम्मू संभाग में बारिश-भूस्खलन से बिगड़े हालात के बाद वहां आने-जाने वाली 58 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। इसमें उत्तर प्रदेश आने वाली कई ट्रेनें शामिल हैं। कुछ ट्रेनों को जम्मू से पहले अंबाला में ही रोक दिया गया। ट्रेनें रद्द होने से हजारों यात्री जम्मू और कटरा में फंसे हैं। यात्रियों की सहायता के लिए रेलवे ने जम्मू और कटरा स्टेशन पर हेल्प डेस्क बनाई है।

यूपी बनेगा इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर

शीघ्र लागू होगी इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 लागू करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को इस संबंध में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा तैयार प्रस्तावित नीति पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से उभरता क्षेत्र है। आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। अपार संभावनाओं वाले इस सेक्टर का लाभ उत्तर प्रदेश को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश ने औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। अब समय है कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भी वैश्विक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाए। यह नीति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के संकल्प को मजबूती देने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2014-15 में देश में जहां मात्र 1.9 लाख करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनते थे, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा 11.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। मोबाइल उत्पादन 18 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपए और मोबाइल निर्यात 1,500 करोड़ रुपए से बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश से लगभग 37 हजार करोड़ रुपए का इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर निर्यात किया गया। बैठक में यह भी बताया गया कि प्रस्तावित नीति का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करना और लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है। इससे राज्य की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में भी महत्त्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प-ोनेन्ट मैनुफैक्चरिंग स्कीम के साथ उत्तर प्रदेश की ओर से टॉप-अप इंसेंटिव दिया जाना चाहिए। इसी तरह पूंजीगत निवेश पर आकर्षक सब्सिडी, अतिरिक्त लाभ, स्टाम्प शुल्क एवं बिजली शुल्क में छूट, ब्याज अनुदान, लॉजिस्टिक्स और संचालन सहायता जैसे प्रावधान शामिल किये जाएं। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि यदि निवेशक प्रदेश में रोजगार सृजित करता है और प्रदेश के युवाओं को वरीयता देता है तो उसे विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि नीति के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। निवेशकों को एकल विंडो प्रणाली के माध्यम से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। युवाओं के लिए रोजगार सृजन को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोड़ा जाए तथा कौशल विकास कार्यक्रम उसी के अनुरूप संचालित हों।

थारू जनजाति की बेटियों का चयन निष्पक्ष प्रक्रिया का उदाहरण

2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को योगी ने दिए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले जहां योजनाएं सुदूर इलाकों तक नहीं पहुंच पाती थीं, आज वही लोग नौकरी पा रहे हैं। विशेष रूप से थारू जनजाति और सुदूर क्षेत्रों की बेटियों का चयन इस निष्पक्ष प्रक्रिया का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में यूपी के विभिन्न क्षेत्रों से आई लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा कर सीएम योगी को धन्यवाद दिया।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान मैंने देखा कि आजमगढ़, अमरोहा, शामली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, गोरखपुर, वार-ाणसी, प्रयागराज जैसे जनपदों के युवाओं को अवसर मिला। वहीं लखीमपुर खीरी और दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से थारू जनजाति की बेटियों का चयन हुआ, जो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सूची में दो थारू बेटियों का चयन हुआ है, जो साबित करता है कि प्रतिभा हर जगह है, बस अवसर चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि थारू जनजाति और सुदूर इलाकों की बेटियों का चयन निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से ही संभव हुआ।

सीएम योगी ने कहा कि अगर आजमगढ़, अमरोहा, बिजनौर, शामली, ललितपुर, जालौन या सोनभद्र की बेटी चयनित होती है, तो यह साफ है कि प्रतिभा वहां भी थी और प्रक्रिया निष्पक्ष रही। यह कदम न केवल युवाओं को रोजगार दे रहा है, बल्कि सुदूर क्षेत्रों के लोगों में उम्मीद जगाने वाला है। सीएम योगी ने लाभार्थियों से कहा कि यह अवसर उनकी मेहनत का फल है और अब उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदारी निभानी है। आपके चयन से यह साबित होता है कि प्रतिभा की कोई सीमा नहीं। सुदूर इलाकों से आई बेटियों की सफलता यूपी की प्रगति का प्रतीक है।

लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने अनुभव साझा किए। लखीमपुर खीरी से आई थारू समुदाय की नंदू राना, जो मुख्य सेविका के पद पर चयनित है। उन्होंने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से हूं।

अति पिछड़े क्षेत्र से हूं, जहां मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं। सीमित संसाधनों में पढ़ाई की और आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से निष्पक्ष प्रक्रिया से मुख्य सेविका के पद पर चयन हुआ। इसके अलावा विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से आई अन्य लाभार्थियों ने भी योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें हक मिला और हम ईमानदारी से कर्तव्य निभाएंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, प्रमुख सचिव लीना जौहरी समेत विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

योगी सरकार में देश के दिग्गज निवेशकों को भाया गोरखपुर

अडाणी समूह और कोका कोला ने भी उद्योग के लिए ली जमीन

पेप्सिको का बॉटलिंग प्लांट पहले से स्थापित

रिलायंस और श्री सीमेंट्स ने भी मांगी जमीन

गोरखपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

दशकों तक जिस गोरखपुर में स्थानीय पूंजीपति भी औद्योगिक निवेश करने से घबराते थे, योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार की प्रोत्साहनपरक नीतियों, कारोबारी सुगमता और शानदार कनेक्टिविटी से अब वहां नामी कंपनियों के आने की होड़ सी दिखती है। निवेशकों की डिमांड के अनुरूप गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) ने न केवल लैंड बैंक समृद्ध किया है बल्कि साल दर साल औद्योगिक भूखंडों का आवंटन भी तेज हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में तो गीडा ने अब तक 54 नई यूनिट्स के लिए रिकार्ड 182 एकड़ भूमि का आवंटन किया है। इससे 5800 करोड़ रुपए के नए पूंजी निवेश के साथ 8500 लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

लंबे दौर तक पहचान को जूझता रहा गोरखपुर अब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी के मामले में मजबूत होकर औद्योगिक नक्शे पर भी चमक गया है। जिस जिले से उद्यमियों ने मुंह फेर लिया था, वहां 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से औद्योगिक प्रगति का ऐसा माहौल बनना शुरू हुआ कि देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां, यहां तक कि मल्टीनेशनल भी इंडस्ट्री लगा रही हैं। औद्योगिक प्रगति के नए कालखंड में सिर्फ गत पांच साल की बात करें तो इस दौरान गीडा को 9445 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले और इसके जरिए 22922 रोजगार सृजन संभव हुआ। इसमें मल्टीनेशनल ब्रांड पेप्सिको, केयान डिस्टिलरी, ज्ञान डेयरी, टेक्नोप्लास्ट और केंद्रीय भंडारण निगम, कपिला कृषि उद्योग, एपीएल अपोलो ट्यूब्स जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

गोरखपुर में अडाणी समूह ने अंबुजा ब्रांड सीमेंट फैक्ट्री की नई यूनिट और कोका कोला के प्रमुख बॉटलर अमृत बॉटलर्स ने भी यूनिट लगाने को जमीन ले ली है। यही नहीं, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और श्री सीमेंट्स ने भी निवेश की उत्सुकता दिखाते हुए गीडा से औद्योगिक जमीन मांगी है। श्री सीमेंट्स की टीम पहले ही जमीन देखने के लिए दौरा कर चुकी है जबकि रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रतिनिधि मंगलवार को विजिट पर आए थे। अपने पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्र के साथ गीडा ने गोरखपुर के दक्षिणांचल में धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप को भी औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया है। गत दिनों यहां दो बड़े औद्योगिक निवेश के लिए भूमि का आवंटन किया जा चुका है।

गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक का कहना है कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में गोरखपुर में निवेश और औद्योगिक विकास का शानदार इको सिस्टम तैयार हुआ है। गीडा द्वारा निवेशकों की मांग और पसंद के अनुरूप जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसका नतीजा है कि यहां औद्योगिक निवेश लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को आवंटित जमीन से प्रस्तावित निवेश में श्रेयश डिस्टिलरीज की 2667 करोड़, अंबुजा सीमेंट (अडाणी ग्रुप) की 1400 करोड़, अमृत बॉटलर्स (कोका कोला) की 800 करोड़, केयान डिस्टिलरीज की 600 करोड़ और विजन परेन्टल (फार्मास्युटिकल) की 100 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है। आगामी निवेश में रिलायंस सीपीएल का 1000 करोड़, श्री सीमेंट्स का 500 करोड़, लाइफकेयर्स हॉस्पिटल का 500 करोड़, ईएसआईसी का 150 करोड़ और डीपीएस का 50 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है।

स्टॉकहोम वर्ल्ड वाटर वीक में हुई नमामि गंगे की सराहना

नदियों के पुनर्जीवन और जल संरक्षण में यूपी अग्रणी

नई दिल्ली/लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

नदियां और जल संसाधन सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, और इनका पुनर्जीवन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। नदी पुनर्जीवन और जल संरक्षण में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की अग्रणी पहलों ने इसे वैश्विक जल संवाद में एक प्रमुख आवाज बना दिया है। इस वर्ष स्टॉकहोम वर्ल्ड वाटर वीक में इसकी भागीदारी भारत की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है, जो जल संबंधी वैश्विक चुनौतियों के समाधान में अहम योगदान दे रही है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट (एसआईडब्लूआई) द्वारा वर्ष 1991 से आयोजित यह प्रतिष्ठित आयोजन अब वैश्विक नीति निर्धारकों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सबसे प्रभावशाली मंच बन चुका है।

गंगा के विस्तृत प्रवाह वाले प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश नमामि गंगे कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र रहा है। वाराणसी में रिवरफ्रंट विकास, कानपुर में सीवेज शोधन संयंत्रों की स्थापना तथा छोटे एवं मझौले नगरों में सामुदायिक भागीदारी आधारित पहल इस अभियान को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही है। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का केंद्र बिंदु बना नदी शहरों की पुनर्कल्पना।

जलवायु-संवेदी और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास, जिसमें राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान और जर्मन विकास सहयोग ने मिलकर नेतृत्व किया। विशेषज्ञों ने जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण की चुनौतियों के बीच, नदी-केंद्रित विकास ही शहरों को टिकाऊ और सुरक्षित बना सकता है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने कहा कि नमामि गंगे मिशन ने भारत में नदियों के पुनरुद्धार के लिए एक ऐतिहासिक नीतिगत बदलाव की नींव रखी है। इस मिशन के तहत अब तक 40 हजार करोड़ रुपए का भारी निवेश किया जा चुका है, जो गंगा और उसकी सहायक नदियों को उनके प्राचीन रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। नमामि गंगे मिशन एक जीवंत उदाहरण है, जो यह साबित करता है कि जब आधुनिक तकनीक और नवाचार का संगम होता है, तो नदियों को पुनः जीवनदायिनी बनाने में सफलता प्राप्त की जा सकती है। मिशन के अंतर्गत की गई पहल, जैसे हाइब्रिड एनीटी मॉडल आधारित एसटीपी, सोलर पावर्ड ट्रीटमेंट प्लांट और मृदा जैव प्रौद्योगिकी, वैश्विक मानकों को स्थापित करने में योगदान दे रही हैं। मित्तल ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस कार्यक्रम को एक विशाल जन आंदोलन में बदला गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहे हैं।

संपादकीय

पचास फीसदी टैरिफ के प्रभाव

27 अगस्त, सुबह 9.31 बजे से भारत में अमरीका का 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी लागू हो गया। अब अमरीका जाने वाले भारतीय सामान पर कुल 50 फीसदी टैरिफ देना पड़ेगा। भारत और ब्राजील पर सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। जैसे ही अमरीका के गृह विभाग की अधिसूचना सामने आई, वैसे ही नुकसान और प्रभाव के आकलन और आंकड़े भी स्पष्ट होने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक महाबैठक बुलाई गई, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद का मुकाबला करने के विकल्पों और रास्तों पर विमर्श किया गया। पहले अमरीका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं पर औसतन 3 फीसदी आयात शुल्क का भुगतान करना पड़ता था। वह टैरिफ अब 50 फीसदी कर दिया गया है, लिहाजा फासला बहुत बड़ा है। सरकार समूचे प्रभावित क्षेत्रों को सबसिडी, कर्ज अथवा बेल पैकेज नहीं दे सकती। फिर भी कोरोना दौर जैसे बंदोबस्त करने होंगे। आम आदमी की क्रय-शक्ति कम न हो, बाजार में मांग बरकरार रहे, ताकि लघु, सूक्ष्म स्तर के उद्योगों में भी उत्पादन निरंतर जारी रह सके। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौती का दौर है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में नहीं आ रही कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के संबंध चाहते हैं अथवा भारत को दबाव में झुका देना चाहते हैं? जर्मनी के एक बहुप्रसारित अखबार ने खबर छापी है कि ट्रंप ने चार बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने बात नहीं की। हम इस खबर की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन भारत अभी आंख से आंख मिला कर बात करने की मुद्रा में है। सवाल है कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ क्यों थोपा गया है, जबकि चीन पर 30 फीसदी, वियतनाम पर 20 फीसदी, यूरोपीय संघ और जापान पर 15-15 फीसदी टैरिफ लगाए गए हैं? बहरहाल टैरिफ लागू होने के बाद नोएडा, सूरत, तिरुपुर में वस्त्र उद्योग का उत्पादन ठप होने की खबर सामने आई, तो भारतीय निर्यातक संघ ने तुरंत मदद करने का आग्रह मोदी सरकार से किया। शुरुआती आकलन यह है कि टैरिफ का करीब 55 फीसदी निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा। निर्यात कम होने से डॉलर भी कम होगा, नतीजतन डॉलर-रुपए के समीकरण भी प्रभावित होंगे। विदेशी निवेश भी कम होगा। भारत और अमरीका के बीच 2024-25 में 131 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार हुआ। उसमें करीब 87 अरब डॉलर का निर्यात भारत ने किया। वित्त-वर्ष 2025-26 में यह निर्यात घट कर 50 अरब डॉलर के करीब हो सकता है। यह बहुत गंभीर नुकसान होगा। करीब दो-तिहाई निर्यात, जो 60 अरब डॉलर का आंका गया है, 50 फीसदी टैरिफ के दायरे में आ जाएगा। यह श्रम-गहन वाले औद्योगिक क्षेत्रों-परिधान, वस्त्र, कालीन, झींगा मछली, रत्न-आभूषण और फर्नीचर आदि- पर हथौड़ा मारने जैसा होगा। सिर्फ कमीज का ही उदाहरण लें। 50 फीसदी टैरिफ लगने के बाद भारतीय कमीज पर 62 फीसदी, चीनी कमीज पर 42 फीसदी और वियतनामी कमीज पर 20 फीसदी टैरिफ लगेगा। अमरीकी बाजार में कोई भी महंगी कमीज क्यों खरीदेगा? संभव है कि मजबूरी में भारतीय कमीज के दाम कम करने पड़ सकते हैं। फार्मा की दवाइयां, स्मार्टफोन, पेट्रोलियम पदार्थ, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का कुल 30 फीसदी निर्यात 'टैरिफ-मुक्त' रखा गया है। करीब 4 फीसदी निर्यात (3.2 अरब डॉलर) में मुख्यतः ऑटो पाट्र्स हैं, जिन पर फिलहाल 25 फीसदी टैरिफ है। यदि ट्रंप के टैरिफवाद से उद्योगों पर बुरा असर पड़ता है, तो जाहिर है कि नौकरियां भी जाएंगी। नतीजतन रोजगार की समस्या विकट होगी। हालांकि कुछ औद्योगिक पंडितों के आकलन हैं कि भारत की जीडीपी का नुकसान, मौजूदा वित्त-वर्ष में, मात्र 0.8 फीसदी हो सकता है। यह एक छोटी तस्वीर पेश की जा रही है, क्योंकि निर्यात जीडीपी के 2 फीसदी के समान है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 200 फीसदी टैरिफ थोपने की धमकी जरूर दी है, लेकिन वह ऐसा कर नहीं सकेगा, क्योंकि चीन ने पलटवार किया, तो अमरीकी अर्थव्यवस्था के 'बारह बज' जाएंगे। भारत के प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप से सीधे बात करनी चाहिए। मामले को नौकरशाहों और राजनयिकों के हवाले ही छोड़ना देशहित में नहीं है।

भारत और ब्राजील पर सर्वाधिक 50 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। जैसे ही अमरीका के गृह विभाग की अधिसूचना सामने आई, वैसे ही नुकसान और प्रभाव के आकलन और आंकड़े भी स्पष्ट होने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एक महाबैठक बुलाई गई, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद का मुकाबला करने के विकल्पों और रास्तों पर विमर्श किया गया। पहले अमरीका में प्रवेश करने वाले भारतीय उत्पादों एवं सेवाओं पर औसतन 3 फीसदी आयात शुल्क का भुगतान करना पड़ता था। वह टैरिफ अब 50 फीसदी कर दिया गया है, लिहाजा फासला बहुत बड़ा है। सरकार समूचे प्रभावित क्षेत्रों को सबसिडी, कर्ज अथवा बेल पैकेज नहीं दे सकती। फिर भी कोरोना दौर जैसे बंदोबस्त करने होंगे। आम आदमी की क्रय-शक्ति कम न हो, बाजार में मांग बरकरार रहे, ताकि लघु, सूक्ष्म स्तर के उद्योगों में भी उत्पादन निरंतर जारी रह सके। बेशक भारत की अर्थव्यवस्था के लिए यह चुनौती का दौर है। राष्ट्रपति ट्रंप की सोच समझ में नहीं आ रही कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के संबंध चाहते हैं अथवा भारत को दबाव में झुका देना चाहते हैं? जर्मनी के एक बहुप्रसारित अखबार ने खबर छापी है कि ट्रंप ने चार बार प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने बात नहीं की।

अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल: क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

कमलेश पांडेय

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी। ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है। मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा। ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान,

अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी। ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी। लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा। वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी। यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है। रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है। समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी। दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में 'एक-चीन' नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने 'आश्चर्य' व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं। मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरुआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा।

देश दुनिया से

आ बैल, मुझे मार!

यह हमारा दुर्भाग्य ही था कि हम न केवल गुलाम हुए बल्कि गुलामी का यह दंश हमें लगभग आठ सौ सालों तक झेलना पड़ा। सन 1192 में मुहम्मद गौरी के गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश की नींव डाली जिसके बाद सन 1947 तक हम गुलाम रहे। गुलामी का वह दौर कोई आसान समय नहीं था। औरंगजेब के शासनकाल में ही गुरु तेग बहादुर जी शहीद हुए और औरंगजेब के शासन काल में ही सरहिंद के तत्कालीन नवाब वजीर खान के आदेश पर गुरु गोविंद सिंह जी के दो छोटे बेटों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। सन 1757 में अंग्रेजी साम्राज्य की स्थापना के साथ ही हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर रणनीतिक रूप से आघात शुरू हो गया, जिसने हमारे पुरातन आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे को तहस-नहस कर दिया। अंग्रेजों ने चुन-चुनकर हमारी दस्तकारी की कला की हत्या की, जिससे रोजगार खत्म हुए, गरीबी बढ़ी और हम विवशता के जाल में फंसते चले गए। दूसरी ओर लॉर्ड मैकाले ने जब नई शिक्षा नीति लागू की तो उसका उद्देश्य हमें अपनी संस्कृति से वंचित करना था। यह ऐसी शिक्षा थी जिसने हमारे अंतर्मन और हमारी सोच को ही भ्रष्ट कर डाला। एक विषय के रूप में संस्कृत को विज्ञान से अलग कर देना एक गहरा षड्यंत्र था। हमारा पुरातन साहित्य संस्कृत में था। नई शिक्षा नीति के तहत विज्ञान के विद्यार्थी संस्कृत नहीं पढ़ते थे और एक विषय के रूप में संस्कृत पढने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान की जानकारी नहीं होती थी। परिणाम यह हुआ कि हमारा पारंपरिक प्राचीन ज्ञान उन विद्यार्थियों तक पहुंचा ही नहीं जो विज्ञान पढ़ते थे। इस प्रकार ज्ञान का यह अकूत भंडार धीरे-धीरे खुद ही मर गया। इसने हमें मानसिक गुलामी दी जो आज तक कायम है। सन 1991 के उदारीकरण के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मार्केटिंग विभागों ने सोची-समझी रणनीति के तहत विज्ञापन और आकर्षक पैकेजिंग के बल पर न केवल हमें अहितकर उत्पाद बेचने शुरू कर दिए, बल्कि हमें उनका आदी बना डाला। संयुक्त परिवारों को 'झगड़ों का अड्डा', 'बोझ' और 'रुकावट' के रूप में पेश किया गया। स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर चला यह खेल परिवारों के टूटने का कारण बना। पहले जहां दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची एक ही घर में रहते थे और नाना-नानी, बुआ-फूफा, मौसी-मौसा और उन सबके बच्चों में नियमित रूप से मिलना-जुलना, आना-जाना होता था, वहीं बच्चों में स्वतंत्रता की चाह ने वृहद संयुक्त परिवार ही नहीं तोड़े, बल्कि मां-बाप को उनके बच्चों से ही अलग कर डाला। उपभोक्तावाद के इस षड्यंत्र का असर दूरगामी था। जहां वृहद संयुक्त परिवारों में सारे मतभेदों के बावजूद आपसी सौहार्द, एकता और एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होने की परंपरा हुआ करती थी, वहां आधुनिक समाज में बच्चों को स्वतंत्रता तो मिली लेकिन बदले में उनसे कई सुविधाएं छिन गईं। छोटे बच्चे दादा-दादी और नाना-नानी सरीखे बुजुर्गों के ज्ञान और सुरक्षा से तो वंचित हुए ही, उनकी खरीदने की सामर्थ्य भी बुरी तरह से प्रभावित हुई। संयुक्त परिवार में जहां एक ही चूल्हा होता था, वहीं परिवार टूटने पर हर वस्तु अलग से आने लग गई। एक रसोई की जगह कई रसोइयों ने ले ली। पहले एक घर था तो एक ही टीवी था, अब हर घर का अलग टीवी, अलग फ्रिज, अलग सोफा, अलग वाहन आवश्यक हो गया। पहले जहां छोटे बच्चों की देखभाल घर के बड़े बुजुर्ग करते थे, वहीं अब 'नैनी' का चलन हो गया। मियां-बीवी दोनों काम पर जाने लगे तो मेड की आवश्यकता अनिवार्य हो गई। बच्चों को दादा-दादी की सुरक्षा, प्यार और संस्कारों की जगह 'नैनी' का मशीनी व्यवहार झेलने के लिए विवश होना पड़ा। स्वतंत्रता के नाम पर हमने अपना खर्च बेतहाशा बढ़ा लिया। परिवार इकट्ठे थे तो अकेलापन नहीं था, छोटे बच्चे और बुजुर्ग दोनों एक-दूसरे का सहारा थे। परिणाम यह था कि उदासी और अकेलेपन से उत्पन्न होने वाले मनोविकार नहीं थे। परिवार टूटे तो परिवार टूट गए और त्योहारों की खुशियों ने खामोशियों का रूप ले लिया। व्यक्ति सिर्फ ग्राहक बनकर रह गया और एकल परिवारों को स्वतंत्र, आधुनिक और खुद के जीवट से चलने वाले बताकर उनकी शान में कसीदे पढ़े जाने लगे। बाजार फलने-फूलने लगे और बच्चे स्क्रीन में गुम हो गए। मानसिक स्वास्थ्य का संकट गहराया तो हर समस्या के समाधान के रूप में एक नया उत्पाद बाजार में आ गया। हर भावना के लिए एक ऐप आ गया। पहले जो बात नानी-दादी से होती थी, अब काउंसलर से होती है। अकेलापन इलाज मांगता है, संस्कार की जगह इन्फ्लुएंसेरों और सब्सक्रिप्शन ने ले ली है। आधुनिकता की इस दौड़ ने हमें एक छुपी हुई गुलामी का ईनाम दिया है। ऐमेजॉन को फायदा तभी है जब आप त्योहारों में अकेले हों और परिवार के साथ बैठकर गपशप करने के बजाय शॉपिंग करके अपनी हताशा, निराशा और अकेलेपन से निजात पाने की कोशिश करें। जमैटो की कमाई तभी है, जब हम घर का खाना नहीं खाते। जब हम दादी-नानी से कहानी नहीं सुन रहे होते तो ही नेटफ्लिक्स देखते हैं। संयुक्त परिवार एक संपत्ति था, इसके कई लाभ थे, पर इसे अब बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अकेलापन दूर करने के लिए ऐप के बजाय अपनेपन की भावना चाहिए। आज महानगरों में उन परिवारों के लिए भी अपना घर खरीद पाना एक सपना बन कर रह गया है, जहां मियां-बीवी दोनों नौकरी करते हैं और उनका बच्चा भी नहीं है, यानी, कोई फालतू खर्च नहीं है। इसी तरह पति-पत्नी की नौकरी के बावजूद उन परिवारों के लिए एक बच्चे के बाद, दूसरे बच्चे का बोझ सह पाना संभव नहीं रह गया है। इस आधुनिकता का हम क्या करेंगे? हमारे जीवन में स्वस्थ सैर का अभाव हो गया, खानपान बिगड़ गया, दोस्त सिर्फ वर्चुअल वल्ड में रह गए, आभासी दुनिया में रह गए, जबकि असली जीवन में पड़ोसी से भी परिचय नहीं होता। महानगरों की यह निरपेक्षता हमारी बीमारियों का बड़ा कारण है। योग की क्रियाएं और प्राणायाम कभी हमारे जीवन का अंग हुआ करते थे, बिना घास की जमीन पर नंगे पांव चलना कभी हमारी दिनचर्या का हिस्सा होते थे, मौसम के बदलाव के साथ जुड़े त्योहारों में व्रत-उपवास और उनके साथ विशिष्ट खानपान के रिवाज के पीछे गहरा विज्ञान था जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली की मजबूती का कारण था। इन सब के अभाव में आज हर व्यक्ति बीमार है। हर दस में से सात व्यक्ति दवाइयों के सहारे जीवन जी रहे हैं। हमने खुद ही व्याधियों को जन्म दिया है और उन व्याधियों से बचने के लिए नई व्याधियों को बुलावा दे रहे हैं। जीवन भर ब्लड प्रेशर की दवाई खाने वाले व्यक्ति को ब्लड प्रेशर से तो निजात मिलती नहीं, अंततः वह किसी और बड़े रोग का शिकार हो जाता है। 'आ बैल, मुझे मार' की यह जीवन शैली ही हमारी समस्याओं का कारण है। अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं, जीवन में खुशी चाहते हैं, बुढ़ापे में बच्चों पर बोझ नहीं बनना चाहते तो हमें अपनी सोच को बदलना होगा, जीवन शैली को बदलना होगा और प्राकृतिक जीवन जीना होगा, वरना हम भुगत तो रहे ही हैं।

बोध कथा

निंदा का फल..............

एक बार की बात है की किसी राजा ने यह फैसला लिया के वह प्रतिदिन 100 अंधे लोगों को खीर खिलाया करेगा। एक दिन खीर वाले दूध में सांप ने मुंह डाला और दूध में विष डाल दी और ज़हरीली खीर को खाकर 100 के 100 अंधे व्यक्ति मर गए। राजा बहुत परेशान हुआ कि मुझे 100 आदमियों की हत्या का पाप लगेगा।राजा परेशानी की हालत में अपने राज्य को छोड़कर जंगलों में भक्ति करने के लिए चल पड़ा, ताकि इस पाप की माफी मिल सके। रास्ते में एक गांव आया। राजा ने चौपाल में बैठे लोगों से पूछा की क्या इस गांव में कोई भक्ति भाव वाला परिवार है ? ताकि उसके घर रात काटी जा सके।चौपाल में बैठे लोगों ने बताया कि इस गांव में दो बहन भाई रहते हैं जो खूब बंदगी करते हैं। राजा उनके घर रात ठहर गया। सुबह जब राजा उठा तो लड़की सिमरन पर बैठी हुई थी। इससे पहले लड़की का रूटीन था की वह दिन निकलने से पहले ही सिमरन से उठ जाती थी और नाश्ता तैयार करती थी। लेकिन उस दिन वह लड़की बहुत देर तक सिमरन पर बैठी रही।जब लड़की सिमरन से उठी तो उसके भाई ने कहा की बहन तू इतना लेट उठी है ,अपने घर मुसाफिर आया हुआ है।इसने नाश्ता करके दूर जाना है। तुझे सिमरन से जल्दी उठना चाहिए था। तो लड़की ने जवाब दिया कि भैया ऊपर एक ऐसा मामला उलझा हुआ था। धर्मराज को किसी उलझन भरी स्थिति पर कोई फैसला लेना था और मैं वो फैसला सुनने के लिए रुक गयी थी, इस लिए देर तक बैठी रही सिमरन पर। उसके भाई ने पूछा ऐसी क्या बात थी। तो लड़की ने बताया कि फलां राज्य का राजा अंधे व्यक्तियों को खीर खिलाया करता था।

आप का नजरिया

कितने अपनों के बीच पार्टियां

हिमाचल विधानसभा सत्र के दौरान एक अन्य सत्र ऊना में भी चला जहां भाजपा सिर्फ विपक्ष में नहीं, अपनों के बीच ही थी। क्या विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस अपनी सरकार के भीतर और सत्तारूढ़ दल की हैसियत से दिखाई दे रही है। यह मुकाबला नहीं सियासी हालात में जिगर को दिल से मिलाने की एक दास्तान हो सकती है। ऊना में यूं तो भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला थी, लेकिन वहां संगठन का श्रम, पार्टी की साधना, राजनीतिक कौशल और नेताओं का उत्साह ठाठें मार रहा था। ऐसे में देखना यह होगा कि क्या हिमाचल में सत्तारूढ़ होने के बाद सरकार में होने का उत्साह कांग्रेस के कार्यकर्ता या नेताओं में बरकरार है। यह इसलिए भी कि भारी कोशिशों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की पतवार बाहर नहीं आ रही, जबकि पार्टी के भीतर कई अवतार और कई शृंगार मौजूद हैं। इधर डा. बिंदल की टीम का आगाज बता रहा है कि नए अभियान-नए इम्तिहान के लिए पार्टी किस शिद्दत से अपने जोश का संग्रहण करती है। ऊना की बैठक में सिर्फ उत्साह नहीं था, बल्कि कदमताल करते इरादे, आगे बढने की निरंतरता और साबित करने की भुजाएं एक साथ शिरकत कर रही थीं। यह दीगर है कि प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक रचना में कई किश्तियां सूखे में खड़ी दिखाई दे रही थीं, लेकिन पार्टी ने अपने जहाज पर सबको बैठाने के लिए कार्यशाला के निमंत्रण में नए सफर की नई डगर खोज डाली। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह भाजपा में जीने की विधा और विधान सिखाते हैं, तो पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 2027 के प्रादेशिक चुनावों का खाका सृजित कर देते हैं, यानी अगस्त 2025 में बैठी भाजपा दो-ढाई साल बाद के चुनावों की कसरत में मांसपेशियां दिखा रही है। यहां कसौटियां बूथ तक और हिम्मत हर वोट तक ऐसा नक्शा खीच रही है जो आने वाले समय में विपक्ष की भूमिका को आंदोलित करेगी। वैसे एक मुकाबला शिमला के विधानसभा परिसर में भी आमादा है। बेशक सरकार अपनी पैरवी के हर इंतजाम में अव्वल होने की वजह और अंदाज जानती है, फिर भी सियासी रेत छानने के लिए वाकआउट करता विपक्ष जनता की नजरों में खुद को दिखा गया। यह विपक्ष की मासूमियत नहीं, चालाकी है जो आपदा के वीभत्स में भी अपनी तस्वीर दिखा पा रही है। यहां केंद्र के पन्नों पर भले ही हिमाचल को पूरा खत न आया और न ही राहत के पैगाम ढांढस बंधा पाए, लेकिन राज्य भाजपा है कि मानती नहीं। बहरहाल, बतौर पार्टी अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल विपक्षी माहौल का तडक़ा लगाने में फिर माहिर हुए, क्योंकि सामने सत्तारूढ़ दल तो है, लेकिन पार्टी का मुकम्मल दल और नेतृत्व नहीं है। अब देखना यह है कि भाजपा की कार्यशाला के सामने कांग्रेस में कितनी हील हुज्जत होती है। अंततः सत्ता को तो मिशन रिपीट के इजहार में अपना आचरण दर्ज करना ही होगा। सत्ता के संदेश सचिवालय से गांव के चौपाल तक पहुंचाएगा तो आम कार्यकर्ता ही। जिस बूथ की योजना में पूरी भाजपा खड़ी है, उसके क्षेत्ररक्षण की तैयारी में कांग्रेस को एक अदद पूर्णकालिक अध्यक्ष चाहिए। पार्टी को तरोताजा करने के लिए जो ऊर्जा और उत्साह चाहिए, वह कहीं आलाकमान के किंतु-परंतु का बंधक बना हुआ है। जो कांग्रेस पार्टी को सत्ता तक लेकर आई, तब कोई और बात थी। अब एक नया सियासी महाभारत लिखा जाएगा। चुनाव की आहट को अगर भाजपा ढाई साल पूर्व भी महसूस कर सकती है, तो कांग्रेस को सत्ता के कदमों पर चलते हुए अपनी एक नई पारी, नए दमखम से जोडऩी होगी। हिमाचल पिछले दशकों से हर सत्तारूढ़ दल को 'मिशन रिपीट' के मोड पर काम करते हुए देखता है। जाहिर है कांग्रेस के वजूद में यह जज्बा दिखाने के लिए पार्टी और सत्ता को एक साथ मैदान पर आना होगा।

ऊना में यूं तो भाजपा की संगठनात्मक कार्यशाला थी, लेकिन वहां संगठन का श्रम, पार्टी की साधना, राजनीतिक कौशल और नेताओं का उत्साह ठाठें मार रहा था। ऐसे में देखना यह होगा कि क्या हिमाचल में सत्तारूढ़ होने के बाद सरकार में होने का उत्साह कांग्रेस के कार्यकर्ता या नेताओं में बरकरार है। यह इसलिए भी कि भारी कोशिशों के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष की पतवार बाहर नहीं आ रही, जबकि पार्टी के भीतर कई अवतार और कई शृंगार मौजूद हैं। इधर डा. बिंदल की टीम का आगाज बता रहा है कि नए अभियान-नए इम्तिहान के लिए पार्टी किस शिद्दत से अपने जोश का संग्रहण करती है। ऊना की बैठक में सिर्फ उत्साह नहीं था, बल्कि कदमताल करते इरादे, आगे बढ़ने की निरंतरता और साबित करने की भुजाएं एक साथ शिरकत कर रही थीं। यह दीगर है कि प्रदेश भाजपा की संगठनात्मक रचना में कई किश्तियां सूखे में खड़ी दिखाई दे रही थीं, लेकिन पार्टी ने अपने जहाज पर सबको बैठाने के लिए कार्यशाला के निमंत्रण में नए सफर की नई डगर खोज डाली। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह भाजपा में जीने की विधा और विधान सिखाते हैं, तो पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 2027 के प्रादेशिक चुनावों का खाका सृजित कर देते हैं, यानी अगस्त 2025 में बैठी भाजपा दो-ढाई साल बाद के चुनावों की कसरत में मांसपेशियां दिखा रही है।

दृष्टि कोण

बदलते मौसम में किसानों की बढ़ती मुश्किलें

प्राचीन भारत की आत्मा कृषि ही रही है। ऋग्वेद से लेकर पाराशर स्मृति तक हमारे शास्त्रों ने खेती को न केवल जीवन का आधार माना, बल्कि सम्मान और समृद्धि का स्रोत भी बताया है। ऋग्वेद में उल्लेखित है- 'अक्षैर्मा दीव्यः कृषिमित्कृषस्व वित्ते रमस्व बहुमन्यमानः', अर्थात जुए में मत उलझो, खेती करो और सम्मानजनक जीवन जियो। इसी तरह कृषि पाराशर-श्लोक-8 में कहा गया है, 'कृषिर्धन्या कृषिर्मेध्या जन्तूनां जीवनं कृषि।' जिसका अभिप्राय है कि कृषि को केवल अन्न उपजाने का साधन नहीं, बल्कि जीवन और समाज के संचालन की धुरी माना जाए। लेकिन वर्तमान में वही कृषि अब संकटग्रस्त है। भारत का किसान, जिसने इस देश की सभ्यता और संस्कृति को पोषित किया, अब नीतिगत उदासीनता, बाजार की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन की मार से जूझ रहा है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में किसानों के आंदोलनों की गूंज बार-बार सुनाई देती रही है। क्योंकि किसानों के लिए यह महज आंदोलन की बात नहीं है, बल्कि उनके अस्तित्व का सवाल है। यद्यपि सरकार की ओर से किसानों के लिए अनेक योजनाएं लागू हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 2028 तक बढ़ाकर केंद्र सरकार 10 लाख करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए वार्षिक प्रत्यक्ष सहायता भी दी जाती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मानधन योजना, कृषि सिंचाई योजना जैसे कदम भी किसानों के लिए घोषित हुए हैं। मगर सवाल यह है कि क्या इन योजनाओं का वास्तविक लाभ हर किसान तक पहुंच पा रहा है? क्योंकि आंकड़े एक अलग तस्वीर पेश करते हैं। 1990 के बाद से प्रतिवर्ष दस हजार से अधिक किसान आत्महत्या करने को मजबूर हुए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 1995 से 2014 के बीच करीब तीन लाख किसानों ने आत्महत्याएं की हैं, जिनमें अकेले महाराष्ट्र में 60000 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं। यह स्थिति बताती है कि योजनाओं और राहत पैकेजों के बावजूद

किसान की जिंदगी पर संकट जस का तस बना हुआ है। समस्या की जड़ केवल कर्ज, बीज या खाद तक सीमित नहीं है। जलवायु असंतुलन ने इसे और अधिक विकराल बना दिया है। हिमाचल प्रदेश इसका ज्वलंत उदाहरण है। प्रदेश केवल अपनी बर्फीली चोटियों और हरी-भरी वादियों से ही नहीं, बल्कि अपने खेतों और बागों से भी पहचाना जाता है। सेब, मटर, टमाटर, आलू और अन्य फसलों ने हिमाचल को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दी है। लेकिन अब मौसम का मिजाज किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में हिमाचल का कुल फल उत्पादन 6.37 लाख टन रहा था, जबकि 2024-25 में दिसंबर तक यह घटकर 5.92 लाख टन पर सिमट गया। नई फसलों का रास्ता भी आसान नहीं है, उन्हें अपनाने में निवेश, तकनीक और बाजार तक पहुंच जैसी बाधाएं आती हैं। ऊपर से इस बार की बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और रोगों के प्रकोप ने किसानों की पूरी मेहनत चौपट कर दी है। जब महीनों की मेहनत एक ही रात की भीषण बारिश में नष्ट हो जाए, तो किसान का हौसला टूटना स्वाभाविक है। हिमाचल के किसानों का संघर्ष खेत तक ही नहीं, मंडियों तक फैला है। असुरक्षित पहाड़ी सडक़ें, महंगा परिवहन और बाजार में गिरते भाव किसान की आमदनी को और अस्थिर कर देते हैं। राज्य और केंद्र ने राहत के कुछ प्रयास किए हैं। बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत 2024-25 में 37 हजार मीट्रिक टन सी-ग्रेड सेब खरीदा गया और 45 करोड़ रुपए किसानों को राहत स्वरूप मिले। नए पौधे वितरित हुए और नए बाग लगाए गए।

अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की निदेशक सुजैन मोनारेज बर्खास्त, चार पदाधिकारियों का इस्तीफा

वाशिंगटन (अमेरिका), 28 अगस्त (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस ने बुधवार देररात अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक सुजैन मोनारेज को टकराव के बाद बर्खास्त कर दिया। स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के कहने पर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। संक्रामक रोग शोधकर्ता डॉ. मोनारेज को कैनेडी ने एक महीने पहले ही शपथ दिलाई थी।

खबर में कहा कि डॉ. मोनारेज का कैनेडी के साथ हाल ही में टीका नीति को लेकर टकराव हो गया था। डॉ. मोनारेज की नियुक्ति की पुष्टि सीनेट भी कर चुकी है। पूर्व के निदेशकों के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ, इसलिए वह राष्ट्रपति की मर्जी पर निर्भर रहे। सीनेट की पुष्टि की वजह से कैनेडी के पास उन्हें हटाने का अधिकार नहीं था। दिनभर चले इस घटनाक्रम पर डॉ. सुजैन मोनारेज के वकीलों ने शाम के वक्त जोर देकर कहा कि वह यहीं रहेंगी। लेकिन रात 9:30 बजे राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के प्रवक्ता कुश देसाई ने एक ई-मेल संदेश साझा कर कर कहा कि डॉ. मोनारेज को बर्खास्त कर दिया गया है।

डॉ. मोनारेज के वकीलों मार्क एस. ज़ैद और एब्बे लोवेल ने एक बयान में कहा कि डॉ. मोनारेज की स्थिति बड़े मुद्दे का प्रतीक है। जैद और लोवेल ने लिखा, यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को सुनियोजित रूप से ध्वस्त करने की साजिश है। डॉ. मोनारेज पर हमला हर अमेरिकी के लिए एक चेतावनी है। कैनेडी और डॉ. मोनारेज के बीच कई दिनों से चल रहा टकराव बुधवार को सार्वजनिक रूप से सामने आया। दोपहर को स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग ने एक्स पर घोषणा की कि डॉ. मोनारेज अब सीडीसी की निदेशक नहीं हैं। इसके कुछ घंटों बाद वकील लोवेल और जैद ने विभाग के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि डॉ. मोनारेज़ ने न तो इस्तीफा दिया है और न ही व्हाइट हाउस से उन्हें बर्खास्तगी की सूचना मिली है। ईमानदार और विज्ञान के प्रति समर्पित व्यक्ति होने के नाते वह इस्तीफा नहीं देंगी। इस नाटकीय घटनाक्रम के बाद सीडीसी की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डेबरा होउरी, डॉ. डेमेट्रे डस्कलाकिस, डॉ. डैनियल जर्निगन और डॉ. जेनिफर लेडेन ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। डॉ. डस्कलाकिस ने अपने सहयोगियों को लिखे ई-मेल में कहा, सार्वजनिक स्वास्थ्य के निरंतर हथियारीकरण के कारण मैं अब इस भूमिका में सेवा नहीं कर पा रही हूं। डॉ. जर्निगन एंथ्रेक्स स्वाइन फ्लू और कोविड काल में एजेंसी के कर्ता-धर्ता रहे हैं। डॉ. डस्कलाकिस ने देश को एमपॉक्स के प्रकोप से निपटने में मदद की है। डॉ. लेडेन ने कोविड रणनीतिक विज्ञान इकाई की स्थापना और डॉ. होउरी ने एजेंसी के ओपिओइड कार्यक्रम का ताना-बाना बुना।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तानी वायु सेना ने बलोचिस्तान में किया हवाई हमला!

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने बलोचिस्तान के बोलन क्षेत्र के माच के कुछ हिस्सों में हवाई हमले किए। आसपास के के निवासियों और सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट के अनुसार, बमबारी में गोनीपारा के पहाड़ी इलाकों के साथ-साथ उर्दू बाग और धादर के आसपास के इलाकों को निशाना बनाया गया। खबर में यह जानकारी दी गई पर वह स्वतंत्र रूप से इन रिपोर्टों की पुष्टि नहीं कर सका। पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर या किसी भी बलोच सशस्त्र समूह ने कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया। पाकिस्तानी अधिकारी लंबे समय से इस दावे को खारिज करते रहे हैं कि बलोचिस्तान में लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया जाता है। विश्लेषकों का कहना है कि यदि लड़ाकू विमानों के उपयोग की पुष्टि हो जाती है तो इससे यह संकेत मिलेगा कि इस्लामाबाद अब संघर्ष को एक पारंपरिक युद्ध के रूप में देखता है, भले ही वह इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार न करे।

ईरान में आईआरजीसी ने जैश अल-अदल को बनाया निशाना, 13 आतंकवादी मारे गए

तेहरान (ईरान)। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ग्राउंड फोर्स के कुद्स बेस को ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आतंकवादी समूहों के खिलाफ तीन अभियानों में बड़ी सफलता हाथ लगी है। खुफिया अधिकारियों के साथ मिलकर अंजाम दिए गए इन अभियानों में 13 आतंकी मारे गए। इनमें आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के आठ लड़ाके शामिल हैं। खबर के अनुसार, इन अभियानों को बुधवार तड़के ईरानशहर, खाश और सरवन में अंजाम दिया गया। इस दौरान अनेक आतंकवादियों को गिरफ्तार भी किया गया। इस बीच, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान (फराजा) के कानून प्रवर्तन कमान के प्रवक्ता ने कहा कि दक्षिण-पूर्वी प्रांत के ईरानशहर में एक पुलिस अड्डे पर हाल ही में हुए घातक हमले में शामिल आतंकवादियों का का सफाया कर दिया गया है। जनरल सईद मोंताजरलमाहदी ने कहा कि उनके सहयोगियों ने बुधवार तड़के सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर एक सफल अभियान चलाया, जिसमें ईरानशहर के दमन पुलिस स्टेशन पर हाल ही में हुए एक हमले में शामिल आठ आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस हमले में पुलिस कर्मी शहीद हो गए थे। प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों के पास से हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया है। 22 अगस्त को सशस्त्र हमलावरों ने सिस्तान और बलोचिस्तान प्रांत में खाश-ईरानशहर मार्ग पर दो पुलिस गश्ती टुकड़ियों पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में पांच पुलिस अधिकारी मारे गए थे। तथाकथित जैश अल-अदल आतंकवादी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

अमेरिका ने फिर चेताया कहा- अमेरिका के रुख में नहीं आएगी नरमी

वॉशिंगटन। अमेरिका पूरी ताकत से लगा है कि भारत उसका कहना मान ले। लेकिन भारत पर इसका कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका ने एक बार फिर भारत को चेतावनी दी है। नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक केविन हैसेट ने कहा है कि भारत नहीं माना, तो अमेरिका अपना रुख नरम नहीं करेगा। बुधवार से ही भारत पर लगाया गया 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लागू हो गया है। इस लिहाज से अमेरिका ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूसी तेल की खरीद को लेकर निशाना बना रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक भारत और अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर तनाव गहराने के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर जारी वार्ता इस पर निर्भर करेगी कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं और 'सीमाओं' का किस तरह ध्यान रखते हैं। आखिरकार कुछ सीमाएं हैं जिनसे हम समझौता नहीं कर सकते हैं। समझौता इस पर निर्भर करेगा कि दोनों पक्ष इन सीमाओं से किस तरह निपटते हैं। हमारे लिए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि किसानों, मछुआरों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते को लेकर मार्च 2025 से ही बातचीत का दौर चल रहा है और अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। छठा दौर 25 अगस्त से ही शुरू होने वाला था लेकिन अमेरिकी पक्ष ने इसके लिए भारत की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है।

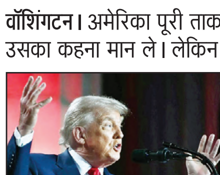

बलोचिस्तान में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम की सुरक्षा बलों के विरोध में की गई नाकाबंदी

क्वेटा (बलोचिस्तान), 28 अगस्त (एजेंसियां)।

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई) के सदस्यों ने मीर यूसुफ अली खान कलंदरानी के लापता होने पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ खुजदार में आरसीडी राजमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद बुधवार को क्वेटा और कराची के बीच यातायात बाधित कर दिया। जेयूआई के पदाधिकारियों के अनुसार, खुजदार के सनी इलाके में धरना शुरू किया गया और कलंदरानी की बरामदगी तक धरना जारी रहेगा। इस प्रदर्शन का नेतृत्व जेयूआई नेता मौलाना कमरुद्दीन कर रहे हैं। इसमें कलंदरानी जनजाति के प्रमुख अली मुहम्मद कलंदरानी, जिला प्रतिनिधि, आदिवासी बुजुर्ग और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हैं।

खबर के अनुसार, लोगों ने कहा कि जब तक सुरक्षा बलों के अधिकारी कलंदरानी को पेश नहीं करते, वे नाकाबंदी समाप्त नहीं करेंगे। राजमार्ग बंद होने से दोनों तरफ यात्री बसों और मालवाहक ट्रकों की लंबी कतारें लग गईं। खुजदार के तूतक इलाके के निवासी मीर यूसुफ कलंदरानी को कथित तौर पर 17 अगस्त 2025 को कराची में हिरासत में लिया गया था और तब से वे लापता हैं। उनके परिवार और समर्थकों का दावा है कि उन्हें जबरन गायब कर दिया गया है। यह पहली बार नहीं है जब कलंदरानी परिवार के सदस्यों को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने निशाना बनाया है। 18 फरवरी 2011 को सैनिकों ने तूतक गांव को घेर लिया और घंटों घर-घर तलाशी ली। सभी पुरुष निवासियों को घेर लिया गया और हिरासत में ले लिया गया। हालांकि कुछ को बाद में रिहा कर दिया गया, लेकिन यूसुफ कलंदरानी के तीन भाई, उनके 82 वर्षीय रिश्तेदार मुहम्मद रहीम खान कलंदरानी और परिवार के 16 अन्य सदस्य आज भी लापता हैं। इस नए मामले के सामने आने से खुजदार में गुस्सा फिर भड़क गया है, जहां आदिवासी प्रतिनिधियों ने अधिकारियों पर वर्षों से कलंदरानी परिवार को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

बलोचिस्तान की कोयला खदान में जहरीली गैस के रिसाव से तीन मजदूरों की मौत

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के बोलन जिले की माछ तहसील में एक कोयला खदान में जहरीली गैस के रिसाव से मंगलवार को तीन खनिकों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि मजदूर दिगारी क्षेत्र की खदान के अंदर थे, तभी अचानक जहरीली गैस फैल गई, जिससे उनका दम घुट गया। खबर के अनुसार, पीड़ितों की पहचान क्वेटा के हजारा टाउन और आलमदार रोड के निवासियों के रूप में हुई है। स्थानीय प्रशासन, बचाव दल और खनन अधिकारी हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंच गए। खान एवं खनिज के मुख्य निरीक्षक अब्दुल गनी ने भी दुर्घटना के प्रारंभिक कारणों की समीक्षा की। बलोचिस्तान की कोयला खदानों में लगातार होने वाली घातक दुर्घटनाएं लंबे समय से सुरक्षा मानकों के अभाव को उजागर करती रही हैं। बार-बार होने वाली त्रासदियों के बावजूद, स्थितियों में सुधार के लिए बहुत कम प्रगति हुई है, जिससे हजारों खनिक लगातार जोखिम में हैं। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि क्वेटा, बोलन, हरनाई, लोरालाई और डुकी सहित कोयला-समृद्ध जिलों में 256 मिलियन टन से अधिक कोयला भंडार है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन का अनुमान है कि पूरे प्रांत में कोयला खनन में 100,000 से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं।

नेपाली प्रधानमंत्री ओली के चीन यात्रा के दौरान लिपुलेख का मुद्दा उठाएंगे

काठमांडू, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली अगले सप्ताह चीन में तियानजेन की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात के दौरान लिपुलेख कालापानी लिंपियाधुरा सीमा क्षेत्र का मुद्दा उठाएंगे।

नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने बुधवार रात एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ओली की चीन भ्रमण के दौरान चीन के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री से मुलाकात तय है। गुरुंग कहा कि भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए व्यापारिक मार्ग समझौते में नेपाल की भूमि लिपुलेख का जिक्र करने को लेकर चीन और भारत के सामने मुद्दा उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेपाल की जानकारी के बिना लिपुलेख के रास्ते व्यापारिक मार्ग को लेकर समझौता करने को लेकर नेपाल अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ओली की तियानजेन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से मुलाकात होना तय है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को ही प्रधानमंत्री के तियांजिंग और बीजिंग की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा की घोषणा की है। प्रवक्ता ने कहा कि लिपुलेख का मामला अब सिर्फ नेपाल और भारत के बीच का नहीं रहा। भारत के साथ समझौता कर चीन भी इसमें शामिल हो गया है इसलिए चीन के राष्ट्रपति से मुलाकात के समय भी इस मुद्दे को मजबूती के साथ उठाया जाएगा। गुरुंग ने कहा कि तियानजेन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ होने वाली मुलाकत में भी लिपुलेख का मुद्दा उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा में इस विषय को द्विपक्षीय बातचीत के एजेंडा में शामिल करने की तैयारी है। उल्लेखनीय है कि नेपाल सरकार की ओर से हाल ही में यह मुद्दा पुनः उठाया गया था जिस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने लिपुलेख कालापानी लिंपियाधुरा सीमा क्षेत्र पर नेपाल के दावे को तथ्यों के विपरीत बता कर खारिज कर दिया था। प्रधानमंत्री ओली शनिवार से पांच दिवसीय यात्रा पर चीन रवाना होने वाले हैं जहां वो तियांजिंग और बीजिंग का दौरा करेंगे। इसके बाद 16 सितंबर से प्रधानमंत्री ओली की भारत भ्रमण प्रस्तावित है।

किम जोंग-जिनपिंग के बीच बढ़ी दोस्ती: सैन्य परेड में शामिल होगा उत्तर कोरियाई तानाशाह

बीजिंग। चीन और उत्तर कोरिया के बीच घनिष्ठता बढ़ रही है। ये अमेरिका की चिंता बढ़ाने वाली दोस्ती कही जा सकती है। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन अगले हफ्ते सैन्य परेड में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग पहुंचेंगे। द्वितीय विश्व युद्ध की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली इस सैन्य परेड में चीनी के कई मित्र राष्ट्र के प्रतिनिधि मौजूद होंगे। किम जोंग इससे पहले 2019 में चीन की यात्रा पर गए थे। चीनी के अनुसार, इस परेड में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित 26 विदेशी मेहमान इसमें शामिल होंगे। यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन के साथ मतभेदों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका या किसी भी पश्चिमी देश के प्रतिनिधि के आने की उम्मीद नहीं है। तानाशाह किम जोंग उन की बीजिंग यात्रा को लेकर उत्तर कोरिया की सरकारी एजेंसी ने कहा कि किम युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के समारोह में आयोजित परेड में हिस्सा लेंगे। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तरफ से उन्हें यह आमंत्रण आया था, जिसे लेकर वह जल्द ही चीन का दौरा करेंगे। हालांकि एजेंसी की तरफ से इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई कि किम जोंग उत्तर कोरिया से कब रवाना होंगे या फिर वह चीन में कितने दिन रहेंगे। गौरतलब है कि अगर इस परेड में शामिल होने के लिए किम जोंग उन चीन पहुंचते हैं, तो यह 2019 के बाद उनकी पहली चीन यात्रा होगी। चीन और उत्तर कोरिया के संबंध लगातार वर्षों में बेहतर हुए हैं। चीन लंबे समय से उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है।

अमेरिका को छोड़कर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों ने कहा- गाजा में अकाल मानव निर्मित संकट

संयुक्त राष्ट्र, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 15 में से 14 सदस्य देशों ने बुधवार को गाजा में चल रहे अकाल को मानव-निर्मित संकट करार दिया। परिषद के संयुक्त बयान में कहा गया कि भूख को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन है।

सदस्य देशों ने तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और इजराइल से सभी प्रतिबंध हटाने की मांग की। बयान में स्पष्ट कहा गया कि गाजा में अकाल तुरंत रोका जाना चाहिए। समय बहुत कम है, मानवीय आपात स्थिति को तुरंत संबोधित करना होगा और इजराइल को अपनी नीतियों में बदलाव करना चाहिए।

वैश्विक भूख मॉनिटर आईपीसी की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा सिटी और आसपास के इलाकों में आधिकारिक रूप से अकाल घोषित हो चुका है। रिपोर्ट बताती है कि 5.14 लाख लोग, यानी गाजा की लगभग एक चौथाई आबादी, पहले ही अकाल का सामना कर रही है और सितंबर के अंत तक यह संख्या 6.41 लाख तक पहुंच सकती है। इजराइल ने आईपीसी की रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण और गलत बताते हुए खारिज किया है। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि यह आकलन हमास द्वारा दिए गए आंशिक आंकड़ों पर आधारित है और इसमें हाल में गाजा में भेजी गई खाद्य सहायता को ध्यान में नहीं रखा गया। बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शिया ने कहा कि आईपीसी रिपोर्ट की विश्वसनीयता और सटीकता संदिग्ध है। उन्होंने कहा, हमें पता है कि गाजा में भूख एक वास्तविक समस्या है और मानवीय जरूरतें बड़ी हैं। इन जरूरतों को पूरा करना अमेरिका की प्राथमिकता है।

पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से हाहाकार, सिखों का तीर्थस्थल करतारपुर डूबा, दो बांध तोड़े गए

इस्लामाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मानसूनी बारिश से सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। समूचे प्रांत में बाढ़ से हाहाकार मच गया है। रावी, चिनाब और सतलुज नदियों में आई बाढ़ ने तबाही मचा दी है। सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। फसलें नष्ट हो गईं और मवेशी बह गए। बाढ़ग्रस्त नारोवाल जिले का करतारपुर लगभग डूब गया है। करतारपुर कॉरिडोर पहले से ही जलमग्न है। दुनिया भर के सिख समुदाय का सबसे बड़ा तीर्थस्थल करतारपुर गुरुद्वारा दरबार साहिब परिसर पिछले 24 घंटे से डूबा हुआ है। प्रांत के आठ जिलों में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है।

खबर के अनुसार, इस आपदा में गुजरांवाला संभाग में सात लोगों की मौत हो गई है। सियालकोट में मूसलाधार बारिश से आपात स्थिति पैदा हो गई है। प्रांत में अब तक 210,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। ऊंचे स्थानों पर प्रभावित लोगों के रहने के लिए हजारों

तंबू लगाए गए हैं। मस्जिदों से लगातार मदद की घोषणा की जा रही है।

हेड कादिराबाद को बचाने के लिए चिनाब नदी पर बने दो बांध तोड़ दिए गए हैं। इनमें एक मंडी बहाउद्दीन और दूसरा गुजरांवाला जिले के अलीपुर चट्ठा का बांध है। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित आठ जिलों में सेना ने जिला प्रशासन के साथ राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। बुजुर्ग कहते हैं कि 38 साल बाद रावी नदी का ऐसा रौद्र रूप दिखा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के डीजी इरफान अली काठिया के मुताबिक, अगले 48 घंटे रावी और चिनाब के लिए बेहद नाजुक हैं। कादिराबाद से पिंडी भट्टियां तक चिनाब नदी के किनारे रहने वाले निवासियों से यथाशीघ्र स्थान खाली करने का आग्रह किया गया है।

नारोवाल में रावी नदी का पानी करतारपुर कॉरिडोर में घुस गया है। इससे सिखों के धार्मिक स्थल को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। गुरुद्वारा साहिब जलमग्न नजर आ रहा है। नारोवाल रोड पर भी पानी भर गया है और शकरगढ़ हाइवे भी यातायात के लिए बंद है। रावी नदी के शकरगढ़ भेको चक में बांध में दरार आ गई है। शकरगढ़ गांव के जरमियां झंडा क्षेत्र में पानी में फंसे 21 लोगों को बचाया गया है। रावी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। हालात को देखते हुए सिविल डिफेंस ने अलर्ट जारी कर सायरन बजाया है। दूसरी ओर, सतलुज नदी भी उफान पर है और गंडा सिंह हेड पर पानी का बहाव 245,000 क्यूसेक दर्ज किया गया है।

करतारपुर कॉरिडोर पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब तक भारतीय सिखों को पहुंचने की सुविधा प्रदान करता है। इसे गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व से पहले नवंबर 2019 में खोला गया था। गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर सिख समुदाय के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। करतारपुर की स्थापना 1504 में गुरुनानक देव ने की थी। उन्होंने रावी नदी के किनारे अपना ठिकाना बनाया था।

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2025 दूसरे दौर में हारकर बाहर हुए एचएस प्रणय

पेरिस, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय शटलर एचएस प्रणय बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। प्रणय ने विश्व नंबर-2 एंडर्स एंटोनसेन (डेनमार्क) के खिलाफ बड़ा उलटफेर करने की कोशिश की, लेकिन रोमांचक संघर्ष के बाद दूसरे दौर में 8-21, 21-17, 21-23 से हारकर बाहर हो गए।

प्रणय के पास निर्णायक गेम में दो मैच प्वॉइंट थे, लेकिन वह मौके को भुना नहीं सके। मैच के बाद उन्होंने निराशा जताई और कहा, आखिरी कुछ अंकों में मैंने खराब शॉट खेले। मुझे ज्यादा ऊर्जा बचाकर आक्रामक खेलना चाहिए था। एंटोनसेन ने आखिरी 3-4 प्वॉइंट में आक्रमण किया और मैंने उन्हें आसान स्मैश दिए, जिससे खेल पलट गया। मुझे नेट पर और मौके लेने चाहिए थे।

पहले गेम में कमजोर शुरुआत के बावजूद प्रणय ने दूसरा गेम जीतकर मैच को निर्णायक तक खींचा, लेकिन अंत में गलतियां उन्हें महंगी पड़ी।

उन्होंने कहा, बड़े टूर्नामेंट में मैच प्वॉइंट गंवाना हमेशा दर्द देता है। एक मैच पूरी प्रतियोगिता की दिशा बदल सकता है। अगर आप किसी फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को हराते हैं तो आत्मविश्वास मिलता है, लेकिन हारने पर सारी मेहनत व्यर्थ लगती है और खुद पर शक होने लगता है।

विश्व और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय पिछले कुछ वर्षों से कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते रहे हैं। उन्हें पुरानी पेट की समस्या, कमर की चोट और पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले चिकनगुनिया जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने आगे कहा, मैं लगातार सुधार की कोशिश कर रहा हूं। खेल के लिहाज से मैं अब भी कुछ साल खेल सकता हूं, लेकिन फिटनेस के मामले में युवा खिलाड़ियों के साथ तालमेल बिठा पाना मुश्किल हो रहा है। खेल की गति बहुत तेज है और शरीर वैसा रिस्पॉन्ड नहीं करता। यह खेल की वास्तविकता है।

प्रणय ने संकेत दिया कि उनका अगला विश्व चैंपियनशिप शायद आखिरी हो सकता है। उन्होंने कहा, शायद एक और। आप चाहते हैं कि दो-तीन साल और खेलें, लेकिन अधिकतम एक और चैंपियनशिप ही खेल पाऊंगा, वो भी अगर खुद को काफी खींच पाया तो।

न्यूज़ ब्रीफ

लियोनेल मेसी के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंटर मियामी लीग्स कप 2025 के फाइनल में

नई दिल्ली। इंटर मियामी ने लीग्स कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। चेस स्टेडियम में खेले गए

सेमीफाइनल में टीम ने फ्लोरिडा डर्बी प्रतिद्वंद्वी ऑरलैंडो सिटी को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की दमदार वापसी और दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों ने मियामी की जीत सुनिश्चित की। वहीं, टेलास्को सेगोविया ने इंजरी टाइम में गोल कर मुकाबले पर पूरी तरह से मुहर लगा दी। इस जीत के साथ मियामी ने 31 अगस्त को होने वाले फाइनल में एलए गैलेक्सी या सिएटल साउंडर्स का सामना करने का अधिकार हासिल कर लिया है। साथ ही टीम ने 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। ऑरलैंडो सिटी ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में मार्को पासालिच के गोल से बढ़त बनाई थी। लेकिन दूसरे हाफ में खेल पूरी तरह पलट गया। 77वें मिनट में डेविड ब्रेकालो के रेड कार्ड के बाद मिले पेनल्टी को मेसी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 88वें मिनट में मेसी ने अपने पुराने साथी जोर्डी आल्बा के साथ शानदार तालमेल से दूसरा गोल दागा। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की खुशी चरम पर पहुंच गई। वहीं, 91वें मिनट में सेगोविया ने लुईस सुवारेज़ के साथ वन-टू खेलते हुए तीसरा गोल दागा और मियामी की जीत तय कर दी। अब ऑरलैंडो सिटी को 31 अगस्त को थर्ड-प्लेस मैच में एलए गैलेक्सी या सिएटल साउंडर्स का सामना करना होगा, जहां जीतकर वे 2026 कॉनकाकाफ चैंपियंस कप का टिकट हासिल करने की कोशिश करेंगे।

जर्मन कप : केन के आखिरी मिनट के गोल से बायर्न म्यूनिख की जीत

म्यूनिख। हैरी केन ने इंजरी टाइम में निर्णायक गोल कर बायर्न म्यूनिख को जर्मन कप के पहले

दौर में तीसरे डिवीजन की टीम वीहेन वीसबाडेन पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई। बायर्न ने मैच की शुरुआत शानदार की और 16वें मिनट में साचा बोए पर फाउल होने के बाद केन ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए बढ़त दिलाई। यह केन का क्लब और देश के लिए लगातार 31वां सफल पेनल्टी था। दूसरे हाफ की शुरुआत में 51वें मिनट में माइकल ओलिसे ने डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए दूसरा गोल दागा और टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। हालांकि, इसके बाद वीसबाडेन ने शानदार वापसी की। कप्तान फातिह काया ने 64वें मिनट में निक्लास मे के बेहतरीन क्रॉस पर स्लाइडिंग वॉली से गोल किया। महज पांच मिनट बाद मोरिट्ज फ्लोथो के हेड फ्लिक पर काया ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-2 कर दिया। 76वें मिनट में बायर्न को एक और पेनल्टी मिली, लेकिन इस बार केन का शॉट गोलकीपर फ्लोरियन स्ट्रिटज़ेल ने रोक दिया। यह केन की 2022 विश्व कप क्वार्टर फाइनल के बाद पहली पेनल्टी मिस थी। आखिरी क्षणों में जब मैच अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, तभी चौथे मिनट के इंजरी टाइम में जोसिप स्टैनिसिच के क्रॉस पर केन ने हेडर लगाकर गोल दागा और टीम को हार से बचा लिया। बायर्न म्यूनिख ने 2019-20 सीजन में 20वीं बार खिताब जीतने के बाद से अब तक जर्मन कप के क्वार्टर फाइनल से आगे जगह नहीं बनाई है। टूर्नामेंट के दूसरे दौर का ड्रा रविवार को होगा।

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली ने जीता सिंकफील्ड कप 2025 का खिताब प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर

सेंट लुईस। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने रोमांचक फाइनल राउंड और तीन खिलाड़ी वाले प्लेऑफ में बाज़ी

मारते हुए सिंकफील्ड कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। भारत के आर. प्रज्ञानानंद शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब से चूककर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिका के फबियानो करूआना तीसरे स्थान पर रहे। टूर्नामेंट के नौवें और अंतिम राउंड में रात के ओवरनाइट लीडर प्रज्ञानानंद और करूआना ने क्रमश: लेवोन अरोनियन और डी. गुकेश से ड्रॉ खेला। इसी बीच वेस्ली सो ने उज़बेक जीएम नोदिर्बेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर खिताबी दौड़ में प्रवेश किया। प्लेऑफ की शुरुआत में प्रज्ञानानंद ने सफेद मोहरों से बेहतरीन खेल दिखाते हुए करूआना को मात दी। हालांकि, खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंचकर भारतीय ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के खिलाफ दूसरी बाज़ी हार गए। इसके बाद वेस्ली ने करूआना को ड्रॉ पर रोकते हुए अपना दूसरा सिंकफील्ड कप खिताब पक्का किया।

एशियाकप के प्रोमो और उसमें शामिल सहवाग पर भड़के लोग

मुम्बई, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

अगले माह शुरु हो रहे एशिया कप प्रोमो के आने के बाद से ही इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर विरोध तेज हो गया है। भारतीय प्रशंसकों का मानना है कि आतंकवादी घटनाओं में पाकिस्तान के लिप्त होने को देखते हुए ये मैच नहीं खेला जाना चाहिये। इस प्रोमो को पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग भी प्रमोट करते दिखे हैं। ऐसे में वह भी लोगों के निशाने पर आ गये हैं। लोगों ने सहवाग को उनके पहलगाम आतंकी हमले के बाद दिये बयान की भी याद दिलायी है। जिसमें उन्होंने पाक के बहिष्कार की बात कही है।

एशिया कप का जो प्रोमो प्रसारक ने जारी किया है, उसमें भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग और पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी दिख रहे हैं। प्रोमो में भारत और पाक मैच को लेकर जारी रोमांच का लाभ उठाने की है। इसे दिखाने के लिए एक भारतीय परिवार को दिखाया गया है जो भारत बनाम पाकिस्तान मैच को टीवी पर देख रहे हैं। रोमांच चरम पर है। धड़कनें तेज हैं। सूर्यकुमार बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंद अफरीदी के हाथ में है। रोमांचक क्षण में परिवार के मुखिया को भारत की जीत की दुआ मांगते दिखाया गया है। दुआ कबूल हो जाती है तो परिवार जश्न में डूब जाता है। उसके बाद वीरेंदर सहवाग रग-रग में भारत के संदेश के साथ एशिया कप को प्रमोट करते दिखते हैं।

इस मैच को लेकर दोनों ही देशों के खेलप्रेमियों में एक अलग ही तरह की अनुभूति होती है। आम तौर पर इस मैच को लेकर जबरदस्त रोमांच रहता है। इसी का लाभ टूर्नामेंट के आयोजक और प्रायोजक भी उठाते हैं। स्टेडियम पूरी तरह से भरे होते हैं। करोड़ों लोग प्रसारक और स्ट्रीमिंग के जरिए मैच को देखते-सुनते हैं। विज्ञापनों की कीमत चढ़ जाती है। टूर्नामेंट कोई भी हो, अगर भारत-पाक की टक्कर है तो सबसे अधिक कमाई होती है। यहां तक कि अन्य टीम के नॉकआउट दौर और फाइनल का रोमांच भी कम पड़ जाता है। वहीं इस बार विज्ञापन पर बवाल इसलिए मच गया है कि भारत-पाक के बीच तनाव शीर्ष पर है। दोनों देशों के बीच इसी तनाव के मद्देनजर मैच को लेकर सोशल मीडिया पर भी उबाल आया है। लोगों का मानना है कि ये प्रोमो पहलगाम के पीड़ितों और देश का अपमान है। बीसीसीआई, ब्रॉडकास्टर और एशिया कप को प्रमोट करने वालों की लोगों ने जमकर आलोचना की है और उन्हें लालची करार दिया है प्रशंसकों का मानना है कि इस मैच का बहिष्कार कोनो चाहिये। कई पूर्व क्रिकेटरों का भी कहना है कि ये मैच नहीं होना चाहिये।

पृथ्वी की फिटनेस और प्रदर्शन में सुधार आया : दारेकर

मुम्बई। हाल ही में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का साथ छोड़ महाराष्ट्र की टीम में शामिल होने वाले बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के प्रदर्शन में कुछ सुधार आया है। चेन्नई में खेले जा रहे बुच बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट की तीन पारियों में उन्होंनें एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। वहीं इससे पहले खराब फिटनेस के कारण मुम्बई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी की टीम में भी जगह नहीं दी थी। आईपीएल 2025 में भी उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा था। महाराष्ट्र के मुख्य चयनर्ता का कहना है कि उन्हें कभी भी इस क्रिकेटर की बल्लेबाजी तकनीक पर संदेश नहीं था। वह इस समय अपनी फिटनेस पर पूरी तरह से ध्यान दे रहा है और लगाता है कि अब वह सही राह पर आ गया है। दारेकर ने कहा, पृथ्वी सही रास्ते पर हैं। उनकी बल्लेबाजी में कभी कोई समस्या नहीं रही। वह एकाग्र हैं और अपनी बल्लेबाजी से एक बार फिर अपने को साबित करना चाहता है। वह अब अपनी फिटनेस को लेकर भी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और नियमित रूप से अभ्यास कर रहा है। पृथ्वी विश्व की सबसे बेहतर प्रतिभाओं में शामिल रहे हैं। उनके करियर की शुरुआत काफी रही। मगर अपनी आदतों से वह उसे सफलता में बदल नहीं पाये। उन्होंने भारत के लिए 5 टेस्ट, 6 वनडे और 1 टी20 मैच खेला पर खराब फिटने और निरंतरता की कमी के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया। उन्होंने अंतिम बार साल 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि उन्हें हमेशा आक्रामक खेलना और विरोधी टीम पर हावी होना पसंद है। इस बल्लेबाज ने बुची बाबू टूर्नामेंट में महाराष्ट्र के लिए अपने पहले दो मैचों में भी इसी तरह की बल्लेबाजी की। उन दोनों पारियों में उनकी क्षमता दिखी है। उनमें बड़ी पारी की भूख है। उनका लक्ष्य अपने प्रदर्शन से महाराष्ट्र को रणजी नॉकआउट में पहुंचाना है। वह जितना बेहतर प्रदर्शन करेगा, उतना ही बेहतर होगा, न सिर्फ हमारी टीम के लिए, बल्कि उसके लिए भी, क्योंकि इससे उसे बड़े टूर्नामेंटों के लिए वापसी का अवसर मिलेगा।

शमी ने संन्यास की बात पूछने वालों को करारा जवाब दिया

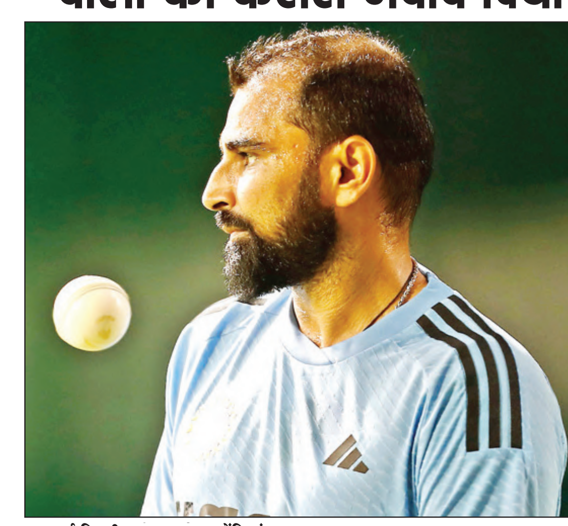

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इंग्लैंड दौरे के बाद एशिया कप के लिए भी नहीं चुना गया जिससे बाद से ही कुछ लोगों ने उनके संन्यास की अटकलें लगानी शुरु कर दीं। इन लोगों का कहना था कि अब शमी को संन्यास ले लेना चाहिये क्योंकि उनकी उम्र भी बढ़ती जा रही है। इन्हीं लोगों पर शमी भड़के हुए हैं। उन्होंने अपने आलोचकों को करार जवाब दिया और कहा कि मैं किसे रास्ते की बाधा बना हूं जो मुझे हटाना चाहता है।

शमी ने पिछले एक साल में केवल चैंपियंस ट्रॉफी में ही खेला था जिसमें उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। शमी ने कहा, अगर किसी को मेरे से परेशान हो और मेरे संन्यास से उसका जीवन बेहतर होता है तो वह मुझे बताये जहां तक मेरी बात है जिस दिन मैं बोर हो जाऊंगा, मैं खेल छोड़ दूंगा। आप मुझे नहीं शामिल करते पर में कड़ी मेहनत करता रहूंगा। आप मुझे अंतरराष्ट्रीय में नहीं रखते तो में घरेलू क्रिकेट में खेलूंगा। मैं कहीं न कहीं खेलता रहूंगा। वहीं जब आप बोर होने लगते हैं तो आपको संन्यास जैसे फैसले लेने पड़ते हैं। अभी मेरे लिए वह समय नहीं आया है। शमी ने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलकर कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं और उनका ध्यान भारतीय टीम में वापसी करने और 2027 एकदिवसीय विश्व कप जीतने पर है। उन्होंने आगे कहा, अब मेरा बस एकदिवसीय विश्वकप जीतने का ही सपना बचा है। वर्ल्ड कप जीतना। मैं उस टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं और ऐसा प्रदर्शन करना चाहता हूं जिससे कि एकदिवसीय वर्ल्ड कप घर लाया जा सके। 2023 में हम बहुत करीब थे पर उसे हासिल नहीं कर पाये थे, शायद तब वह हमारी किस्मत में नहीं था।

थाईलैंड में महिला वॉलीबाल

थाईलैंड में महिला वॉलीबाल मुकाबले में खेलती हुई कोलंबिया की डयाना सगोवा।

राज्य लीगें प्रतियोगी नहीं, प्रतिभा की नर्सरी हैं : डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने देशभर में बढ़ रही टी20 लीगों की सराहना करते हुए कहा है कि ये टूर्नामेंट एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी नहीं, बल्कि नई प्रतिभाओं को सामने लाने और निखारने का बेहतरीन मंच हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें भारतीय क्रिकेट के ढांचे को और मजबूत करती हैं तथा खेल के समग्र विकास में योगदान देती हैं।

जेटली ने कहा, राज्य लीगें एक-दूसरे की प्रतियोगी नहीं बल्कि अपने-अपने इकोसिस्टम की फीडर हैं। हर राज्य की अपनी प्रतिभा और संरचना है। अधिक लीगों का मतलब है खिलाड़ियों के लिए अधिक मौके और यह भारतीय क्रिकेट के लिए शुभ संकेत है।

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे संस्करण पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि पहली सीजन की तुलना में प्रतियोगिता का पैमाना, संगठन और गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि लीग ने न केवल खेल के स्तर को ऊंचा किया है बल्कि पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों के लिए राजधानी में एक मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशासक के तौर पर हमेशा कोशिश रहती है कि पिछले सीजन से बेहतर आयोजन हो—बेहतर तैयारी, बेहतर क्रियान्वयन। इस बार की लीग अधिक पेशेवर और संरचित है। टीमें ज्यादा संगठित हैं, प्रबंधन और मजबूत है और संपूर्ण इकोसिस्टम भी विकसित हुआ है। हर साल रिकॉर्ड टूटे यह ज़रूरी नहीं, लेकिन निरंतरता और प्रतियोगिता का पैमाना अहम है। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर बढ़ा है और वे घरेलू सीजन से पहले बेहतर तैयारी के साथ मैदान में उतर रहे हैं। सीजन डीपीएल में दो नई टीमों को शामिल किया गया। डीडीसीए अध्यक्ष ने नए टीम मालिकों के पेशेवर दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि उनके आने से टूर्नामेंट में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

उन्होंने कहा कि नए टीम मालिकों ने खुद को इकोसिस्टम में बहुत अच्छे से ढाल लिया है। उनका दृष्टिकोण पेशेवर है और पुरानी टीमों ने भी सहयोग दिया है। इससे अधिक खिलाड़ियों को अवसर मिल रहे हैं, जो लीग को और मजबूत बनाता है।

डीपीएल के लाइव प्रसारण पर बोलते हुए उन्होंने कहा, स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारण हमारे लिए बड़ा बदलाव है। जहां कई टूर्नामेंट सिर्फ डिजिटल तक सीमित रहते हैं, वहीं टीवी पर प्रसारण हमें बेजोड़ पहुंच और दृश्यता देता है। इससे खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को बड़ा लाभ होता है।

शुभमन के एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने की उम्मीदें, कुछ ही दिनों में अभ्यास के लिए मैदान में लौटेंगे

मुम्बई, 28 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये उपकप्तान बने शुभमन गिल के एशिया कप से पहले फिट होने ही पूरी उम्मीद है। शुभमन बुखार होने के कारण दिलीप ट्रॉफी से बाहर हो गये हैं पर उनके कुछ ही दिन में फिर से अभ्यास के लिए मैदान में उतरने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार शुभमन की सेहत में सुधार आया है। वह इस सप्ताह के अंत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में जांच कराएंगे उसके बाद उनके खेलने पर फैसला होगा। उनकी रक्त की जांच में सब ठीक पाया गया हैऔर उनके कुछ ही दिनों में ठीक होने की संभावना है। दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर होने के कारण शुभमन की जगह नोर्थ जोन की कप्तानी अब अंकित कुमार कर रहे हैं। अंकित हरियाणा से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। शुभमन इस समय मोहाली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हैं। पिछले कुछ समय में यहां कई अनुबंधित क्रिकेटर अपनी फिटनेस जांच के लिए पहुंचे हैं। इसमें कुछ ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जो विभिन्न दलीप ट्रॉफी टीमों का हिस्सा हैं और हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भी शामिल हुए थे। नीतीश कुमार रेड्डी भी इंग्लैंड सीरीज के दौरान लगी चोट से उबरने के लिए सीओई में ही रह रहे हैं। उन्हें अभी पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने में अभी कुछ समय लगेगा। इस महीने की शुरुआत में ही ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की भी सीओई में समीक्षा हुई थी और वह भी अगले महीने यूएई में होने वाले एशिया कप से पहले पिछले कुछ दिनों से बड़ौदा में ट्रेनिंट ले रहे हैं।

एशिया कप में पांचवे या छठे नंबर पर ही मिलेगा सैमसन को अवसर : गोमेज

मुम्बई। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के कोच रहे राइफी गोमेज ने कहा है कि उन्हें अगले माह शुरु हो रहे एशिया कप में सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह नहीं मिलेगी। कोच के अनुसार सैमसन को पांचवें या छठे नंबर पर उतारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्य चयनकर्ता ने भी कहा है कि पारी की शुरुआत का अवसर शुभमन गिल को मिलेगा। वहीं एशिया कप से पहले गोमेज ने कहा था कि सैमसन को टीम की योजना के अनुसार किसी भी क्रम पर उतरने में कोई परेशानी नहीं है। गोमेज ने कहा कि सैमसन पेशेवर और अनुभवी खिलाड़ी होने के कारण निचले क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए अपने को तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज होने से उनमें अलग-अलग भूमिकाओं में ढ़लने की क्षमता और आत्मविश्वास है। सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग में सलामी बल्लेबाज के तौर पर जबरदस्त बल्लेबाजी कर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी दावेदारी जताने का प्रयास किया है। कोच्चि ब्ल्यू टाइगर्स के शुरुआती मैच में आक्रमक पारी। अगले मैच में उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करते हुए 42 गेंदों में ही तेजी से शतक जड़ दिया। तीसरे मैच में वह छठे नंबर पर उतरे पर 22 गेंदों पर सिर्फ 13 रन ही बना सके।

सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट की अवधि 3 महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की

नई दिल्ली,28 अगस्त (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच केंद्र सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार के इस कदम का मकसद अमेरिका के कुल 50 फीसदी उच्च शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को समर्थन प्रदान करना है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से छूट के साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार छूट शामिल है, जिससे कपास पर कुल आयात शुल्क 11 फीसदी बैठता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस कदम से उत्पादन लागत कम करके तथा कपड़ा क्षेत्र में लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण देकर भारतीय कपड़ा उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही कपड़ा मूल्य श्रृंखला की कच्चे माल की लागत कम होने और विनिर्माताओं एवं उपभोक्ताओं दोनों को आवश्यक राहत मिलने की उम्मीद है। कपड़ा मूल्य श्रृंखला में धागा, कपड़ा, परिधान एवं सिले हुए उत्पाद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि कपड़ा, रत्न एवं आभूषण और चमड़ा सहित भारतीय वस्तुओं पर 27 अगस्त से अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। सरकार के कपास पर शुल्क छूट से घरेलू बाजार में कच्चे कपास की उपलब्धता बढ़ेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खुद को भगवान...

बेंच ने छत्तीसगढ़ सरकार की उस नीति को रद्द कर दिया था, जिसमें आदिवासी युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बनाकर माओवादियों से लड़ने के लिए हथियार दिए गए थे। नंदिनी सुंदर और अन्य वामपंथियों ने राज्य सरकार के इस फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर कार्रवाई की और सरकार को आदेश दिया कि वह इस बल को भंग करे, सभी हथियार वापस ले और युवाओं को माओवादी जवाबी हमलों से बचाए। फैसले में यह भी कहा गया था कि सलवा जुडूम या कोया कमांडो कहलाने वालों द्वारा किए गए मानवाधिकार उल्लंघन और अपराधों की जांच हो। बेंच ने साफ किया कि कोई भी समूह कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता या संविधान से बाहर काम नहीं कर सकता। बेंच ने कहा था, किसी बल की प्रभावशीलता यह तय करने का एकमात्र आधार नहीं हो सकती कि वह संवैधानिक रूप से जायज है।यह फैसला राज्य सरकार और केंद्र सरकार के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि तमाम खामियों के बावजूद सलवा जुडूम माओवादियों के गढ़ में उनका मुकाबला करने का एकमात्र तरीका था। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप ने सुरक्षाबलों को कमजोर कर दिया। शाह का तर्क सीधा है, अगर न्यायपालिका ने दखलंदाजी नहीं की होती तो नक्सलवाद के खिलाफ जंग 2020 तक खत्म हो सकती थी।

अमित शाह के बयान के दो दिन बाद 24 अगस्त को कुछ रिटायर्ड जजों और कार्यकर्ताओं ने एक पत्र जारी कर शाह पर हमला बोला। उन्होंने शाह पर फैसले को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि उस फैसले ने कभी नक्सलवाद का समर्थन नहीं किया। उन्होंने नसीहत दी कि ऊंचे पदों के लिए प्रचार गरिमा के साथ और विचारधारा पर सवाल उठाए बिना करना चाहिए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन लोकुर, जे. चेलमेश्वर, कुरियन जोसेफ, अभय ओका, एके पटनायक, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन, हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर, एस मुरलीधर, संजीव बनर्जी, हाईकोर्ट के पूर्व जज सी प्रवीण कुमार, ए गोपाला रेड्डी, जी रघुराम, के कन्नन, के चंद्रू, बी चंद्रकुमार, कैलाश गंभीर के साथ-साथ वकील संजय हेगड़े और प्रोफेसर मोहन गोपाल शामिल हैं। पत्र का लहजा इतना फूहड़ था कि उसमें पूर्व न्यायाधीशों की शाब्दिक-मर्यादा कहीं नहीं दिखाई पड़ती, जबकि वे दूसरों से पूरी मर्यादा की अपेक्षा रखते हैं। पत्र में लिखा गया कि एक नेता की हिम्मत कैसे हुई कि वो न्यायाधीश के फैसले पर बयान दे दे। पत्र लिखने वाले पूर्व जजों ने चेतावनी दी कि अमित शाह के शब्दों से न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर असर पड़ सकता है। यानि, मि-लॉर्ड्स की कोई आलोचना न करे, भले ही कोई पूर्व जज राजनीति के गंदे खेल में उतर चुका हो।

इन पूर्वाग्रही जजों के जवाब में भी कुछ जज सामने आओ और पूर्व जजों को मर्यादा में रहने की सीख दी। उन्होंने कुछ रिटायर्ड जजों की उस आदत को भी उजागर किया, जिसमें वे न्यायपालिका की स्वतंत्रता की आड़ में पक्षपात छिपाते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जैसे ही जस्टिस रेड्डी ने उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ने का फैसला किया, वे राजनीति में उतर गए और उन्हें अपने रिकॉर्ड का बचाव करना होगा, जैसे बाकी उम्मीदवार करते हैं। यह जवाबी बयान इसलिए अहम है, क्योंकि इसने यह धारणा तोड़ दी कि अमित शाह की आलोचना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने तर्क दिया कि आलोचना से न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खतरा नहीं होता। असल नुकसान तब होता है, जब रिटायर्ड जज बार-बार पक्षपातपूर्ण राजनीतिक बयान देते हैं, जिससे लगता है कि पूरी संस्था ही किसी एक राजनीतिक पक्ष के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि कुछ जजों की गलती की वजह से पूरी जजों की बिरादरी को पक्षपातपूर्ण गिरोह के रूप में देखा जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह न तो न्यायपालिका के लिए अच्छा है और न ही लोकतंत्र के लिए।

यही असली मुद्दा है। रिटायर्ड या मौजूदा जज भगवान नहीं हैं। वे पैगंबर नहीं हैं। वे इंसान हैं, जिनके फैसलों ने लाखों लोगों की जिंदगी पर असर डाला है। ऐसे फैसले खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को बदल दें, जरूर उनकी आलोचना होगी। यही लोकतंत्र का सार है। लेकिन भारत में मि-लॉर्ड्स को लगता है कि वे ऐसी किसी भी आलोचना से परे हैं। उन्हें लगता है कि उनके फैसलों की आलोचना संविधान पर हमला है। इससे ज्यादा अलोकतांत्रिक कुछ हो ही नहीं सकता। अगर राजनेता, नौकरशाह और मीडिया की सार्वजनिक आलोचना होती है, तो राजनीति में उतर चुके जज को आलोचना से छूट क्यों मिलनी चाहिए?

अभिव्यक्ति की आजादी कोर्ट रूम के दरवाजे पर खत्म नहीं होती। लोकतंत्र की मांग है कि नागरिकों की सुरक्षा पर असर डालने वाले फैसलों की खुलकर आलोचना हो। अमित शाह का बयान भले ही राजनीतिक रूप से तीखा था, लेकिन यह माओवादी उग्रवाद के रास्ते पर एक पुराने फैसले के प्रभाव पर जायज टिप्पणी थी। इसे गलत व्याख्या या गलत प्रभाव देने वाला कहना, व्याख्या पर एकाधिकार की मांग है, जैसे कि केवल न्यायपालिका को ही अपने शब्दों को समझाने का हक है। यह पाखंड तब और साफ हो जाता है, जब रिटायर्ड जज खुद न्यायपालिका की स्वतंत्रता की आड़ में राजनीतिक घोषणापत्र जारी करते हैं। एक तरफ किसी एक राजनीतिक खेमे के साथ पूरी तरह जुड़े पत्रों पर हस्ताक्षर करना और दूसरी तरफ यह शिकायत करना कि किसी राजनेता की आलोचना पक्षपातपूर्ण है यह दोगलापन है और जनता इसे समझती है।यह विवाद सिर्फ अमित शाह बनाम जस्टिस रेड्डी का नहीं है। यह लोकतंत्र में न्यायपालिका की भूमिका के बारे में है। जैसे ही जज राजनीति में कदम रखते हैं, उन्हें स्वीकार करना होगा कि उनके रिकॉर्ड की जांच होगी। उनके फैसलों, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों को बदलते हैं, की पड़ताल होगी और उनके वैचारिक झुकाव को जनता के सामने उजागर किया जाएगा। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर हमला नहीं, बल्कि जवाबदेही की कीमत है। न्यायपालिका सम्मान की हकदार है, लेकिन तभी जब वह राजनीति से ऊपर रहे। जब इसके रिटायर्ड सदस्य राजनीतिक किरदार की तरह व्यवहार करते हैं, तो वे आलोचना से छूट नहीं मांग सकते। अगर लोकतंत्र का कोई मतलब है, तो वह यह कि कोई भी संस्था या व्यक्ति सवालों से परे नहीं है।तो मि-लॉर्ड्स! जो लोग भी आलोचना होते ही हाय-तौबा मचाने लग जाते हैं, उन्हें यह याद दिला दिया जाए कि आप भगवान नहीं हैं और न ही आप सवालों से परे हैं। लोकतंत्र आपके हिसाब से काम नहीं करता, बल्कि वो जनता के हिसाब से काम करता है

राष्ट्रपति या राज्यपाल...

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 32 का उपयोग तब किया जाता है, जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। लेकिन संवैधानिक ढांचे में राज्य सरकार खुद मौलिक अधिकार नहीं रखती। राज्य सरकार की भूमिका यह है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। सॉलिसिटर जनरल ने आठ अप्रैल के उस फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर राज्यपाल समय सीमा के भीतर विधेयकों पर फैसला नहीं करते तो राज्य सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

इस पर मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह आठ अप्रैल के दो जजों के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन यह भी कहा कि राज्यपाल का किसी विधेयक को छह महीने तक लंबित रखना सही नहीं है। मेहता ने जवाब में कहा कि अगर एक संवैधानिक संस्था अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट दूसरी संवैधानिक संस्था को आदेश दे। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हां, हम समझ रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। लेकिन अगर यह अदालत ही किसी मामले को 10 साल तक नहीं सुलझाए, तो क्या राष्ट्रपति को कोई आदेश देने का हक होगा?

26 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि अगर कोई राज्यपाल किसी विधेयक पर अनिश्चितकाल तक फैसला नहीं लेता तो क्या अदालत के पास कोई उपाय नहीं रहेगा? क्या राज्यपाल की स्वतंत्र शक्ति के चलते बजट जैसे जरूरी विधेयक भी अटक सकते हैं? शीर्ष कोर्ट ने यह सवाल तब उठाया जब कुछ भाजपा शासित राज्यों ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। इन राज्यों ने यह भी कहा कि कोर्ट हर समस्या का हल नहीं हो सकती।

सुप्रीम कोर्ट अभी राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए उस संवैधानिक संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पूछा गया है कि क्या अदालत राज्यपाल और राष्ट्रपति को यह निर्देश दे सकती है कि वे विधानसभा से पारित हुए विधेयकों पर तय समयसीमा में निर्णय लें? मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143 (1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या अदालत राष्ट्रपति को निर्देश दे सकती है कि वह राज्य विधानसभा से आए विधेयकों पर कब और कैसे फैसला लें।

बाहरी हो या...

बुरा असर तो नहीं पड़ रहा या इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा तो नहीं है। उनकी रिपोर्ट डिप्टी कमिश्नर को वापस भेजी जाएगी, जो अंतिम फैसला लेगा कि सौदा मंजूर करना है या नहीं। स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी, जो डिप्टी कमिश्नर को अंतिम फैसला लेने के लिए कहेगी। सीएम सरमा ने कहा कि यह सख्त जांच जरूरी है ताकि धोखाधड़ी या गैरकानूनी काम, पैसे के स्रोत, स्थानीय सामाजिक ढांचे पर प्रभाव और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को ठीक से देखा जा सके। उन्होंने कहा, प्रक्रिया के तहत, असम पुलिस की स्पेशल ब्रांच यह जांचेगी कि क्या भूमि हस्तांतरण में कोई धोखाधड़ी या गैरकानूनी काम है, खरीदार के पैसे का स्रोत क्या है, जमीन के आसपास के सामाजिक ढांचे पर क्या असर होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई मुद्दा तो नहीं है।

सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी बताया कि पिछले छह महीनों से रुके हुए कई भूमि हस्तांतरण के मामलों का अब इस नए ढांचे के तहत जल्दी निपटारा किया जाएगा। यह प्रक्रिया सिर्फ व्यक्तिगत सौदों तक सीमित नहीं है। असम के बाहर से आने वाले एनजीओ जो जमीन खरीदकर स्कूल, कॉलेज या अन्य संस्थान बनाना चाहते हैं, उन्हें भी इस प्रक्रिया के तहत जांच से गुजरना होगा। सीएम सरमा ने हाल के रुझानों पर चिंता जताई, जहां कुछ एनजीओ ने असम में जमीन खरीदी है। उन्होंने कहा, हाल ही में हमने देखा कि केरल से कुछ एनजीओ ने यहां जमीन खरीदी। उन्होंने कुछ आयोजन किए, जो भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। अगर कोई बाहरी एनजीओ शिक्षण संस्थान, मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज के लिए जमीन खरीदना चाहता है, तो उसे भी इस प्रक्रिया की प्रक्रिया से गुजरना होगा।असम के मुख्यमंत्री ने खास तौर पर बराक वैली, श्रीभूमि और बरपेटा जैसे इलाकों का जिक्र किया, जहां बाहरी एनजीओ, जो अक्सर किसी खास धर्म से जुड़े होते हैं, स्कूल या अन्य सुविधाओं के नाम पर बड़ी मात्रा में जमीन खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि वे स्कूल बनाना चाहते हैं, लेकिन उनका असली मकसद कुछ और हो सकता है। पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया असम में रजिस्टर्ड एनजीओ पर लागू नहीं होगी। यह सिर्फ बाहरी एनजीओ पर लागू होगी, ताकि किसी भी अनुचित प्रभाव या छिपे मकसद को रोका जा सके। उन्होंने दोहराया, असम जैसे संवेदनशील राज्य में भूमि हस्तांतरण के मुद्दे को बहुत सावधानी से संभालना जरूरी है। इस नीति का मकसद राज्य के जनसांख्यिकीय संतुलन को बनाए रखना और राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी भी खतरे से बचाना है।सीएम सरमा ने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असम यात्रा पहले 8 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन वह उपराष्ट्रपति चुनाव के कारण टल गई है। इसलिए पीएम मोदी अब 13 सितंबर को असम आएंगे। पीएम मोदी डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।उल्लेखनीय है कि असम में घुसपैठ पर सख्ती बरतने के तहत सरकार ने 18 वर्ष से ऊपर के लोगों का आधार कार्ड बनने पर रोक लगा दी है। राज्य में आधार सैचुरेशन 103 प्रतिशत हो गया है। यानि कोई भी 18 वर्ष से ऊपर का व्यक्ति बिना आधार कार्ड के नहीं बचा है। इसलिए असम सरकार ने फैसला किया है कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का अब आधार कार्ड नहीं बनाया जाएगा। केवल अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय से जुड़े लोग अगले एक वर्ष तक आधार कार्ड बनवा सकेंगे।असम में बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ एक बड़ी समस्या है। घुसपैठिए स्थानीय लोगों की मदद से आधार कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लेते हैं और फिर उनका इस्तेमाल कर अन्य कागजात भी उन्हें मिल जाते हैं। सीएम हिमंत के इस फैसले के बाद अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के लिए असम में आधार कार्ड हासिल करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वैसे ही असम भीषण जनसंख्या असंतुलन की समस्या से गुजर रहा है। सीएम सरमा ने यह आशंका जताई है कि राज्य में 2041 तक मुस्लिम जनसंख्या हिंदुओं के बराबर हो जाएगी। वर्ष 2011 में असम की कुल जनसंख्या 3.12 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम जनसंख्या 1.07 करोड़ (लगभग 34.22 प्रतिशत) और हिंदू जनसंख्या 1.92 करोड़ (लगभग 61.47 प्रतिशत) थी। असम में रहने वाले महज 3 प्रतिशत मुस्लिम ही असमिया मूल के हैं जबकि 31 प्रतिशत मुस्लिम आबादी घुसपैठिए हैं जो मुख्यतः बांग्लादेश से आए हैं। अगर इसी तरह चलता रहा तो 2031 और 2041 तक असम की जनसंख्या में 50 फीसदी तबका मुस्लिम होगा और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक बन जाएगा। 2001 में असम के 23 जिलों में से 6 मुस्लिम बहुल थे। इनमें धुबरी (74.29), गोलपारा (53.71), बारपेटा (59.37), नगांव (51), करीमगंज (52.3) और हैलाकांडी (57.63) थी। 2011 में जिलों की संख्या 27 हुई और इनमें 9 जिले मुस्लिम बहुल हो गए।

सीएम सरमा ने जनसांख्यिकीय बदलाव पर कहा कि यह सिर्फ भूमि जेहाद ही नहीं बल्कि असम को खत्म करने वाला जेहाद है। योजनाबद्ध तरीके से मुस्लिम आबादी सरकारी और जंगलों की जमीन पर भी कब्जा कर रही है। इसके कारण असम की सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहचान खतरे में पड़ गई है। अगर यही प्रवृत्ति जारी रही तो अगले 20 वर्षों में असम के मूल निवासी अल्पसंख्यक बन सकते हैं।

असम में घुसपैठ से निपटने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। जिनमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचानकर वापस उनके देश भेजना और घुसपैठियों द्वारा जबरन कब्जाई गई जमीन को खाली कराना जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। असम में लगभग 29 लाख बीघा जमीन पर बांग्लादेशी घुसपैठिए और संदिग्ध नागरिकों का कब्जा है। 2021 में जमीन खाली कराने की योजना शुरू की गई थी जिसके तहत अब तक 77,420 बीघा जमीन को अतिक्रमण से साफ कर दिया गया है। इसमें अधिकतर बंगाल के मुस्लिमों का कब्जा था। दरंग जिले में अभियान की सफलता के बाद बोरसोल्ला, लुमडिंग, बुरहापहाड़, पाभा, बतद्रा, चापर और पैकन में भी इस अभियान को चलाया गया। पिछले 4 वर्षों में हमने 1.29 लाख बीघा कब्जे वाली जमीन को मुक्त कराया है। अब इस जमीन का एक बड़ा हिस्सा जंगल बनाने के लिए और प्रदेश की जनता के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

नेपाल के रास्ते...

जैश आतंकियों के कई दस्ते बिहार और यूपी में दाखिल होकर देश के अन्य राज्यों में फैलेंगे।

बिहार में घुसे तीन आतंकियों के विवरण भी खुफिया एजेंसी को हासिल हुई हैं। उन तीन आतंकियों के नाम, फोटो और पासपोर्ट से संबंधित जानकारी बिहार और यूपी पुलिस से साझा की गई है। बिहार में घुसे आतंकियों में रावलपिंडी का रहने वाला हसनैन अली अवान, उमरकोट का रहने वाला आदिल हुसैन और बहावलपुर का रहने वाला मोहम्मद उस्मान शामिल है। तीनों आतंकी पाकिस्तान से काठमांडू पहुंचे और काठमांडू से सड़क मार्ग से नेपाल बॉर्डर होते हुए बिहार में घुसे। बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दौरान नेताओं की रैली और जनसभाएं होंगी, जिसमें आतंकी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं।

खुफिया एजेंसियों की इस सूचना से पुलिस ने पुख्ता सुरक्षा इंतजामों की कवायद शुरू कर दी है। आतंकियों की तस्वीरें और उनके विवरण बिहार के सभी थानों के साथ-साथ यूपी के सीमाई जिलों में भी भेज दी गई हैं। दोनों राज्यों की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और स्पेशल टास्क फोर्स साथ में काम कर रही हैं। नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को पुख्ता चौकसी और गश्त करने की हिदायत दी गई है।

पहलगाम के आतंकियों...

हमजा अफगान और जिब्रान (पाकिस्तानी नागरिक) मारे गए। सुलेमान पाकिस्तानी आर्मी का पूर्व कमांडो और हमले का मास्टरमाइंड था। एनआईए की फॉरेंसिक जांच ने पुष्टि की कि हमले में इन्हीं के हथियारों का इस्तेमाल हुआ था। 28 जुलाई को चिनार कोर, राष्ट्रीय राइफल्स, पैरा स्पेशल फोर्स, जेकेएप और सीआरपीएफ ने महादेव चोटी के पास तीन घंटे की मुठभेड़ में आतंकियों को ढेर किया। शाह ने कहा कि यह ऑपरेशन भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है और यह संदेश देता है कि निर्दोषों के खून से खेलने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हुई, जिसमें जवानों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा संभावित घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिलने के बाद भारतीय सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, जिस पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। सेना ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। इससे पहले 2 अगस्त को कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे। सेना ने 1 अगस्त को आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन अखल शुरू किया था, जो 12 दिनों तक चला, जिसमें 9 अगस्त को दो जवान शहीद हुए थे।

भयानक बारिश के बीच भी पाक सेना अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है। बारिश के कारण सीमा के आरपार दोनों ओर की जनता जहां बाढ़ से जूझ रही थी वहीं पाक सेना मौके का फायदा उठाते हुए आतंकियों को इस ओर धकेलने के नापाक इरादों को पूरा करने में जुटी है। पाक सेना बर्फबारी से दर्रों के बंद हो जाने से पहले बड़ी संख्या में आतंकियों को इस ओर धकेलना चाहती है।

अवैध घुसपैठ...

बीएसएफ डीजी बीजीबी प्रमुख को आधिकारिक तौर पर जानकारी दे दी है अवैध रूप से भारत में घुस बांग्लादेशियों को वापस भेजा जाएगा। दोनों पक्ष इस बात पर राजी हुए हैं कि वे मिलकर जागरूकता अभियान चलाएंगे। वे पिछड़े क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास की योजनाएं भी लागू करेंगे और सीमा की पवित्रता का सम्मान करेंगे। उद्देश्य है कि अपराध करने वाले लोग सीमा पार न कर पाएं। इसके अलावा चर्चा के दौरान बीएसएफ डीजी ने स्पष्ट कर दिया कि जो बांग्लादेशी नागरिक भारत में अवैध तरीके से रह रहे हैं, उन्हें आपसी सहमति और तय प्रक्रिया के तहत वापस भेजा जाएगा। इसके अलावा भारत और बांग्लादेश सीमा पर कुछ और बातों पर सहमत हुए हैं। मसलन, दोनों देश अंतरराष्ट्रीय सीमा के 150 यार्ड के भीतर कोई भी नया काम शुरू करने से पहले एक दूसरे से बात कर लेंगे। इसके अलावा दोनों मिलकर नदियों का कटाव रोकने के लिए काम करेंगे। दोनों देश सीमा के पास होने वाली अवैध गतिविधियों जैसे, तस्करी, मानव तस्करी, पिलर से छेड़छाड़ पर सख्ती से लगाम लगाएंगे। इसके अलावा आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए रियल-टाइम सूचना साझा करेंगे। कोई देश हवाई क्षेत्र का उल्लंघन न करें, इसपर भी सहमति बनी है और किसी भी तरह की गलतफहमी न हो इसके लिए, इस तरह की तय गतिविधियों की सूचनाओं का पहले ही आदान-प्रदान करेंगे।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीच 56वां महानिदेशक स्तरीय सीमा सम्मेलन 25 अगस्त को ढाका के पिलखाना स्थित बीजीबी मुख्यालय में शुरू हुआ था। यह चार दिवसीय सम्मेलन 25 अगस्त से 28 अगस्त, 2025 तक चला। शेख हसीना सरकार के 2024 में गिरने के बाद भारतीय प्रतिनिधिमंडल का ढाका में यह पहला दौरा था। बांग्लादेश से लगी सीमा पर अपराध और घुसपैठ एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने किया, जिसमें 11 सदस्य शामिल थे। 21 सदस्यीय बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीजीबी के महानिदेशक मेजर जनरल मोहम्मद अशरफज्जमां सिद्दीकी ने किया। बीजीबी के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा, प्रतिनिधिमंडल में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, जहाजरानी मंत्रालय, सड़क प्रभाग, भूमि सर्वेक्षण विभाग, संयुक्त नदी आयोग और मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग के सलाहकार और प्रतिनिधि शामिल थे।

सम्मेलन में सीमा पर हत्याओं, घुसपैठ और अवैध घुसपैठ को रोकने सहित कई मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने सीमा पार से होने वाले अपराधों जैसे मादक पदार्थों की तस्करी, हथियारों की तस्करी और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की आवाजाही पर अंकुश लगाने के उपायों पर चर्चा की। अन्य प्रमुख विषयों में सीमा पर विकासात्मक गतिविधियों को लागू करना, अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 150 गज के भीतर अनधिकृत बुनियादी ढांचे के निर्माण को रोकना, और समान जल बंटवारा सुनिश्चित करते हुए सीमावर्ती नदियों के तटों का संरक्षण शामिल रहा। एकीकृत सीमा प्रबंधन योजना के लिए संयुक्त पहलों पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन में दोनों देशों के द्विपक्षीय और सीमा-संबंधी हितों की और समीक्षा की गई।

सम्मेलन में सीमा पार अपराधों, नदी प्रबंधन और द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। भारत की ओर से बीएसएफ कर्मियों और भारतीय नागरिकों पर बांग्लादेश स्थित असामाजिक तत्वों के हमलों को रोकने, सीमा पार अपराधों पर नियंत्रण, एकल पंक्ति की बाड़बंदी निर्माण, बांग्लादेश में भारतीय उग्रवादी समूहों (आईआईजी) के खिलाफ कार्रवाई, सीमा बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दे, समन्वित सीमा प्रबंधन योजना (सीबीएमपी) के प्रभावी कार्यान्वयन पर संयुक्त प्रयास और अन्य मुद्दे उठाए गए। बीएसएफ के अनुसार इस साल 31 जुलाई तक 35 बीएसएफ कर्मी सीमा पर हमलों में घायल हो चुके हैं, जो 2023 और 2024 में क्रमशः 74 और 72 की तुलना में कम है, लेकिन समस्या अभी भी बरकरार है।

बांग्लादेश की ओर से सीमा के पास हत्याओं को रोकना, घुसपैठियों को भेजे जाने (पुश-इन), अवैध घुसपैठ, भारत से नशीले पदार्थों, हथियारों, गोला-बारूद और अन्य तस्करी का दमन, सीमा के 150 गज के दायरे में विकास गतिविधियों का कार्यान्वयन और अनधिकृत निर्माण रोकना, सीमा नदियों के तटों का संरक्षण और नदियों के जल का निष्पक्ष बंटवारा, एकीकृत सीमा प्रबंधन योजना के संयुक्त कार्यान्वयन समेत कई द्विपक्षीय और सीमा हितों से जुड़े मुद्दे उठाए गए।

2030 राष्ट्रमंडल...

राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को बल मिलेगा।

बयान में यह भी कहा गया, इससे देश का मनोबल बढ़ेगा। इससे नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को करियर के विकल्प के तौर पर खेलों में हाथ आजमाने की प्रेरणा मिलेगी और सभी स्तरों पर खेलों में भागीदारी बढ़ेगी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 ग्लास्गो में होंगे, जिसमें कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल नहीं है। आईओए ने साफतौर पर कहा है कि अगर भारत को 2030 खेलों की मेजबानी मिलती है तो ये सभी खेल उसमें शामिल होंगे।

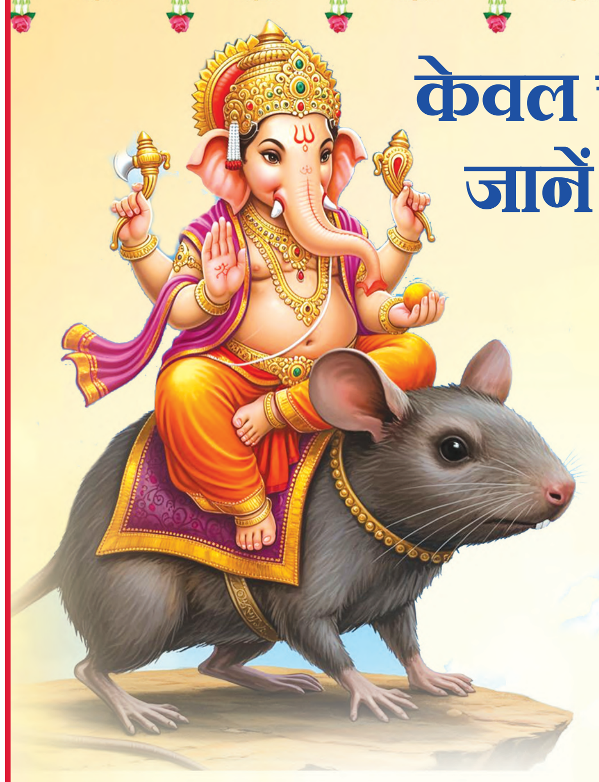

केवल चूहा ही नहीं यह भी हैं गणपति की सवारी जानें कलयुग में क्या है गणेश जी का वाहन

सभी देवी देवताओं में गणेश जी प्रथम पूज्य देवता है जो मूषक यानि चूहे की सवारी करते हैं। मूषक गणेश जी का वाहन है। लेकिन केवल चूहा ही गणेश जी की सवारी नहीं है शेर और मोर भी गणेश जी की सवारी हैं।

गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। यह उत्सव पूरे दस दिनों तक चलता है। इस दौरान गणेश जी को भक्त घर लाते हैं और उनकी मूर्ति को घर में स्थापित करते हैं। गणेश उत्सव के दौरान भी गणेश जी की जो मूर्ति घर लाई जाती है उसमें भी गणेश जी का वाहन चूहा यानी मूषक का होना जरूरी है।

हर देवी-देवता का कोई ना कोई वाहन होता है जिस पर वह सवारी करते हैं। ऐसे ही भगवान गणपति की अलग-अलग युग में अलग-अलग सावरी हैं जिनका महत्व बताया गया है।

सतयुग में भगवान गणेश जी का वाहन सिंह है और उनकी भुजाएं 10 है और नाम विनायक है। भगवान गणेश ने भोलेनाथ और माता पार्वती के घर जब जन्म लिया जो उनका नाम विनायक रखा गया।

त्रेतायुग में श्री गणेशजी का वाहन मयूर है इसलिए उनको मयूरेश्वर कहा गया है। उनकी भुजाएं 6 हैं और रंग श्वेत।

द्वापरयुग में उनका वाहन मूषक है और उनकी भुजाएं 4 हैं। इस युग में वे गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं और उनका वर्ण लाल है।

कलियुग में उनका वाहन घोड़ा है और वर्ण धूम्रवर्ण है। इनकी 2 भुजाएं हैं और इस युग में उनका नाम धूम्रकेतु है।

चूहा कैसे बना गणेश जी की सवारी?

गणेश जी की सवारी मुख्य रूप से मूषक यानी चूहा है। मान्यता है कि एक बार क्रौंच नाम के अभिमानी गंधर्व ने वामदेव नाम के ऋषि का अपमान कर दिया, जिससे क्रोधित होकर उन्होंने क्रौंच को चूहा बनने का श्राप दे दिया। जब वह विशाल चूहे में बदल गया तो उसने आस-पास के क्षेत्र में नुकसान पहुंचाकर आतंक मचा दिया। इसके बाद ऋषियों द्वारा भगवान श्री गणेश की स्तुति करने पर उन्होंने इसे अपने पाश से बांध लिया। जब चूहे ने गणपति से माफी मांगी तो उन्होंने उसका अभिमान दूर करने के लिए अपनी सवारी बना लिया।

धन समृद्धि और आत्म उन्नति के लिए कैसे करें भगवान गणपति जी की साधना

मानव जीवन की थकान और मन की विफलताओं के बीच कोई एक क्षण ऐसा भी आता है, जब आत्मा का मौन मुखर हो उठता है। और तब किसी पर्व की ज्योति हमारे अंधकार को भेदकर अंतर्मन को आलोकित करती है। ऐसा ही एक पर्व है गणेश चतुर्थी।

यह दिन केवल विघ्नहर्ता गणपति का स्मरण नहीं, बल्कि हमारे आत्मजागृति का उत्सव है। गणपति समस्त गणों अर्थात् इंद्रियों के अधिपति हैं और इसी कारण महागणाधिपति कहे जाते हैं। वे केवल मंदिरों में विराजमान देवता नहीं, बल्कि हमारे भीतर, हमारे मूलाधार में प्रतिष्ठित आदि देव हैं। जलतत्व के प्रतीक गणेशजी हमारे अस्तित्व के प्रथम चक्र मूलाधार चक्र में निवास करते हैं। यही वह केंद्र है, जहाँ से साधना की यात्रा आरंभ होती है। यदि यह चक्र निष्क्रिय रहे, तो आज्ञा चक्र तक आत्मा की यात्रा कभी सम्भव ही नहीं। ज्ञानी और ध्यानी इसी जागरण को कुण्डलिनी जागरण कहते हैं। वास्तव में गणपति-पूजन कोई बाहरी अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा का आंतरिक उत्सव है। यह इंद्रियों पर संयम, ध्यान द्वारा भीतर उतरना और अपने ही अंतः करण में ईश्वर का स्पर्श पाना है। यही गणेश चतुर्थी का मर्म है।

मानव जीवन की थकान और मन की विफलताओं के बीच कोई एक क्षण ऐसा भी आता है, जब आत्मा का मौन मुखर हो उठता है। और तब किसी पर्व की ज्योति हमारे अंधकार को भेदकर अंतर्मन को आलोकित करती है। ऐसा ही एक पर्व है गणेश चतुर्थी।

यह दिन केवल विघ्नहर्ता गणपति का स्मरण नहीं, बल्कि हमारे आत्मजागृति का उत्सव है। गणपति समस्त गणों अर्थात् इंद्रियों के अधिपति हैं और इसी कारण महागणाधिपति कहे जाते हैं। वे केवल मंदिरों में विराजमान देवता नहीं, बल्कि हमारे भीतर, हमारे मूलाधार में प्रतिष्ठित आदि देव हैं। जलतत्व के प्रतीक गणेशजी हमारे अस्तित्व के प्रथम चक्र मूलाधार चक्र में निवास करते हैं। यही वह केंद्र है, जहाँ से साधना की यात्रा आरंभ होती है। यदि यह चक्र निष्क्रिय रहे, तो आज्ञा चक्र तक आत्मा की यात्रा कभी सम्भव ही नहीं। ज्ञानी और ध्यानी इसी जागरण को कुण्डलिनी जागरण कहते हैं। वास्तव में गणपति-पूजन कोई बाहरी अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा का आंतरिक उत्सव है। यह इंद्रियों पर संयम, ध्यान द्वारा भीतर उतरना और अपने ही अंतः करण में ईश्वर का स्पर्श पाना है। यही गणेश चतुर्थी का मर्म है।

गणेश तंत्र: साधना का विज्ञान

प्राचीन ग्रंथ मंत्रमहोदधि और गणेश तंत्र इस पर्व को विशेष साधना का काल मानते हैं। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को अंगुष्ठाकार मिट्टी की प्रतिमा बनाकर, पंचोपचार पूजन कर यदि साधक ॐ वक्रतुंडाय हुम मंत्र का पाँच लाख जाप करे और चतुर्दशी को जिरे, काली मिर्च, गन्ने, दूर्वा, घृत, मधु आदि की दशांश आहुति से जीवन में समृद्धि का संचार होता है।

यदि किसी ने अपनी ही निंदा, आलोचना या दुष्कृत्यों से यश-कीर्ति खो दी हो, और शत्रुओं ने जीवन को घेर लिया हो, तो शास्त्र कहते हैं कि चतुर्थी को हल्दी की अंगुष्ठाकार प्रतिमा बनाकर ॐ गलौं बीज मंत्र का पांच लाख जाप करो। यह साधना भीतर और बाहर के सभी शत्रुओं पर विजय का संबल देती है।

इसी प्रकार रक्तचंदन या सितभानु(सफेद आक) की प्रतिमा बनाकर,अष्टमातृकाओं और दशदिग्पाल स्वरूप गणेश का पूजन कर हस्तिपिशाचिलिखे स्वाहा मंत्र का जप और तिल-घृत की आहुति करने से जीवन में उत्तम दिशा और अभ्युदय का संचार होता है। विभिन्न प्रतीकात्मक प्रतिमाओं के भी अर्थ गहरे हैं। कुम्हार की मिट्टी से बनी प्रतिमा धन-संपत्ति का संकेत है। गुड़ से बनी प्रतिमा सौभाग्य देती है। लवण की प्रतिमा शत्रुता का नाश करती है। और यह भी स्मरणीय है कि शास्त्रों में कहीं भी विशालकाय प्रतिमा का उल्लेख नहीं मिलता। यह परंपरा बाद के युगों की देन है। शास्त्रीय गणपति साधना सदैव लघु प्रतिमा और अंतर्मुखी ध्यान की साधना पर आधारित रही है।

आखिरी सत्य : गणपति का अंतर्याग

गणपति, जो समस्त इंद्रियों के अधिपति हैं, हमें संयम का संदेश देते हैं। वे हमारे मूलाधार में प्रतिष्ठित होकर हमें स्मरण कराते हैं कि आध्यात्मिक यात्रा भीतर से आरंभ होती है। बाहरी कर्मकांड केवल संकेत हैं, वास्तविक गणेश-पूजन है भीतर उतरना, ध्यानस्थ होना और परम तत्व का परिचय पाना।

इस प्रकार, गणेश चतुर्थी का पर्व केवल लोक-रीति, उत्सव या प्रथा नहीं है। यह हमारे अंतर्मन का शिल्पकार है,हमारी बुद्धि का आलोक है,और हमारी आत्मा के संवाद का सेतु है। इस पर्व में जहां भक्ति का संगीत है, वहीं साधना का मौन भी है; जहाँ लोकमानस की श्रद्धा है, वहीं तंत्र और मंत्र की गहन गाथा भी है। गणेश चतुर्थी, वस्तुतः, उस क्षण का नाम है जब जीवन की उलझनों के बीच से एक दिव्य स्वर फूट पड़ता है।

वक्रतुंड से लेकर लंबोदर गणपति तक, जानिए भगवान गणेश के 8 अवतार कौन से हैं

जिस प्रकार हिंदू धर्म में जगत के पालनहार भगवान विष्णु के 10 सबसे प्रमुख अवतारों के बारे में बताया गया है। ठीक उसी तरह भगवान गणेश जी के भी 8 अवतारों का उल्लेख धर्म शास्त्रों में मिलता है। देशभर में आज गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है, जो गणपति बप्पा के जन्मदिवस के रूप में मनाते हैं। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में गणेश जी की विधिपूर्वक आराधना की जाती है और चारों तरफ बप्पा का ही नाम सुनाई पड़ता है। गणेश उत्सव के इस मौके पर हम आपको बताएंगे भगवान गणेश के 8 अवतार कौन से हैं और ये अवतार गणेश जी ने कब-कब धारण किए थे।

गणेश जी के 8 अवतार

मुद्गल पुराण में गणेश जी के 8 अवतारों का वर्णन किया गया है। भगवान गणेश के 8 अवतार ये हैं:- वक्रतुंड, एकदंत, महोदर, गजानन, लंबोदर, विकट, विघ्नराज और धूम्र वर्ण। गणेश जी ने ये अवतार मनुष्य के विभिन्न अवगुणों जैसे घमंड, मोह, लोभ, मत्सर (दूसरों के सुख से जलना) आदि का नाश करने के लिए धारण किए थे।

वक्रतुंड अवतार–यह गणेश जी का पहला अवतार माना जाता है। इस अवतार को धारण कर गणेश जी ने मत्सरासुर नाम के राक्षस के अत्याचारों को समाप्त किया था। यह राक्षस दूसरों के सुख से जलता था और लोगों को प्रताड़ित करता था।

एकदंत अवतार– यह भगवान गणेश का दूसरा अवतार है। गणपति जी ने यह अवतार मदासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए धारण किया था। यह राक्षस घमंड और नशे का आदि था, जो देवताओं पर अत्याचार करता था।

महोदर अवतार –भगवान गणेश ने यह अवतार मोहासुर नामक एक राक्षस के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए धारण किया था। मोहासुर राक्षस के अत्याचारों से परेशान होकर देवी-देवताओं ने गणेश जी आह्वान किया, तब गणेश जी ने महोदर अवतार लिया।

गजानन अवतार– भगवान गणेश ने यह अवतार लोभासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था। लोभासुर का जन्म कुबेर देव के लोभ से हुआ, जो लालच का प्रतीक था। गणपति बप्पा ने गजानन अवतार लेकर इस राक्षस का वध किया था।

लंबोदर अवतार–गणेश जी ने यह अवतार क्रोधासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए धारण किया था। सूर्य देव की तपस्या कर क्रोधासुर राक्षस ने ब्रह्मांड पर अधिकार कर लिया, जिसके बाद गणेश जी ने यह अवतार धारण किया।

विकट अवतार – भगवान गणेश ने विकट अवतार कामासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए धारण था। कामासुर राक्षस का जन्म जलंधर नामक राक्षस से हुआ था। विकट अवतार में भगवान गणेश मोर पर विराजित हुए कामासुर का वध किया।

विघ्नराज अवतार – भगवान गणेश ने विघ्नराज अवतार ममासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था। इस राक्षस की उत्पत्ति माता पार्वती की हंसी से हुई थी। विघ्नराज अवतार में उन्होंने बाधाओं के राजा के रूप में कार्य किया।

धूम्रवर्ण अवतार –इस अवतार को गणेश जी का आठवां और सबसे शक्तिशाली अवतार माना जाता है। गणेश जी ने भूम्रवर्ण अवतार अहंतासुर नामक राक्षस का वध करने के लिए लिया था। इस अवतार में गणेश जी का रंग धुएं जैसा था और वे काफी विकराल थे।

तुलसी जी ने भगवान गणेश को क्यों किया दिया था श्राप, जानें कथा और वजह

गणेश भगवान का निवास स्थान कैलाशलोक है। सुख, समृद्धि, विघ्नहर्ता भगवान गणेश बुद्धि और ज्ञान के देवता है। सच्चे मन और श्रद्धा भाव से गणेश जी की पूजा अर्चना करने से हर काम में सफलता प्राप्त होती है और जीवन में शांति की प्राप्ति होती है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। भगवान गणेश जी पूजा में तुलसी का प्रयोग करना निषेध है। तुलसी को बहुत पवित्र माना गया है लेकिन पवित्र तुलसी का प्रयोग गणेश पूजन में नहीं किया जाता। ऐसा इसलिए है क्योंकि तुलसी माता ने भगवान गणेश को श्राप दे दिया था, इस कारण से भगवान गणेश की पूजा में तुलसी का प्रयोग वर्जित है।

क्यों नहीं होता गणेश पूजा में तुलसी का प्रयोग?

पौराणिक कथा के अनुसार तुलसी माता, गणेश जी से प्रेम करती थी और उनसे विवाह करना चाहती थी। एक बार तुलसी जी ने अपनी यह इच्छा गणेश जी के सामने रखी। तुलसी जी ने उनसे अपने मन की बात कही। लेकिन गणेश जी ने उनके शादी के प्रस्ताव को मना कर दिया।गणेश जी ने अपने ब्रह्मचारी होने का हवाला दिया और विवाह की बात से इंकार कर दिया। इससे तुलसी माता बहुत क्रोधित हो गई और उन्होंने गणेश जी को श्राप दिया कि तुम्हारी दो शादियां होंगी। इसी श्राप के फलस्वरूप गणेश जी का विवाह रिद्धि और सिद्धि नामक दो बहनों से हुआ। वहीं गणेश जी ने भी तुलसी माता को श्राप दे दिया कि उनका विवाह राक्षस शंखचूड़ से होगा।

गणेश जी के श्राप देने के बाद तुलसी को अपनी भूल का अहसास हुआ और उन्होंने गणेश जी से क्षमा याचना की। इसी वजह से गणेश जी की पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता। इसी वजह से तुलसी और गणेश जी के बीच बैर भाव है।

गणपति बप्पा को मोदक का ही भोग क्यों लगाया जाता है

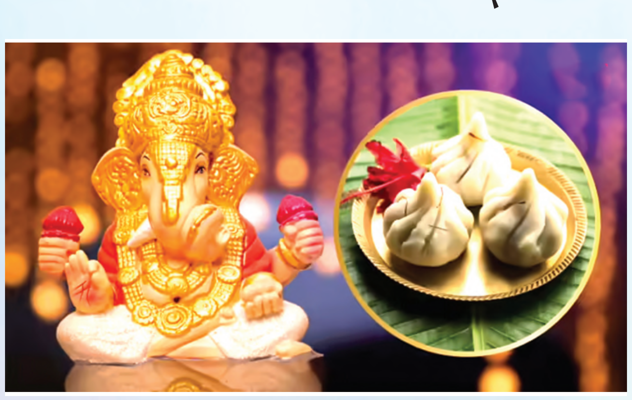

गणेश चतुर्थी के त्योहार का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर पूरे धूमधाम से गणपति बप्पा का स्वागत किया जाता है। इसके लिए लोग कई दिनों पहले से ही तैयारी में लग जाते हैं और गणेशजी को स्थापित करने के बाद उन्हें मोदक का भोग जरूर लगाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय है और उन्हें मोदक का भोग लगाने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में आइए गणेश पुराण से जानते हैं कि आखिर क्यों गणेश चतुर्थी पर मोदक के भोग के बिना भगवान गणेश की पूजा अधूरी मानी जाती है।

गणेश पुराण में मिलता है मोदक का वर्णन

पुराण के अनुसार, देवताओं ने अमृत से निर्मित एक मोदक माता पार्वती को भेंट में दिया था। दिव्य मोदक को देखकर भगवान गणेश और उनके भाई कार्तिकेयजी माता से उसकी मांग करने लगे। तब देवी पार्वती ने मोदक के बारे में बताया कि इसकी गंध मात्र से ही अमरता प्राप्त हो सकती है। ऐसे में इसकी महक लेने वाले को सभी शास्त्रों का ज्ञान, कलाओं का जानकार बन जाता है।

भगवान गणेश ने ऐसे किया तीर्थ भ्रमण

देवी पार्वती से मोदक का महत्व सुनकर गणपतिजी और कार्तिकेयजी को उसे खाने की इच्छा होने लगी। इस पर माता ने कहा कि दोनों में जो भी धर्माचरण द्वारा श्रेष्ठता को प्राप्त करके सबसे पहले सभी तीर्थों का भ्रमण करके यहां पहुंचेगा, उसी को मैं यह मोदक दूंगी। देवी पार्वती की बात सुनकर कार्तिकेयजी मयूर पर बैठकर सभी तीर्थों का स्नान करने लगे। वहीं, गणेशजी का वाहन मूषक होने के चलते वे सभी तीर्थों का भ्रमण न कर सके। तभी उन्होंने दूसरा तरीका अपनाया और माता-पिता के सामने परिक्रमा करते हुए माता और पिता की स्तुति की।

इस तरह बना मोदक भगवान गणेश का प्रिय भोग

परिक्रमा पूरी होने के बाद भगवान गणेश माता-पिता के सामने खड़े हो गए। तब माता पार्वती ने कहा की सभी तीर्थ स्थानों का स्नान, देवी-देवताओं को प्रणाम, व्रत, यज्ञों का अनुष्ठान, योग, मंत्र और संयम का पान करना, यह सभी माता और पिता के पूजा के 16वें अंश के समान नहीं हो सकते हैं। ऐसे में ये दिव्य मोदक में तुम्हें देती हूं। सभी शुभ कार्यों और पूजा के दौरान सर्व प्रथम तुम्हारी पूजा होगी। भगवान गणेश को मोदक ग्रहण करके अपार संतुष्टि और प्रसन्नता महसूस हुई। तभी बप्पा के लिए मोदक प्रिय हो गया और यही कारण है कि उनकी पूजा में इसका भोग जरूर लगाया जाता है।

इसलिए भी है गणेशजी को मोदक प्रिय

एक पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार परशुरामजी के वार से भगवान गणेश का एक दांत टूट गया था। ऐसे में वे खाने में असमर्थ हो गए थे। तब उनके लिए मुलायम मोदक तैयार किए गए थे, जिसे खाकर भगवान गणेश बेहद प्रसन्न हो गए थे। बप्पा का एक दांत टूटा होने के चलते उन्हें एकदंत के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान गणेश को बप्पा और मोरया क्यों कहा जाता है, इसके पीछे की कहानी है बेहद रोचक

गणेश चतुर्थी का त्योहार पूरे भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इसी दिन से गणेश उत्सव का आगाज हो जाता है और लोग पूरे श्रद्धा भाव से गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। साथ ही, उनकी नियमित रूप से पूजा और आरती करते हैं। वहीं, गणेशजी के जयकारे लगाते समय हम अक्सर गणपति बप्पा मोरया बोलते हैं। ऐसा बोलने के पीछे कई रोचक कथाएं छिपी हुई हैं। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि आखिर भगवान गणेश को बप्पा और मोरया क्यों कहा जाता है।

इसके पीछे है महाराष्ट्र के चिंचवाड़ गांव की एक कथा

इसके पीछे के रोचक कथा है कि लगभग 600 वर्ष पूर्व महाराष्ट्र के चिंचवाड़ गांव में एक भगवान गणेश के भक्त हुआ करते थे। इन्हें मोरया गोसावी नाम से जाना जाता था। मान्यता है कि मोरया गोसावी गणपतिजी के अंश थे और इनका जन्म 1375 ई। में हुआ था। इनके पिता वामन भट्ट और माता पार्वती भी भगवान गणेश के भक्त थे। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हीं के घर में जन्म लेने का वरदान दिया था।

मोरया के सपने में आकर गणेशजी ने कही ये बात

कहा जाता है कि बचपन से ही मोरया गोसावी भगवान गणेश की भक्ति में लीन रहते थे और गणेश चतुर्थी पर चिंचवाड़ से 95 किलोमीटर दूर पैदल चलकर मयूरेश्वर मंदिर के दर्शन करने जाते थे। बता दें कि भगवान गणेश की सवारी मयूर यानी मोर होने से उन्हें मयूरेश्वर नाम से भी जाना जाता है। 117 साल तक लगातार मोरया ऐसा ही करते थे। जब वो वृद्धावस्था में आ गए तो उनके लिए मयूरेश्वर मंदिर जाना बहुत मुश्किल हो गया था। ऐसे में एक दिन भगवान गणेश इन्हें सपने में दिखाई दिए और उन्होंने कहा की अब तुम्हें मंदिर जाने की आवश्यकता नहीं है। कल के दिन जब स्नान करके तुम कुंड से निकलोगे, तो अपने सामने मुझे देखोगे। यह स्वप्न अगले दिन सच हो गया और कुंड से निकलने पर उन्हें अपने पास एक गणेशजी की छोटी सी प्रतिमा देखने को मिली जो बिल्कुल वैसी थी, जैसी उन्होंने अपने सपने में देखी थी।

चिंचवाड़ और मयूरेश्वर मंदिर से जुड़ी मान्यता

मोरया ने भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना चिंचवाड़ में ही की और धीरे-धीरे वह स्थान दूर-दूर तक भक्तों के बीच प्रसिद्ध होता गया। इससे भक्तों और भगवान के बीच का अंतर कम होने लगेगा।

तभी से लोगों ने गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाने शुरू कर दिए। माना जाता है कि चिंचवाड़ में मौजूद गणेश भगवान की प्रतिमा मयूरेश्वर भगवान की अंश है। ऐसे में हर साल उनके अंश को मिलाने के लिए मयूरेश्वर मंदिर तक डोली निकाली जाती है।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

ये रोल कुत्ता भी न करे... राज कुमार ने की थी रामानंद सागर की बेइज्जती!

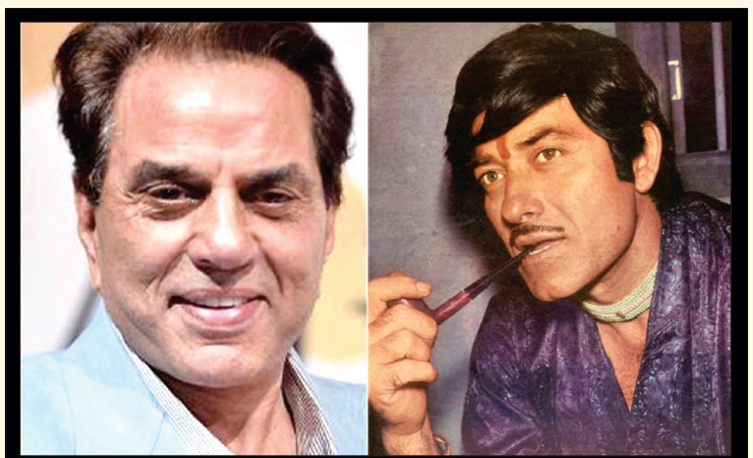

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता राज कुमार अपने अनोखे अंदाज और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते थे। उन्हें आज भी 'पाकीजा', 'सौदागर', 'तिरंगा' और 'नील कमल' जैसी फिल्मों के लिए याद किया जाता है। अपने डायलॉग्स में 'जानी...' का इस्तेमाल और गले पर हाथ फेरने का उनका अंदाज दिवंगत अभिनेता की पहचान बन गया था।

राज कुमार अपनी शैली के साथ-साथ अपनी बुद्धि के लिए भी प्रसिद्ध थे। बॉलीवुड के गलियारों में उनके बारे में कई मजेदार किस्से मशहूर हैं। ऐसा ही एक किस्सा निर्माता-निर्देशक रामानंद सागर के साथ जुड़ा है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

राजकुमार ने कुत्ते से की हीरो की तुलना

1967 में, रामानंद सागर, राज कुमार को 'आंखें' के लिए साइन करना चाहते थे। उन्होंने बॉलीवुड स्टार को फिल्म की कहानी सुनाई, लेकिन राजकुमार को स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई। खबरों के मुताबिक, राजकुमार ने अपने पालतू कुत्ते को बुलाया और उसके सामने कहानी सुनाते हुए मजाक में पूछा, 'क्या तुम यह फिल्म करोगे?' इसके बाद, उन्होंने रामानंद सागर से कहा, 'यह रोल मेरा कुत्ता भी नहीं करेगा।' राजकुमार की इस बात से रामानंद सागर को गहरा सदमा लगा और वे गुस्से में वहां से चले गए।

धर्मेंद्र ने ली राजकुमार की जगह

कथित तौर पर, निर्देशक राज कुमार के रूखे व्यवहार से बहुत आहत हुए और उन्होंने कुछ देर तक बात नहीं की। दिलचस्प बात यह है कि दोनों ने कभी साथ काम नहीं किया। बाद में 1968 में रिलीज हुई इस फिल्म में धर्मेंद्र ने लीड रोल किया और यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। इसे उनके करियर की सबसे सफल फिल्मों में गिना जाता है। सिर्फ 85 लाख रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 6 करोड़ रुपये की कमाई की।

फिल्म में थे इतने कलाकार

रामानंद सागर की लिखी और निर्देशित इस फिल्म में माला सिन्हा, धर्मेंद्र, कुमकुम, सुजीत कुमार, महमूद, ललिता पवार और परदुमन रंधावा ने अहम रोल्स प्ले किए।

नम्रता मल्ला ने 'लाल घाघरा' पर दिखाए कमाल के एक्सप्रेशन तो त्रिशा कर ने 'झुलनी' पर लगाए ठुमके

भोजपुरी इंडस्ट्री की चमकती हुई दो बड़ी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला और त्रिशा कर मधु एक्टिंग और डांस के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन वे अपनी नई-नई फोटो और वीडियो पोस्ट कर फैंस का ध्यान खींचती हैं। चाहे स्टाइलिश फोटोशूट हो या डांस वीडियो, ये दोनों हमेशा कुछ न कुछ ऐसा करती हैं जो सोशल मीडिया पर छा जाता है। बुधवार को भी इन दोनों एक्ट्रेस ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक-एक वीडियो पोस्ट की, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

नम्रता मल्ला की अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में नम्रता शूट के लिए तैयार होती नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि वे मिरर के सामने लिपस्टिक लगा रही हैं और हल्की मुस्कान से कैमरे की ओर देख रही हैं। चेहरे पर ब्राइट मेकअप और बालों का स्टाइल उनकी खूबसूरती को और भी बढ़ा रहा है। खास बात यह है कि उन्होंने अपने खुले बालों में छोटी-छोटी चोटी बनाई हुई है, जो उन्हें एक मॉडर्न लुक दे रही है।

इस वीडियो के बैकग्राउंड में भोजपुरी का हिट गाना 'लाल घाघरा' चल रहा है, जिसे पवन सिंह और शिल्पी राज ने मिलकर गाया है। यह गाना दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा। इस गाने में पवन सिंह और नम्रता मल्ला की केमिस्ट्री देखने लायक है। इस गाने को विजय चौहान ने लिखा है और संगीत शुभम राज ने तैयार किया है। सूरज कटोच ने इसका निर्देशन किया है।

वहीं बात करें त्रिशा कर मधु की, तो उन्होंने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट किया। इसमें त्रिशा कर प्रिंटेड पिंक कुर्ती में बेहद प्यारी लग रही हैं। इस वीडियो में वे भोजपुरी के रोमांटिक गाने 'झुलनी' पर डांस करती दिख रही हैं। त्रिशा कर मधु के न सिर्फ डांस स्टेप्स, बल्कि उनके चेहरे के एक्सप्रेशन भी कमाल के दिख रहे हैं। बता दें कि 'झुलनी' को यश कुमार और शिल्पी राज ने गाया है। इस गाने के बोल धर्म हिंदुस्तानी ने लिखे हैं और संगीत साजन मिश्रा ने दिया है। वीडियो का निर्देशन दिवाकर पांडे और ऋषु ने मिलकर किया है। इस गाने में यश कुमार और त्रिशा कर की जोड़ी काफी जबरदस्त नजर आई है।

रियल लाइफ हीरो सोनू सूद ने भक्ति और पर्यावरण अनुकूल परंपराओं के साथ मनाई गणेश चतुर्थी

सोनू सूद के लिए गणेश चतुर्थी हमेशा से ही भक्ति, एकजुटता और जागरूक उत्सव का समय रहा है। हर साल की तरह, इस बार भी अभिनेता-समाजसेवी सोनू सूद ने पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ अपने घर भगवान गणेश का स्वागत करते हैं और हर अनुष्ठान को व्यक्तिगत स्पर्श के साथ निभाते हैं। अपनी परंपरा के अनुसार, इस वर्ष भी उन्होंने गणेश जी की मूर्ति घर ले आएं हैं और अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ पर्यावरण-अनुकूल तरीके से पाँच दिनों तक त्योहार मना रहे हैं। मूर्ति के स्वागत के साथ ही, सूद के घर में आस्था और उत्सव का वातावरण बन गया। उनके निवास पर आरती, भोग और दैनिक पूजा की गूंज सुनाई दी, और उनकी संवेदनशील पहल ने इस उत्सव को और भी अर्थपूर्ण बना दिया।

उत्सव की शुरुआत में ही उन्होंने मीडिया और पपराज़ी को भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया और उनके साथ प्रसाद बाँटा, यह एक ऐसा भाव था जो उनकी समावेशी सोच को दर्शाता है। जो बात सबसे खास रही, वह थी सोनू सूद की पर्यावरण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता। हर साल वे एक इको-फ्रेंडली गणेश मूर्ति का चयन करते हैं ताकि उनका उत्सव पर्यावरण के प्रति जागरूक बना रहे। इसके साथ ही वे हर साल घर पर ही एक विशेष रूप से बनाए गए तालाब में विसर्जन करते हैं।

यह सतत प्रयास न केवल पूजा की पवित्रता को बनाए रखता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भक्ति और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी साथ-साथ निभाई जा सकती हैं। पांच दिनों तक सोनू सूद पूरी श्रद्धा के साथ अनुष्ठानों में लीन रहे और साथ ही परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षणों, हर्षोल्लास और शांत प्रार्थना का भी आनंद लिया।

उनका गणेशोत्सव केवल परंपराओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक आध्यात्मिक, व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से जागरूक संबंध भी स्थापित किया। भक्ति, पारिवारिक स्नेह और पर्यावरण-सचेत प्रथाओं के मिश्रण में, सोनू सूद की गणेश चतुर्थी प्रेरणा देती रहती है। बप्पा का सम्मान करने का उनका तरीका न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि हमारे आस-पास की दुनिया के प्रति एक ज़िम्मेदारी को भी दर्शाता है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर 'ओ मामा! टेटेमा' कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं – उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया – संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव – जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया: दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। 'ओ मामा! टेटेमा' स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा।

मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है – ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं।

जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए – उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

बेटी अलीशा के जन्मदिन पर इमोशनल हुईं सुष्मिता सेन, 10 साल तक किया था इस चमत्कार का इंतजार

सुष्मिता सेन एक सिंगल मदर हैं, और उन्होंने अपनी दोनों गोद ली हुई बेटियों को बेहतरीन परवरिश दी है। गुरुवार को उनकी छोटी बेटी अलीशा सेन 16 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा किए, जिनमें से एक वीडियो और एक फोटो स्लाइडशो है। इन पोस्ट्स के जरिए उन्होंने अपने दिल की बात बड़ी ही खूबसूरती के साथ जाहिर की।

पहले पोस्ट में सुष्मिता सेन ने एक प्यारा-सा वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपनी बेटी अलीशा के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो सेल्फी कैमरे से शूट किया गया है, जिसमें मां-बेटी दोनों बेहद खुश दिखाई दे रही हैं। सुष्मिता ने सफेद रंग की ड्रेस पहन रखी है, वहीं अलीशा ने काले रंग की ऑफ-शोल्डर ड्रेस पहनी हुई है। दोनों की मुस्कान और आपसी केमिस्ट्री इस वीडियो को बेहद खास बना रही है। वीडियो के साथ सुष्मिता सेन ने लिखा, दुआओं से जन्मी! मैंने इस चमत्कार, अलीशा सेन, के लिए पूरे 10 साल इंतजार किया। मैं तुम्हें बहुत सारा प्यार करती हूं!!!

इसके बाद सुष्मिता सेन ने कई पुरानी तस्वीरों को पोस्ट किया है, जो अलीशा की जिंदगी के खास पलों की झलक दिखाती हैं। इनमें अलीशा के बचपन की मासूमियत भी है, उनकी किशोरावस्था की झलक भी, और मां-बेटी के बीच बिताए कई अनमोल पल भी। तस्वीरों में सुष्मिता की बड़ी बेटी रेने भी नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ सुष्मिता सेन ने प्यार भरा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने लिखा, 16वां जन्मदिन मुबारक हो शोनू अलीशा। मेरी नजरों में तुम सबसे प्यारी स्वीट सिक्स्टीन हो... मैं एक बहुत गर्वित मां हूं... जिसके पास सबसे कोमल दिल है और सबसे प्यारी

मौजूदगी! उन्होंने आगे लिखा, मैं तुम्हारी हर उपलब्धि को देखकर हैरान रह जाती हूं और जानती हूं कि अभी बहुत कुछ बाकी है। तुम्हारे लिए एक जादुई साल इंतजार कर रहा है, मेरी शोनू! भगवान हमेशा तुम पर अपनी सबसे खास कृपा बरसाए तुम्हारी किस्मत उतनी ही सुंदर हो जितनी तुम हो। हम 16वें साल की शुरुआत कर रहे हैं स्कूल कैप्टन के तौर पर! शाबाश! पार्टी टाइम रेने सेन, अलीशा सेन। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं!

अक्षरा सिंह ने ग्रीन साड़ी में बिखेरा जलवा

भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री अक्षरा सिंह बेहतरीन अभिनय और अद्भुत स्टाइल के लिए चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं। इस कड़ी में अक्षरा ने बुधवार को एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उनकी मुस्कान को देख फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

वीडियो में अक्षरा का आकर्षक लुक, हल्की-सी मुस्कान और स्टाइलिश पोज फैंस को लुभा रहा है। वह साड़ी में अलग-अलग अंदाज में वीडियो शूट करवा रही हैं। कभी वह सामने से चलकर आती दिख रही हैं, तो कभी पेड़ों के पीछे से पोज दे रही हैं। वह अपने पल्लू को हवा में उड़ाते हुए मौसम का मजा लेती हुई भी नजर आ रही हैं।

उनका यह लुक न केवल उनकी खूबसूरती को बयां करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे सादगी के साथ-साथ फैशन के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं। वीडियो में अक्षरा ने रोमांटिक शॉर्ट फिल्म 'बम्बलिंग' का गाना 'फाइनली वी मेट' ऐड किया है।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, सच्ची खूबसूरती ध्यान खींचने की कोशिश नहीं करती, लोग खुद ही उसे पसंद करने लगते हैं। उनके इस पोस्ट पर फैंस की तेजी से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई फॉलोअर्स तो उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कई उनके लिखे कैप्शन को दिल से महसूस करते हुए कमेंट्स कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, आपकी आंखों में छुपा दर्द साफ झलकता है, लेकिन जिस हिम्मत से आप मुस्कुरा रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है।

अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। एक समय था जब दोनों का रिश्ता सुर्खियों में रहा, लेकिन वक्त के साथ यह रिश्ता कड़वाहट में बदल गया। अलगाव के बाद अक्षरा ने पवन सिंह पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिससे उनके व्यक्तिगत जीवन में काफी उथल-पुथल मची।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढीया बितेगा. आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्त्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैव–ाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढाए।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 अगस्त 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 08:23 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 11:39 तक
योग : ब्रह्म दोपहर 02:13 तक
करण : कौलव प्रात: 07:10 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:32 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : सूर्य–स्कन्द षष्ठी , बलराम जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश, निवेशक राज्य की विकास यात्रा में बनें सहभागी : भजनलाल

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि समृद्ध, सशक्त और सर्वापरि राज्य बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि उद्यमी अधिक से अधिक निवेश कर राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनें।

भजनलाल शर्मा गुरूवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तथा व्यापारिक दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन से राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अधिक सुगम बनाने के लिए राज्य में राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति जैसी नीतियां जारी की गई।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में देशभर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के कुल खनिज ब्लॉक आवंटन का 20 प्रतिशत अकेले राजस्थान से हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने विजन डॉक्यूमेंट–2047 को मंजूरी दी है। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राजस्थान के सुनहरे भविष्य का खाका है। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक राजस्थान 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 सौर परियोजनाओं को मंजूरी, नई भूमि आवंटन नीति, पंच गौरव जैसे नवाचारों एवं निर्णयों से ऊर्जा एवं उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। जोधपुर–पाली औद्योगिक गलियारा, दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारे का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो 19 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा वस्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग और ऑटो क्लस्टर उद्योगों पर केंद्रित यह परियोजना राजस्थान को औद्योगिक मानचित्र पर नया स्थान दिलाएगी। भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति–2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' से प्रेरणा लेते हुए 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। अभियान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है तथा अब तक हम 17 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में असीमित अवसरों के साथ प्राकृतिक संसाधन एवं कुशल मानव संसाधन मौजूद है। राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस–वे का निर्माण, 1 हजार 300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ना, मिसिंग लिंक रोड का निर्माण, जयपुर एयरपोर्ट का विस्तार सहित विभिन्न कार्यों से राज्य में विकास के नए मानदंड स्थापित किए जा रहे हैं।ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है।

कांग्रेस की किसान ललकार सभा: भाजपा सरकार को घेरा, कहा– सिर्फ सर्कस चल रहा है

बूंदी, 28 अगस्त (एजेंसियां)।
राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बूंदी में आयोजित 'किसान ललकार सभा' में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चल रही सरकार की योजनाओं के केंद्र में किसान नहीं हैं और यह सरकार नहीं, बल्कि सर्कस चला रही है। डोटासरा ने हजारों की संख्या में मौजूद किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने चुनावों के समय किसानों से बड़े–बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों का न तो सहकारी बैंकों का कर्ज माफ हो रहा है और न ही राष्ट्रीयकृत बैंकों का। किसानों को न तो फसल खराबे का मुआवजा मिल रहा है, न बिजली और न ही पीने का साफ पानी। उन्होंने कहा कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं और बच्चों को पढ़ने के लिए किताबें तक नहीं मिल रही हैं, जो किसानों के साथ सरासर अन्याय है।

उन्होंने झालावाड़ में भाजपा सरकार की नाकामी के कारण 7 बच्चों की मौत का भी जिक्र किया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर पीड़ितों से न मिलने का आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री किसानों के दिए टैक्स के पैसे से हेलिकॉप्टर में घूमते हैं, लेकिन पीड़ितों से मिलने नहीं जाते।

डोटासरा ने एसआई भर्ती 2021 निरस्त होने के फैसले पर कहा कि यह दिखाता है कि सरकार खुद कोई निर्णय नहीं ले सकती और दिल्ली से 'पर्ची' आने का इंतजार करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार का इंजन सीज हो गया है और वह केवल धुआं छोड़ रही है। उन्होंने 'स्मार्ट मीटर' पर भी सरकार को घेरा और आरोप लगाया कि यह 14 हजार करोड़ का घोटाला है।

उन्होंने कहा कि ₹9–10 हजार का स्मार्ट मीटर लगाने की कोई जरूरत नहीं है, यदि यही पैसा किसानों को दे दिया जाए तो उनका भला होगा। उन्होंने कहा कि इस घोटाले में केंद्र और राज्य के भाजपा मंत्री शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने घरों पर स्मार्ट मीटर न लगने दें।

आधार के दुरूपयोग को रोकने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका: मुख्य सचिव

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)।
प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि प्रदेश में आधार के दुरूपयोग एवं इससे होने वाले साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए एआई (अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाल आधार (5 साल तक के बच्चे का आधार) सैचुरेशन को बढ़ाने के लिए सम्बंधित सभी विभाग आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाए एवं लंबित कार्यों को शीघ्र सम्पादित करें। मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित यूआईडी कार्यान्वयन समिति (यूआईडीआईसी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधार की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए तकनीक के इस दौर में एआई का उपयोग कर आधार से सम्बंधित साइबर फ्रॉड को रोका जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में पंत ने बाल नामांकन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक कार्यवाही के दिशा निर्देश दिए। उन्होने कहा कि 5 वर्ष तक आयु के बच्चों के आधार नामांकन के लिए प्रदेश में प्री–स्कूल और आंगनबाड़ियों में विशेष अभियान चला कर जागरूकता फैलाई जाए। प्रदेश के सरकारी एवं निजी विद्यालयों को इस सम्बन्ध में निर्देशित कर आधार नामांकन में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न आईईसी गतिविधियों के माध्यम से इस दिशा में व्यापक प्रचार–प्रसार कर माता–पिता को बाल आधार नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन पर भी विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। पंत ने सम्बंधित विभागों को आधार नामांकन एवं अपडेशन की प्रक्रिया में आवश्यक अन्य दस्तावेजों के भी डिजिटाइजेशन के लिए निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली, श्री कुमार उज्ज्वल ने राज्य में आधार सैचुरेशन की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विषयों पर चर्चा की । शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, अर्चना सिंह ने इस सम्बन्ध में नोडल विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं प्रगति की जानकारी दी।

इस अवसर पर यूआईडीआईसी की गत बैठक में विभागों को दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। जिसके तहत प्रदेश में अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट, आधार लिंक बर्थ रजिस्ट्रेशन (एएलबीआर), स्टेट वेरिफिकेशन पोर्टल की स्थिति, जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति (डीएलएएमसी) जैसी विषयों की प्रगति की जानकारी साझा की गई। समीक्षा में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और सुशासन कार्यक्रमों में आधार–सक्षम सेवाओं को भी शामिल किया गया।

हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला

महिलाओं को 25 सितंबर से हर महीने मिलेंगे 2,100 रुपए

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियाणा सरकार ने महिलाओं के सामाजिक सम्मान और सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का शुभारंभ 25 सितंबर, 2025 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर होगा। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने ₹2,100 की वित्तीय सहायता दी जाएगी। योजना के मुख्य बिंदु पात्रता: पहले चरण में 23 वर्ष या उससे अधिक उम्र की वे सभी महिलाएं (विवाहित और अविवाहित) शामिल होंगी, जिनके परिवार की सालाना आय ₹1 लाख से कम है। भविष्य में अन्य आय समूहों को भी चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा।

निवास: योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका या उसके पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से निवासी होना अनिवार्य है। योजना में एक परिवार में पात्र महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। अगर एक परिवार में तीन पात्र महिलाएं हैं, तो उन सभी को लाभ मिलेगा।

मंत्रिमंडल ने कुछ विशेष परिस्थितियों में महिलाओं को इस योजना का अतिरिक्त लाभ देने का भी निर्णय लिया है। स्टेज 3 और 4 कैंसर से पीड़ित मरीज, 54 दुर्लभ बीमारियों, हीमोफिलिया, थैलेसिमिया और सिकल सेल से पीड़ित जिन आवेदिकाओं को पहले से ही पेंशन मिल रही है, उन्हें 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' का भी लाभ मिलेगा। हालांकि, अन्य 9 योजनाओं (जैसे वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन) में अगर महिला को पहले से अधिक राशि मिल रही है, तो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

योजना का एक खास पहलू यह भी है कि अविवाहित लाभार्थी 45 वर्ष की आयु पूरी करने पर स्वतः ही 'विधवा और निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना' के लिए पात्र हो जाएंगी, और 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर 'वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन योजना' के लिए पात्र होंगी। पहले चरण में इस योजना से लगभग 20 लाख महिलाओं को फायदा मिलेगा।

जल्द ही इस योजना की अधिसूचना जारी की जाएगी और एक ऐप लॉन्च होगा, जिस पर पात्र महिलाएं अपना पंजीकरण कर सकेंगी। हर पात्र महिला को एसएमएस के जरिए आवेदन के लिए सूचित किया जाएगा। सभी पात्र महिलाओं की सूची ग्राम सभाओं और वार्डों में भी प्रकाशित की जाएगी, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

सरकार गुरुओं के दिखाए मार्ग पर चल रही है : सैनी

पंचकूला, 28 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन' सरकारें सिख गुरुओं की शिक्षा और उनके बताए रास्ते पर चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह बात पंचकूला स्थित गुरुद्वारा श्री नाडा साहिब में माथा टेकने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कही। एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए, मुख्यमंत्री ने 1984 के दंगों में हरियाणा में अपने परिवार के मुखिया को खोने वाले सिख परिवारों के लिए एक नई योजना का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन परिवारों के एक सदस्य को योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके लिए इच्छुक परिवार अपने–अपने जिलों के उपायुक्तों के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने इन दंगों से जुड़ी फाइलों को दबा दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन मामलों को फिर से खोला और दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया।

पंजाब की जनता को आप पर नहीं रहा भरोसा, अब हरियाणा मॉडल की ओर देख रही है : नायब सिंह

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पंजाब की जनता का अब आम आदमी पार्टी की सरकार पर से विश्वास उठ चुका है और वे कल्याणकारी योजनाओं के लिए हरियाणा की ओर उम्मीद से देख रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी भी कांग्रेस की तरह ही चुनावी वादे पूरे करने में विफल रही है। मंत्रिमंडल की बैठक में 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को मंजूरी देने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपने संकल्प पत्र का एक और वादा पूरा किया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। उन्होंने पंजाब की 'आप' सरकार की आल–ोचना करते हुए कहा कि चुनावों में महिलाओं से किए गए वादे अब तक अधूरे हैं, जबकि हरियाणा में चुनाव दूर होने के बावजूद वादे लगातार पूरे किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है कि जो कहा, वह किया, जबकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की गारंटी 'चीनी सामान' जैसी है, जिसकी कोई गारंटी नहीं होती। सैनी ने कांग्रेस और 'आप' पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों एक ही थाली के हैं और जनता उन पर भरोसा नहीं करती। उन्होंने पंजाब की जनता को याद दिलाया कि हरियाणा में एमएसपी पर सभी फसलें खरीदी जा रही हैं और आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है, जबकि पंजाब में ऐसी कोई सुविधा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब में आई बाढ़ पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि हरियाणा सरकार मानवता के नाते हर संभव मदद के लिए तैयार है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर राहत सामग्री, बचाव दल और चिकित्सा सहायता भेजने की पेशकश की है।

रविशंकर प्रसाद ने कसा तंज

दो युवराज मतदाता सूची पर सवाल खड़े कर बिहारवासियों का अपमान कर रहे हैं

पटना (एजेंसियां)।

एनडीए के विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी दलों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जब जनता का समर्थन नहीं मिलता तो वह बेबुनियाद आरोप लगाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करता है।

बिहारशरीफ में आयोजित इस सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. संजय जायसवाल, बिहार सरकार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, नीरज कुमार, कौशलेंद्र कुमार सहित कई एनडीए नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के मंत्री डॉ. सुनील कुमार के क्षेत्र में किया गया था। कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ और उत्साह देखने को मिला।

रविशंकर प्रसाद ने वोटर लिस्ट को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि दोनों युवराज बार-बार मतदाता सूची पर सवाल खड़े कर बिहारवासियों का अपमान कर रहे हैं। बिहार के मतदाता लोकतंत्र को समझते हैं और उन्होंने नीतीश कुमार, नरेंद्र मोदी सहित एनडीए नेताओं को ईमानदारी से जिताया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्षी दल जनता का विश्वास खो चुके हैं। उन्हें वोट नहीं मिलता, इसलिए वे तरह-तरह के झूठे आरोप लगाते रहते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी एनडीए को भारी बहुमत मिलेगा।

रविशंकर प्रसाद ने दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और उनकी माता जी, जिन्होंने गरीबी में संघर्ष करके बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाया, उनके बारे में अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करना अत्यंत शर्मनाक है।

रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस बयानबाजी पर माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी को माफी मांगनी चाहिए, लेकिन उनका अहंकार इतना है कि वे माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने इसे कांग्रेस की संकीर्ण मानसिकता बताया।

कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए नेताओं ने भरोसा जताया कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में हुए विकास कार्यों के आधार पर गठबंधन को जनता फिर से भारी बहुमत देगी। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं।

मतदाता सूची में जिंदा शख्स को कर दिया मृत घोषित

वैशाली जिलाधिकारी के पास पहुंचा मामला, उठे सवाल

वैशाली (एजेंसियां)।

बिहार में लगातार मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोधी दल के नेताओं के द्वारा 'वोट अधिकार यात्रा' की जा रही है। केंद्र सरकार चुनाव आयोग को विरोधी दल के नेता लगातार निशाना भी बना रहे हैं। वहीं, हाजीपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पर जीवित मतदाता का नाम सूची से काट दिया गया है। यह मामला हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र 123 बूथ नंबर 317 के मतदाता सुनील कुमार सिंह से जुड़ा है। सुनील का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। बताया गया है कि सुनील एक सफल बिजनेसमैन हैं और यह टैक्स भी भरते हैं। इनका एपिक नंबर एमएनक्यू 5523220 है।

वहीं, सुनील कुमार ने बताया कि हमारे पिता छत्रपति सिंह का नाम 2003 के मतदाता सूची में दर्ज है। लेकिन मेरा नाम काट दिया गया है। सुनील ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन सर्च करने पर पाया कि उनका नाम मृत घोषित कर दिया गया है। बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ ने नियमों का उल्लंघन करते हुए डोर-टू-डोर सत्यापन नहीं किया। चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश थे कि बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाता पुनरीक्षण करना था।

सुनील के अनुसार, बीएलओ ने न तो उनके घर और न ही अन्य मतदाताओं के घर जाकर सत्यापन किया। सुनील ने वैशाली जिलाधिकारी से इस मामले की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि वह नियमित रूप से सरकार को टैक्स का भुगतान कर रहे हैं। बीएलओ ने न तो ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए योग्य मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए कैंप लगाया और न ही नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया की। डीएम ने मामले पर संज्ञान लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

केएसआरटीसी बस के बस शेल्टर से टकराने से बच्चे समेत पांच की मौत, 7 घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के तालापडी में गुरुवार दोपहर एक दुखद दुर्घटना घटी जब कासरगोड से मेंगलूरु जा रही कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस कथित तौर पर ब्रेक फेल होने के बाद नियंत्रण खो बैठी और एक बस शेल्टर से टकरा गई। यह घटना दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। बस स्टॉप पर बस का इंतजार कर रहे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पुष्टि की है कि मृतकों में तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं, जो सभी एक ही परिवार के थे। इसके अलावा, एक बच्चे की भी मौत हो गई। दुर्घटना के समय उनमें से कुछ शेल्टर के पास खड़े एक ऑटो-रिक्शा में बैठे थे। इसके अलावा, सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, जानकारी देने पर पुलिस देगी 50 हजार का इनाम

पटना (एजेंसियां)।

पुलिस मुख्यालय ने सूबे के सभी जिलों को अलर्ट किया है। अलर्ट करने की वजह यह है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी के नेपाल के रास्ते बिहार में घुसने की सूचना मिली है। पुलिस मुख्यालय ने तीनों आतंकियों के नाम, फोटो और पासपोर्ट से संबंधित जानकारी साझा किया है।

पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि आतंकियों ने बिहार में घुसपैठ की है, जिसमें रावलपिंडी का रहने वाला हसनैन अली अवान, उमरकोट का आदिल हुसैन और बहावलपुर का मोहम्मद उस्मान शामिल है। पुलिस मुख्यालय ने जिलों से कहा है कि पुलिस मुख्यालय के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तीनों आतंकी अगस्त के दूसरे सप्ताह में काठमांडू पहुंचे थे। वहां से अगस्त के तीसरे सप्ताह में नेपाल बॉर्डर से बिहार में घुसे। पुलिस मुख्यालय ने आशंका जताते हुए कहा है कि हो न हो ये लोग किसी बड़ी घटनाओं को अंजाम देने के फिराक में हैं। पुलिस मुख्यालय ने बिहार के सभी जिलों को स्थानीय स्तर पर खुफिया तंत्र को सक्रिय कर आसूचना संकलन करने और संदिग्ध आतंकियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई का निर्देश दिया है।

बिहार में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दौरान नेताओं की रैली और जनसभाएं होंगी, जिसमें आतंकी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं।

फिलहाल राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सहित पूरे विपक्ष की वोटर अधिकार यात्रा चल रही है। इस दौरान वोटर अधिकार यात्रा में काफी भीड़ लग रही है। ऐसे में सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह बात चिंता का विषय है कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी के नेपाल के रास्ते बिहार में घुसे हैं। अब यह सूचना पुलिस मुख्यालय के साथ-साथ राजनीतिक पार्टियों के लिए भी चिंता का विषय है।

विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में दरार, माले विधायक ने कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी पर उठाए सवाल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी समर जारी है। ऐसे में दोनों गठबंधनों को दरार और फूट की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

महागठबंधन में दरार को लेकर एक खबर जोर पकड़ रही है। दरअसल, सासाराम क्षेत्र के रोहतास जिले में कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों से आवेदन लिए जाने को लेकर महागठबंधन के घटक दलों के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है।

जिले की काराकाट विधानसभा सीट से भाकपा माले के विधायक अरुण सिंह ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। गौरतलब है कि कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्य एवं महाराष्ट्र की सांसद प्रीणीति शिंदे इन दिनों रोहतास समेत बिहार के अलग-अलग जिलों में जाकर कांग्रेस उम्मीदवारों से आवेदन ले रही हैं।

विधायक अरुण सिंह ने कहा कि कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी को महागठबंधन के अन्य घटक दलों वाली सीटों पर उम्मीदवारों के आवेदन नहीं लेने चाहिए। यह पूरी तरह से गठबंधन धर्म के खिलाफ है। कांग्रेस सिर्फ उन्हीं सीटों पर आवेदन लेने की हकदार है, जो उसके खाते में पहले से हैं। जिन विधानसभा सीटों पर पहले से ही राष्ट्रीय जनता दल या भाकपा माले के विधायक हैं, उन पर कांग्रेस अगर उम्मीदवारों से आवेदन ले रही है या चयन प्रक्रिया शुरू कर रही है तो यह बिल्कुल गलत है। कांग्रेस को ऐसा नहीं करना चाहिए।

अरुण सिंह ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भाकपा माले को गठबंधन में कम से कम 40 सीटें मिलनी चाहिए। पिछले विधानसभा चुनाव में 19 सीटों में से 12 पर जीत और लोकसभा चुनाव में 3 सीटों में से 2 सीटों पर जीत दर्ज की गई थी। इस आधार पर माले का स्ट्राइक रेट सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को समझना चाहिए कि माले किसी भी हाल में अपनी जीती हुई सीट नहीं छोड़ेगी और हर जिले में माले को कम से कम एक-एक विधानसभा सीट मिलनी ही चाहिए।

माले विधायक ने कहा कि बिहार में गरीबों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का वोट हमेशा माले के साथ रहा है। माले की जितनी अधिक हिस्सेदारी होगी, गठबंधन को उतना अधिक फायदा होगा। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी को राजद और माले विधायक वाली सीटों पर उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया रोकनी चाहिए। कांग्रेस को पिछली बार जिले में करगहर और चेनारी सुरक्षित सीट मिली थी, इसलिए उन्हें केवल इन्हीं सीटों के लिए उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया अपनानी चाहिए।

भगवा शॉल पहने एक ट्रैवल्स कर्मचारी पर हमला करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कलासीपाल्या पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने भगवा शॉल पहनकर काम करने को लेकर एक ट्रैवल्स कर्मचारी पर हमला किया और भाग गए।

यह घटना सोमवार रात 9.30 बजे एवी रोड, कलासीपाल्या बस स्टैंड स्थित रॉयल ट्रैवल्स कार्यालय के पास हुई। इस सिलसिले में गुरप्पनपाल्या निवासी अजीत खान (37), नागवरपल्ली निवासी तबरेज (30) और बनशंकरी निवासी इबरान खान (36) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने ट्रैवल्स कर्मचारी हरिकृष्ण और स्लिंदर कुमार नामक एक मजदूर पर हमला किया और उन्हें धमकी देकर भाग गए। रात बिहार निवासी स्लिंदर कुमार ट्रैवल्स के पास भगवा शॉल पहनकर काम कर रहे थे। इसी दौरान वहां आए आरोपियों ने उन्हें धमकाते हुए कहा तुमने भगवा शॉल क्यों पहना है?

इसे उतारो। इस दौरान, दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई और आरोपियों ने अचानक स्लिंदर कुमार को पकड़कर उसकी पिटाई कर दी। यह देखकर ट्रैवल्स का सामान उतार रहे हरिकृष्णा झगड़ा छुड़ाने गए, तो उस पर भी हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी उसे घर न जाने देने की धमकी देते हुए भाग गए। मामले की जानकारी मिलने पर कलासीपाल्या थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामला दर्ज कर जांच के बाद, उन्होंने वहां सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों और आने वाले वाहनों से जानकारी जुटाई और त्वरित कार्रवाई करते हुए सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना के संबंध में कलासीपाल्या थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

मंत्री अशोक चौधरी का तेजस्वी यादव पर हमला

ये सिर्फ परिवारवाद और अपनी जेब भरने में जुटे

जहानाबाद (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी बीते दिन जहानाबाद पहुंचे और यहां राजद नेता तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार का दोषी माना है, वही, आज घूम-घूमकर दूसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। ऐसे लोगों पर बिहार की जनता भरोसा करने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लोग न तो बिहार का विकास कर सकते हैं और न ही जनता की भलाई के बारे में सोचते हैं। ये सिर्फ परिवारवाद और अपनी जेब भरने में लगे रहते हैं। मंत्री अशोक चौधरी जहानाबाद जिला मुख्यालय स्थित सत्येंद्र नारायण सिंह कॉलेज में नए अंबेडकर कला भवन का शुभारंभ करने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया था। उन्होंने कहा था कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जिसे पीकर हर इंसान शेर की तरह दहाड़ सकता है। मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है। चाहे प्राथमिक शिक्षा हो या उच्च शिक्षा, हर स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की दिशा में काम हो रहा है। अंबेडकर कला भवन का उद्घाटन ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री डॉ. अशोक चौधरी, सांसद डॉ. सुरेंद्र प्रसाद यादव, मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. शशि प्रताप, विधायक कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव, विश्वविद्यालय के सिडिकेट सदस्य डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह और कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार मंगलम ने संयुक्त रूप से किया।

इस मौके पर डॉ. सुबोध कुमार झा की चार काव्य कृतियों का लोकार्पण भी किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेघन प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में सांसद ने शिक्षा की गुणवत्ता को समाज और राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए युवाओं से सकारात्मक योगदान देने की अपील की।

जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया और शिक्षित युवाओं से अपील की कि वे अशिक्षित युवाओं को भी पढ़ाने में मदद करें। वहीं, कुलपति ने शिक्षकों और कर्मियों की उचित मांगें पूरी करने का भरोसा दिलाया और घोषणा की कि कॉलेज में इसी सत्र से स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com